हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 7 सितंबर 2025

हॉकी एशिया कप के फाइनल में भारत

- चीन को 7-0 से हराकर 9वीं बार पहुंचा
- साउथ कोरिया से होगी खिताबी भिड़ंत

नई दिल्ली। हॉकी एशिया कप में सुपर-4 स्टेज के आखिरी मैच में भारत और चीन के बीच शानदार मुकाबला खेला गया। बिहार के राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए इस मैच में भारत ने 7-0 के बड़े अंतर से जीत हासिल की और फाइनल का टिकट पक्का कर लिया है। अब 5 बार की चैंपियन साउथ कोरिया से उसकी खिताबी भिड़ंत होगी।

तकनीकी खराबी से कोच्चि लौटा विमान

कोच्चि। अबू धाबी के लिए रवाना हुआ इंडिगो का एक विमान दो घंटे से अधिक समय तक उड़ान भरने के बाद तकनीकी खराबी के कारण शुक्रवार देर रात कोच्चि लौट आया। सूत्रों ने बताया कि विमान में 180 से अधिक यात्री और चालक दल के छह सदस्य सवार थे। सूत्रों ने बताया कि उड़ान 6ई-1403 शुक्रवार रात 11 बजकर 10 मिनट पर कोच्चि से रवाना हुई और तकनीकी खराबी के कारण रात लगभग 1:44 बजे शहर लौटी।

तीन दिन पूर्व ईडी ने रायपुर, भिलाई, दुर्ग, राजिम में 28 ठिकानों पर की थी छापे की कार्रवाई

डीएमएफ राशि का बीज निगम में दुरुपयोग, चार करोड़ कैश के साथ 10 किलो चांदी की ईंट जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

350 करोड़ रुपए का डीएमएफ घोटाले में ईडी ने नया खुलासा किया है। ईडी ने बताया है कि डीएमएफ की राशि का दुरुपयोग बीज निगम के जरिए किया गया। अफसरों ने बीज निगम के माध्यम से जो खरीदी की उसमें 60 फीसदी तक कमीशन लिया। कलेक्टर को 40 फीसदी कमीशन मिलता था। कमीशन की 20 फीसदी रकम नीचे तक बंटती थी।

दलालों के जरिए कमीशन की रकम ऊपर तक भेजी गई। तीन-चार सितंबर को रायपुर, भिलाई-दुर्ग तथा राजिम में की गई कार्रवाई में चार करोड़ रुपए कैश के साथ 10 किलो चांदी की ईंट जब्त की है। साथ ही आपत्तिजनक दस्तावेज के साथ डिजिटल उपकरण जब्त किए गए हैं।

ईडी के मुताबिक 2 दिनों तक चली जांच में ठेकेदारों, वेंडर्स और लाइजनरों के ऑफिस और निवास पर छापे की कार्रवाई की गई थी। ईडी की टीम ने जिन लोगों के यहां छापे की कार्रवाई की थी, वे सभी राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड (बीज निगम) से जुड़े कारोबारी के साथ अन्य लोग हैं। ईडी के अनुसार डीएमएफ घोटाले की परतें इन्हीं नेटवर्क के जरिए खुल रही हैं। ईडी ने यह कार्रवाई ईओडब्ल्यू तथा एसीबी द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर किए जाने की बात कही। एफआईआर में ठेकेदारों, वेंडर्स और सरकारी अधिकारियों पर आरोप लगाए गए थे। खनन प्रभावित इलाकों के लिए बनी डीएमएफ राशि का दुरुपयोग किया गया।

60 फीसदी तक कमीशन, कलेक्टर को 40 सीईओ 5, एसडीओ 3 फीसदी कमीशन लेते थे

डीएमएफ घोटाले में कृषि कारोबारियों के ठिकानों पर ईडी ने बोला धावा

21.47 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क हो चुकी है

डीएमएफ घोटाला में ईडी पूर्व में 21.47 करोड़ रुपए की संपत्ति अस्थायी तौर पर कुर्क कर चुकी है। विशेष पीएमएलए कोर्ट, रायपुर में दाखिल अभियोजन शिकायत में 16 आरोपियों को नामजद किया गया है। इस केस में अब तक निलंबित आईएएस रानू साहू, राज्य प्रशासनिक सेवा की अधिकारी माया वॉरियर और मनोज कुमार द्विवेदी को गिरफ्तार किया जा चुका है।

ऐसे किए घोटाले

ईडी की जांच में यह बात सामने आई है कि घोटालेबाजों ने बीज निगम के जरिए डीएमएफ की करोड़ों की राशि खर्च दिखाकर हेरफेर किया। वेंडर्स और ठेकेदारों को कृषि उपकरण, पल्वराइजर, मिनी दाल मिल और बीज सप्लाई करने के नाम पर ठेके दिए गए। इन ठेकों पर 40 से 60% तक कमीशन वसूला गया, जिसे लाइजनरों के जरिए अफसरों और नेताओं तक पहुंचाया जाता था। ईडी के मुताबिक सिर्फ इसी प्रक्रिया में करीब 350 करोड़ रुपए की डीएमएफ राशि के दुरुपयोग का अंदेशा है।

यह है डीएमएफ घोटाला

ईडी की रिपोर्ट के आधार पर डीएमएफ घोटाला में ईओडब्ल्यू ने आईपीसी की धारा 120-बी, 420 के तहत अपराध दर्ज किया है। इस केस में यह तथ्य निकल कर सामने आया है कि डिस्ट्रिक्ट माइनिंग फंड कोरबा के फंड से अलग-अलग टेंडर आवंटन में बड़े पैमाने पर आर्थिक अनियमितताएं की गईं है। ईडी के तथ्यों के मुताबिक टेंडर करने वाले संजय शिंदे, अशोक कुमार अग्रवाल, मुकेश कुमार अग्रवाल, ऋषभ सोनी और बिचौलिए मनोज कुमार द्विवेदी, रवि शर्मा, पियूष सोनी, पीयूष साहू, अब्दुल और शेखर नाम के लोगों के साथ मिलकर पैसे कमाए गए।

ऐसे हुई बंदरबांट

अफसरों ने डीएमएफ का जमकर दुरुपयोग किया। बीज निगम के जरिए खरीदी की। उसमें 60 फीसदी तक कमीशन वसूला। डीएमएफ घोटाला मामले में कलेक्टर को 40%, सीईओ 5%, एसडीओ 3% और सब इंजीनियर को 2% कमीशन मिला। डीएमएफ के वर्क प्रोजेक्ट में घोटाला करने फंड खर्च के नियमों को बदला गया था।

घोटाला करने प्रावधानों में बदलाव

डीएमएफ घोटाला करने प्रावधानों में बदलाव करने के साथ नए प्रावधान जोड़े गए। नए प्रावधानों में मटेरियल सप्लाई, ट्रेनिंग, कृषि उपकरण, खेल सामग्री और मेडिकल उपकरणों की कैटेगरी को जोड़ा गया, ताकि संशोधित नियमों के सहारे डीएमएफ के तहत जरूरी डेवलपमेंट वर्क को दरकिनार कर अधिकतम कमीशन वाले प्रोजेक्ट को अप्रूव किया जा सके। इसकी पुष्टि ईओडब्ल्यू , एसीबी द्वारा कोर्ट में पेश किए गए 6 हजार पेज के चालान से हुई है।

रोबोटिक सर्जरी छत्तीसगढ़ में चिकित्सा सुविधाओं के विकास में एक नया आयाम : साय

एम्स रायपुर में 'देव हस्त' सीएम ने किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री ने स्वयं किया 'देव हस्त' पर पहला ड्राई लैब डिसेक्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर एम्स में मध्य भारत के शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों के प्रथम रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम 'देव हस्त' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रोबोटिक सर्जरी छत्तीसगढ़ में चिकित्सा सुविधाओं के विकास में एक नया आयाम है। यह ऐतिहासिक क्षण प्रदेश ▶▶| शेष पेज 7 पर

20 महीने में पांच नए मेडिकल कॉलेज को स्वीकृति

मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते 20 महीनों में सरकार बनने के बाद राज्य में पांच नए मेडिकल कॉलेजों को स्वीकृति मिली है। स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नवा रायपुर में 5,000 बिस्तरों की क्षमता वाली मेडिसिटी का निर्माण किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के समय मात्र एक मेडिकल कॉलेज ▶▶| शेष पेज 7 पर

नामकरण प्रतियोगिता के विजेता को पुरस्कार

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने 'देव हस्त' के नामकरण हेतु आयोजित प्रतियोगिता की विजेता सुश्री ज्योत्स्ना किराडू को पांच हजार रुपए की पुरस्कार राशि भेंट की। कार्यक्रम में एम्स रायपुर के निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल (से.नि.) डॉ. अशोक जिंदल, विभागाध्यक्ष डॉ. देवज्योति मोहंती, बड़ी संख्या में चिकित्सा छात्र और गणमान्यजन उपस्थित थे।

सरकार की सख्ती के बाद तस्करों का नया पैंतरा

अंधेरे में रेत खनन, सुबह होते ही मशीनें गायब

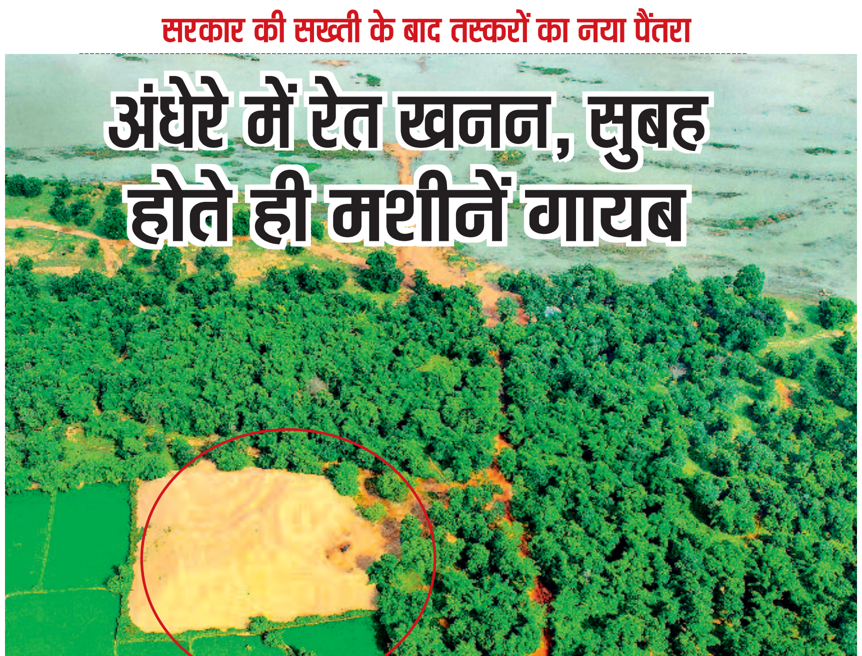

लक्ष्मण लेखवानी ▶▶| रायपुर

मानसून का समय है। बारिश में 10 जून से लेकर 10 अक्टूबर तक रेत उत्खनन पर प्रतिबंध लगा हुआ है। साय सरकार ने सख्ती करते हुए सभी घाटों को पूर्ण रूप से बंद भी कराया था, वहीं कई घाट में पानी भरने के कारण भी उत्खनन बंद है।

खास खबर

प्रदेश के कई जिलों में ताबड़तोड़ कार्रवाई की वजह से अवैध खनन बंद हुआ है। वहीं रेत माफिया बाज नहीं आ रहा। शाम होते ही मशीनों से रेत खनन किया जा रहा है। सुबह होते ही मशीनों गायब कर दी जाती हैं।

हरिभूमि को रायपुर जिले के ग्राम सेमरा का एक वीडियो मिला है। इस विडियो में ▶▶| शेष पेज 7 पर

अफसरों ने कहा, शिकायत पर कार्रवाई करेंगे, अंधेरे में गश्त होगी

जांच कर कार्रवाई करेंगे

ग्राम सेमरा के नदी से रेत निकाली जा रही है। इसकी जानकारी नहीं, लेकिन इसकी जांच कर कार्रवाई करेंगे। ग्राम सेमरा, लखना घाट में अवैध रूप से उत्खनन-परिवहन की शिकायत पहले भी आ चुकी है। उस समय टीम को कुछ नहीं मिला था। ऐसी जानकारी भी मिली थी कि मनीष नामक कोई व्यक्ति यह करा रहा है। इस बारे में भी पता लगाया जाएगा।

- रवि सिंह, एसडीएम, अभनपुर

ड्रोन कैमरे में कैद तस्वीरें बता रहीं नदी में चल रहा उत्खनन

पड़ताल के दौरान ग्राम सेमरा नदी घाट की ड्रोन से तस्वीरें भी ली गई हैं। ये तस्वीरें बता रही हैं कि नदी में अभी भी रेत का उत्खनन किया जा रहा है। नदी के बीच में उत्खनन के कारण गड्ढे हो गए हैं, वहीं इस नदी के किनारे खुली जगह पर रेत के अवैध भंडारण भी मिले। इसके अलावा जिस रास्ते से रेत से भरी गाड़ियां निकाली जा रही हैं, उस रास्ते पर ▶▶| शेष पेज 7 पर

कर्मचारियों की याचिकाएं खारिज

हाईकोर्ट ने कहा- पदोन्नति कर्मियों का अधिकार नहीं

बिलासपुर। सचिवालय सेवा भर्ती नियम 2012 में किए गए संशोधन को संवैधानिक मानते हुए कर्मचारियों की ओर से दाखिल सभी याचिकाओं को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने स्पष्ट किया है कि पदोन्नति कर्मचारियों का मौलिक अधिकार नहीं है, बल्कि यह केवल विचार किए जाने का अवसर है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति संजय के. अग्रवाल और न्यायमूर्ति संजय कुमार जायसवाल की डबल बेंच में हुई। दरअसल, राज्य सरकार ने 14 जून 2021 को अधिसूचना जारी कर संयुक्त सचिव, उप सचिव, अवर सचिव और अनुभाग अधिकारी के पदों पर पदोन्नति ▶▶| शेष पेज 7 पर

गणपति बप्पा को विदाई

रायपुर। 10 दिवसीय गणपति उत्सव के अंतिम दिन शनिवार को अनंत चतुर्दशी पर लोग भगवान गणेश की प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए ढोल-ताशे के साथ और गुलाल उड़ाते हुए सड़कों पर उमड़ पड़े। सुबह से ही विभिन्न विसर्जन कुण्ड में गणपति प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। यह दौर देर रात तक जारी रहा।

एक-एक गांव तक जाऊंगा और डीएमएफ का फायदा दिलाने का करूंगा काम

टिकट के सवाल पर कहा, यह वक्त बताएगा कि पार्टी टिकट देगी या नहीं

भाजयुमो के पूर्व अध्यक्ष रवि भगत का बड़ा बयान हर हाल में लड़ूंगा विस चुनाव, मैंने तैयारी शुरू की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारतीय जनता युवा मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष रवि भगत ने बड़ा बयान दिया है। उनका कहना है कि मैं हर हाल में विधानसभा चुनाव लड़ूंगा। उनका कहना है वे एक-एक गांव तक जाएंगे और गांवों को डीएमएफ का पैसा दिलाने का काम करेंगे। डीएमएफ के पैसों की लड़ाई तो

खास खबर

जारी ही रहेगी। भाजपा से मिले नोटिस को लेकर कहा, मैं अपना जवाब दे चुका हूं, इसके बाद पार्टी की तरफ से कोई जवाब नहीं आया है, लेकिन मुझे पार्टी की बैठकों में भी बुलाया जा रहा है। डीएमएफ की राशि को लेकर रवि भगत के बयान के बाद उनको भाजपा के प्रदेश संगठन ने नोटिस थमाया था। इसका जवाब तो रवि भगत ने तय समय पर दे दिया है, लेकिन उनके जवाब से पार्टी संगठन संतुष्ट हैं या नहीं इसका जवाब भाजपा का कोई नेता नहीं दे रहा है। इस बारे में रवि भगत से हरिभूमि ने पूछा तो उन्होंने कहा, मैंने अपना पक्ष पार्टी को भेज दिया है, अब जो फैसला करना है पार्टी को करना है। मेरे पास इसको लेकर अब तक और कोई पत्र नहीं आया है। लेकिन इतना ▶▶| शेष पेज 7 पर

अब एक मात्र लक्ष्य चुनाव लड़ना

रवि भगत ने हरिभूमि से चर्चा करते हुए कहा, अब मेरा एकमात्र लक्ष्य विधानसभा का चुनाव लड़ना है। इसके लिए मैंने तैयारी भी प्रारंभ कर दी है और गांवों का दौरा भी कर रहा हूं। मैं अपने क्षेत्र के एक-एक गांव का दौरा करूंगा और गांवों की जरूरत के हिसाब से उनको डीएमएफ फंड से मदद दिलाने का भी काम किया जाएगा। डीएमएफ के पैसों से गांवों का ▶▶| शेष पेज 7 पर

हमारे क्षेत्र के गांवों में खर्च हो डीएमएफ को पैसा

मैं न तो अपनी पार्टी का विरोधी हूं और न ही किसी विधायक का विरोधी हूं। मैं बस चाहता हूं कि हमारे क्षेत्र के गांवों के विकास पर डीएमएफ का पैसा खर्च हो। चुनाव किस पार्टी से लड़ेंगे के सवाल पर उनका कहना है कि चुनाव तो मैं भाजपा से ही लड़ूंगा। अगर पार्टी ने टिकट नहीं दिया तो क्या करेंगे के सवाल पर श्री भगत कहते हैं कि उस समय की स्थिति को देखते हुए फैसला लिया जाएगा, लेकिन यह बात तय है विधानसभा का चुनाव तो मैं जरूर लड़ूंगा।

बर्बादी की बारिश... बस्तर में 19 करोड़ से बनाने होंगे पुल और रास्ते

दो दिन की बारिश से संभाग के बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा जिले में पुल, पहुंच मार्ग की हुई तबाही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

अलग खबर

बस्तर संभाग के बस्तर, दंतेवाड़ा एवं सुकमा जिले में पुल एवं पहुंच मार्ग की दो दिन में बारिश और बाढ़ से तबाही हुई। बारिश और बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुए सड़कों और पुलों की मरम्मत के लिए 19 करोड़ 2 लाख 70 हजार रुपए खर्च किए जाएंगे, जिससे परिवहन मार्ग सुचारू रूप से बहाल हो सकें और लोगों को आवागमन में आसानी हो सके। इसके लिए लोक निर्माण विभाग के सेतु निर्माण जगदलपुर संभाग ने अनुमानित राशि रखी है। बस्तर जिले के नानगुर-नेतानार से कोलेंग मार्ग के कांगेर नदी का पुल के पहुंच मार्ग, जगदलपुर-चित्रकोट से बारसूर मार्ग मादर नाला पुल के दोनों ओर पहुंच मार्ग, तुरागुर-पटेलपारा से रामधरपारा, लालागुड़ा-आजेर मार्ग का पुल पहुंच मार्ग क्षतिग्रस्त हुए। वहीं, दंतेवाड़ा-बायपास डंकनी-शंकनी नदी पर पुल का स्लेब गिरा होने से नए पुल निर्माण की जरूरत है। पल्ली-बारसूर में मादर नदी के पुल इतना क्षतिग्रस्त कि उस जगह में नए पुल निर्माण की आवश्यकता है। मेटापाल मार्ग में कोयरगांव नाला पहुंच मार्ग अत्यधिक क्षतिग्रस्त हुआ। सुकमा जिले के सुकमा-मलकानगिरी मुख्य जिला मार्ग में शबरी नदी का पुल पहुंच मार्ग, तोंगपाल-मारेंगा मार्ग में मारेंगानाला पुल का पहुंच मार्ग एवं कुकानार-गादीरास में फूलनदी के पुल का पहुंच मार्ग क्षतिग्रस्त होने से स्थानीय लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है।

ग्रामीणों को हो रही परेशानी

क्षतिग्रस्त पहुंच मार्ग और पुलों से स्थानीय लोगों को परेशानी होती है, खासकर उन ग्रामीण इलाकों में जहां आवागमन के अन्य साधन सीमित हैं। इन मरम्मतों से लोगों को दैनिक जीवन में आने वाली बाधाओं को दूर करने और सामान्य जनजीवन बहाल करने में मदद मिलेगी।

ढांचा को स्वीकृति का इंतजार

लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण जगदलपुर संभाग के एसडीओ संतोष दास ने इस संबंध में कहा कि बारिश एवं बाढ़ से क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचा किया गया है। इसकी स्वीकृति होने पर निविदा किया जाएगा, उसके बाद मरम्मत की जाएगी।

खबर संक्षेप

गांजा का अवैध परिवहन कर रहे दो लोग गिरफ्तार

महासमुंद। स्कूटी के जरिए गांजा का अवैध परिवहन कर रहे दो लोगों को कोमाखान पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामले में आरोपियों के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत जुर्म दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि मोटर व्हीकल एक्ट के तहत जांच नाका नर्रा पहुंचकर कार्रवाई की जा रही थी। इसी दौरान मुखबीर से सूचना मिली कि 2 व्यक्ति सवार एक नीले रंग की सुजुकी कंपनी की स्कूटी से गांजा का अवैध परिवहन करते हुए खरियार रोड कुर्रूमुडा ओडिशा राज्य की ओर से नर्रा महासमुंद की ओर आ रहे हैं। कुछ देर उक्त स्कूटी आती दिखी, जिसे रोककर स्कूटी में बैठे ड्रायवर से संदेह के आधार पर पूछताछ किया गया, जिसने अपना नाम रमेश बाघ पिता सहदेव बाघ (20 साल) निवासी सिनापाली थाना नुवापाडा जिला नुवापाडा ओडिसा हाल पता भांठागांव रावतपुरा फेस नंबर 01 थाना टिकरापारा जिला रायपुर एवं स्कूटी के पीछे बैठे व्यक्ति ने अपना नाम देवेंद्र जगत पिता स्व कलीराम जगत (30 साल) निवासी वार्ड क्रमांक 34 जगन्नाथ नगर पंडरी थाना सिविल लाईन रायपुर जिला रायपुर का रहने वाला बताया तथा स्कूटी के सामने सफेद रंग की प्लास्टिक बोरी के अंदर अवैध मादक पदार्थ गांजा रखना बताया।

गणेश विसर्जन के दौरान तालाब में डूबने से युवक की मौत

नगरी। ग्राम भुरसीडोंगरी में गणेश विसर्जन के दौरान एक दुखद हादसा हो गया। विसर्जन के पश्चात तालाब में नारियल फेंकने की परंपरा निभाई जा रही थी, तभी नारियल निकालने के प्रयास में एक युवक गहरे पानी में चला गया और डूबने से उसकी मौत हो गई। घटना सिहावा थाना क्षेत्र के ग्राम भुरसीडोंगरी की है। मृतक युवक की पहचान महेश यादव उम्र लगभग 40 वर्ष के रूप में हुई है। बताया जाता है कि ग्रामवासी विधि-विधान से भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन करने तालाब पहुंचे थे। इसी दौरान यह हादसा हुआ। मामले की सूचना मिलते ही सिहावा थाना प्रभारी लेखराम ठाकुर पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे और आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ की। पुलिस के अनुसार युवक गहरे पानी में जाने से डूब गया। शव को तालाब से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर डीआरजी नारायणपुर, दंतेवाड़ा व एसटीएफ की टीम हुई थी रवाना

माड़ मुठभेड़ में मारी गई 8 लाख की ईनामी प्लाटून नंबर 16 की हार्डकोर कमांडर विमला

नारायणपुर जिले के माड़ में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर डीआरजी नारायणपुर, दंतेवाड़ा व एसटीएफ की संयुक्त टीम 4 सितम्बर को अभियान पर रवाना हुई थी। अभियान के दौरान नक्सलियों की के साथ 5 सितम्बर की सुबह प्लाटून नंबर 16 के साथ संयुक्त टीम की मुठभेड़ हुई, जिसमें सुरक्षाबलों ने एक महिला माओवादी को मार गिराया था। मारी गई महिला नक्सली की शिनाख्त प्लाटून नंबर 16 की कमांडर और पीपीसी सचिव विमला निवासी डब्बाकोंटा थाना चिंतागुफा जिला सुकमा के रूप में हुई है जिस पर 8 लाख रूपए का ईनाम घोषित था। सुरक्षाबलों ने मुठभेड़स्थल से भारी मात्रा में बंदूक व विस्फोटक बरामद किया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर/नारायणपुर

खास खबर

एसपी नारायणपुर रोबिनसन गुड़िया ने बताया कि नक्सलियों की मौजूदगी की खबर पर ओरछा थाना क्षेत्र के ग्राम बोण्डोस, नेंदुर, गवाडी और आसपास के जंगलों में नक्सल विरोधी अभियान शुरू किया गया था। 5 सितंबर को जैसे ही पुलिस पार्टी नेंदुर-गवाडी के जंगल, पहाड़ क्षेत्र में पहुंची माओवादियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। एसपी ने बताया कि नक्सलियों की प्लाटून 16 माड़ डिविजन अंतर्गत सक्रिय रहकर कई नक्सल घटनों में शामिल रहा है। न्यू कैम्प एडजूम स्थापित होने से इंद्रावती और पूर्व बस्तर क्षेत्र के नक्सलियों में घबराहट है। अबूझमाड़ अब नक्सलियों के लिए सुरक्षित नहीं रहा और लगातार मानसून में चुनौतीपूर्ण परिस्थियों में भी ऑपरेशन से नक्सलियों की कमर टूट चुकी है। अबूझमाड़ से नक्सलवाद को समाप्त करने के निर्णायक चरण में हम प्रवेश कर चुके हैं। जो लोग नक्सलवाद की खोखली विचारधारा से भ्रमित हैं और विकास की राह में बाधा बन रहे हैं, उन्हें आत्मसमर्पण कर सम्मानपूर्वक जीवन अपनाकर समाज की मुख्यधारा से जुड़ना चाहिए अन्यथा उन्हें इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे।

आईजी सुंदरराज पट्टलिंगम ने बताया कि पूरे बस्तर संभाग में प्रतिबंधित व अवैध माओवादी संगठन सीपीआई-माओवाद के विरुद्ध एक सशक्त अभियान जारी है। बस्तर पुलिस इस अभियान की गति को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। मानसून जैसी विषम परिस्थिति में भी यह सफलता सुरक्षा बलों के दृढ़ संकल्प को दर्शाती है कि बस्तर में स्थायी शांति, प्रगति और समृद्धि सुनिश्चित की जाएगी।

मिले हथियार व अन्य सामान, कई नक्सलियों के घायल होने की खबर

सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ स्थल से बड़ी मात्रा में हथियार व विस्फोटक बरामद किए हैं। इनमें 303 रायफल, 315 बोर रायफल, बीजीएल लांचर, बीजीएल सेल, 19 किलो तरल विस्फोटक (जिलेटिन स्टिक) एमएम, रेडियो, इलेक्ट्रॉनिक स्वीच व अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद किया है। एसपी ने बताया कि घटनास्थल पर खून के धब्बे मिले हैं। जिससे अनुमान है कि कई नक्सली गोली लगने से घायल हुए हैं। यह ऑपरेशन आईजी बस्तर रेंज सुंदरराज पी, डीआईजी कांकेर अमित कांबले, डीआईजी दंतेवाड़ा कमलोचन कश्यप, एसपी नारायणपुर रोबिनसन गुड़िया, एसपी दंतेवाड़ा गौरव राय समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में चलाया गया था।

हरिभूमि की खबर के बाद कार्रवाई

बच्ची से उठक बैठक कराने वाली शिक्षिका बर्खास्त प्रभारी प्राचार्य की भी छुट्टी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

मामूली सी बात पर बच्ची से उठक बैठक कराने और डंडे से मारपीट करने मामले में स्कूल शिक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। हरिभूमि द्वारा प्रकाशित खबर के बाद डीईओ के निर्देश के बाद डीएवी स्कूल प्रबंधन की ओर से क्षेत्रीय संचालक ने छात्रा के साथ अमानवीय व्यव्हार करने वाली शिक्षिका को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया है। इसके साथ ही प्रभारी प्राचार्य को हटाकर छुट्टी पर भेज दिया गया है। फिलहाल इस मामले की जांच चल रही है और जांच के बाद कार्रवाई होगी।

बता दें कि सीतापुर क्षेत्र के प्रतापगढ़ में स्थित डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल में पढने वाली कक्षा 2री की छात्रा को स्कूल में एक शिक्षिका द्वारा 100 बार उठक बैठक कराए जाने का मामला सामने आया था।

डीईओ के पत्र के बाद की कार्रवाई

जिला शिक्षा अधिकारी दिनेश झा ने वायरल वीडियो के साथ ही प्रकाशित खबर के आधार पर डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल के भिलाई स्थित क्षेत्रीय संचालक को पत्र लिखकर कार्रवाई करने की अनुशंसा की थी। डीईओ के पत्र के बाद 6 सितम्बर को क्षेत्रीय संचालक ने शिक्षिका को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया है जबकि इस मामले में लापरवाही और शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं करने को लेकर प्रभारी प्राचार्य को जिम्मेदार माना गया है। क्षेत्रीय संचालक ने मामले में प्रभारी प्राचार्य को छुट्टी पर भेज दिया है।

की गई है कार्रवाई: बच्ची से उठक बैठक कराने और मारपीट को गंभीरता से लिया गया है। इस मामले में डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल के भिलाई स्थित क्षेत्रीय संचालक को पत्र लिखा गया था। डीएवी प्रबंधन ने शिक्षिका को बर्खास्त करने के साथ ही प्रभारी प्राचार्य को हटा दिया है। इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस मामले में अभी जांच जारी है। **-दिनेश झा**, डीईओ सरगुजा

हाथियों का आतंक: कांसाबेल के चर्च में तोड़फोड़ और खाद्य सामग्री किया चट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जशपुरनगर

हाथियों का आतंक जिले के लोगों के लिए रोजमर्रा की समस्या बन गई है। कभी खेत उजाड़ना, कभी घर तोड़ना तो कभी धार्मिक स्थलों को नुकसान पहुंचाना। ऐसा कोई दिन नहीं गुजरता जब हाथियों का उत्पात जिले में न दिखे। बीती रात कांसाबेल विकासखंड के दोकड़ा गांव में हाथियों ने बिलिक्र्स ईस्टर्न चर्च को अपना निशाना बनाया। ग्रामीणों के अनुसार, रात करीब ग्यारह बजे अचानक चार हाथी गांव में घुस आए। ये हाथी सीधे चर्च की ओर बढ़े और वहां जमकर उत्पात मचाया। उन्होंने चर्च की चारदीवारी को ध्वस्त कर दिया और पीछे बने कमरे को भी तहस-नहस कर दिया। कमरे में रखे बर्तन, खाद्यान्न और चावल को उन्होंने चट कर डाला।

समाजसेवा कार्यों के लिए रखा गया अन्य सामान भी हाथियों ने रौंद दिया। हाथियों की गर्जना और तोड़फोड़ से पूरा इलाका गूंज उठा। शोर सुनते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। लोगों ने मशालें और टॉर्च जलाकर, ढोल पीटकर और शोर मचाकर हाथियों को भगाने की कोशिश की। सामूहिक प्रयास से हाथी तो जंगल की ओर लौट गए, लेकिन तब तक वे चर्च और उसके आसपास भारी नुकसान कर चुके थे।

पहले से डेरा डाले हुए थे हाथी

ग्रामीणों का कहना है कि ये वही चार हाथी हैं जो बीते एक सप्ताह से इलाके में विचरण कर रहे हैं। इनमें से तीन हाथी पत्थलगांव क्षेत्र से आए हैं, जबकि एक हाथी सीतापुर इलाके से भटककर आया है। पिछले कुछ दिनों में इन हाथियों ने गांव के खेतों और बाड़ी को भी नुकसान पहुंचाया था, लेकिन चर्च पर हमला ग्रामीणों के लिए चौंकाने वाला रहा।

वन विभाग की टीम सक्रिय

वन विभाग की रेंजर प्रभावती चौहान ने बताया कि विभाग की टीम लगातार हाथियों की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है। घटना में हुए नुकसान का आकलन कर प्रभावितों को शीघ्र ही मुआवजा राशि दिलाई जाएगी। चौहान ने ग्रामीणों से अपील की है कि हाथियों के दल के पास न जाएं और किसी भी घटना की सूचना दें।

पिछली बार ओवरएज की नियुक्ति को लेकर हो चुका है विवाद

भाजयुमो में अंडर 35 को ही मिलेंगे पद, नहीं चलेंगे ओवरएज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

प्रदेश भाजपा संगठन की नई कार्यकारिणी के साथ सात मोर्चा के अध्यक्ष भी घोषित हो गए हैं। भाजयुमो का अध्यक्ष राहुल टिकरिहा को बनाया गया है। उनको अध्यक्ष बनाने के पीछे एक बड़ा कारण उनकी उम्र भी है। वे 35 साल से कम के हैं। इस बार तय है कि संगठन चुनाव में जिस तरह से मंडल अध्यक्ष के लिए 45 साल और जिलाध्यक्ष के लिए 60 साल उम्र की बाध्यता थी, उसी तरह से भाजयुमो अध्यक्ष के बाद अब अन्य पदाधिकारियों के लिए अंडर 35 साल की बाध्यता रहेगी। पिछली बार प्रदेश भाजयुमो की कार्यकारिणी में ओवरएज को पदाधिकारी बनाने के कारण बड़ा विवाद हुआ था। ओवरएज को बाहर करने की भी तैयारी थी, लेकिन ऐन समय पर भाजपा की प्रदेश प्रभारी डी. पुरंदेश्वरी के बदले जाने के कारण मामला ठंडे बस्ते में चला गया था। भाजयुमो की कार्यकारिणी का ऐलान इसी माह हो जाएगा। भाजयुमो के साथ ही सभी मोर्चा को अपनी कार्यकारिणी इस माह बनाने के निर्देश दिए गए हैं। भाजपा का राष्ट्रीय संगठन इस बार भाजपा संगठन के चुनाव को लेकर बहुत गंभीर है। बीते साल सितंबर में भाजपा के सदस्यता अभियान के बाद प्रदेश संगठन के चुनाव हुए तो इस बात का विशेष ध्यान रखा गया कि किसी भी हाल में मंडलों के अध्यक्षों की उम्र 45 साल से ज्यादा न हो। कुछ स्थानों पर तो जिनके नाम का समर्थन भाजपा के दिग्गज नेताओं ने किया था, उनकी उम्र ज्यादा होने के कारण उनको भी अध्यक्ष नहीं बनाया गया। इससे साफ है कि भाजपा इस बार कितनी गंभीर है। इसी तरह से जिलाध्यक्षों को लेकर भी 60 साल की उम्र सीमा का ध्यान रखा गया। पूरे प्रदेश में कहीं भी 60 साल से ज्यादा उम्र के किसी को भी जिलाध्यक्ष नहीं बनाया गया है।

अंडर 35 ही बनेंगे पदाधिकारी

यह बात तय है कि भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष की कमान जिस तरह से 33 साल के राहुल टिकरिहा को दी गई है, उससे साफ है कि उनकी कार्यकारिणी में भी सभी पदाधिकारी 35 साल से अंदर के होंगे। पिछली बार भी पहले अमित साहू को अंडर 35 होने के कारण अध्यक्ष बनाया गया था। लेकिन भाजयुमो की प्रदेश कार्यकारिणी को लेकर बड़ा विवाद हुआ। भाजपा के दिग्गज नेताओं के कहने पर कार्यकारिणी में कुछ ओवरएज नेताओं को पद दे दिए गए, लेकिन इसकी शिकायत उस समय की प्रदेश प्रभारी डी. पुरंदेश्वरी तक गई तो उन्होंने प्रदेश कार्यकारिणी के साथ पूरे प्रदेश के जिलाध्यक्षों की कुंडली भी बनवा ली। इसके बाद प्रदेश कार्यकारिणी के साथ कुछ जिलों के अध्यक्षों को भी बाहर करने की तैयारी हो गई थी, लेकिन डी. पुरंदेश्वरी के प्रदेश प्रभारी के पद से हटने के बाद अंततः यह मामला ठंडे बस्ते में चला गया। पिछली बार के विवाद को देखते हुए इस बार प्रदेश संगठन ने पूरी सावधानी रखने का फैसला किया है। ऐसे में तय है कि इस बार भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष के बाद प्रदेश कार्यकारिणी के साथ जिलाध्यक्षों की नियुक्ति में अंडर 35 पर ही फोकस होगा।

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

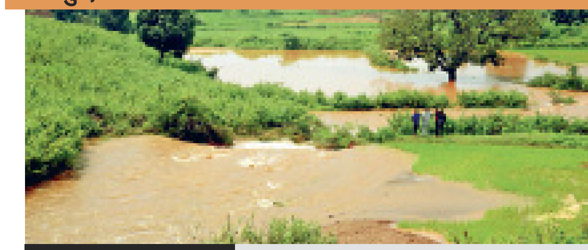

20 एकड़ से अधिक की फसल नुकसान का अनुमान

दिन के समय हुई घटना, टला बड़ा हादसा, आला अधिकारियों ने किया निरीक्षण, लिया नुकसान का जायजा, दिए आवश्यक निर्देश

लुत्ती के बाद टूटा गेरसा का बांध
अहिराज सांप के बिल से शुरू हुआ था रिसाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

खास खबर

बलरामपुर जिले के लुत्ती बांध के बाद लुंड्रा में गेरसा बांध टूट गया है। शनिवार की सुबह सुबह बांध का एक बड़ा हिस्सा धराशायी हो गया। गनीमत रही कि घटना दिन के उजाले में हुई और बांध के आस पास कोई रिहायशी बस्ती नहीं है, जिससे बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। बांध के टूटने से लगभग 20 एकड़ में लगी फसल पानी में तबाह हो गई है। घटना की सूचना मिलने के बाद कलेक्टर के साथ ही आला अधिकारी और विभाग की टीम मौके ओर पर पहुंची हुई है। ▶▶|शेष पेज 7 पर

लोग सुरक्षित, फसलें तबाह

गेरसा बांध के टूटने की घटना दिन के समय हुई। अच्छी बात यह है कि बांध के आस पास रिहायशी मकान नहीं है। बांध के पास लोगों के खेत है। बांध टूटने से किसानों की लगभग 20 एकड़ में लगी धान की फसल के तबाह होने की बात कही जा रही है। घटना के बाद अधिकारियों ने प्रभावित गांवों में मुनादी कराकर ग्रामीणों को सतर्क ▶▶|शेष पेज 7 पर

1990 में बनकर तैयार हुआ था बांध

बताया जा रहा है कि ग्राम गेरसा में सिंचाई विभाग के इस बांध का निर्माण 1988 में शुरू हुआ था। लघु सिंचाई परियोजना के तहत बांध 1990 में बनकर तैयार हुआ। इस बांध से लगभग 142 हेक्टेयर क्षेत्र में खरीफ ▶▶|शेष पेज 7 पर

मरम्मत कार्य शुरू

गेरसा बांध के निर्माण 1990 में किया गया था। लघु सिंचाई योजना के इस बांध में 12 से 13 मीटर तक पानी भरा हुआ था। इस घटना से किसानों की फसलों को नुकसान हुआ है। नुकसान का आंकलन करने के साथ ही बांध के मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया गया है। क्षतिग्रस्त होने के बाद भी बांध में 65 प्रतिशत पानी शेष रहेगा।

- **अशोक निरंजन**, ईई जल संसाधन विभाग

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

सीजेआई गवई पहुंचे बुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी

काठमांडू। भारत के प्रधान न्यायाधीश बी.आर. गवई शनिवार को भगवान बुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी पहुंचे। न्यायमूर्ति गवई इस समय चार दिन की नेपाल यात्रा पर हैं। लुंबिनी पहुंचने पर उनका स्वागत लुंबिनी डेवलपमेंट ट्रस्ट के उपाध्यक्ष ल्हारक्याल लामा ने किया। लुंबिनी में उन्होंने मायादेवी मंदिर परिसर का दौरा किया।

एसयूवी पलटने से तीन छात्रों की मौत, 8 घायल

राजकोट। गुजरात के राजकोट जिले में राजमार्ग पर एक एसयूवी पलट जाने से इंजीनियरिंग कॉलेज के तीन छात्रों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। मृतकों की पहचान नरेश कोडावती (19), मोती हर्षा (17) और अफरीद सैयद (17) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि सभी आंध्र प्रदेश से थे। यह दुर्घटना जसदन तालुका के जंगवाड गांव के पास देर रात करीब डेढ़ बजे हुई, छात्रों का एक समूह दीव जा रहा था।

मुंबई पुलिस को बम की धमकी, गिरफ्तार

नोएडा। मुंबई पुलिस को कथित तौर पर धमकी भरा संदेश भेजने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। संदेश में दावा किया गया था कि 14 आतंकवादी 400 किलोग्राम आरडीएक्स लेकर मुंबई में घुस गए हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान अश्विनी कुमार के रूप में हुई है और वह बिहार का रहने वाला है।

इंडियन बैंक सुरक्षित वेब पोर्टल पर स्थानांतरित

चेन्नई। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशों के अनुसार अपनी कॉरपोरेट वेबसाइट का डोमेन बदलकर 'इंडियन बैंक डॉट बैंक डॉट इन' कर दिया है। पूरी कवायद का मकसद धोखाधड़ी के खिलाफ मजबूत सुरक्षा उपाय करना और डिजिटल बैंकिंग समाधानों में जनता का भरोसा बढ़ाना है। चेन्नई स्थित इस बैंक ने बैंकिंग प्रौद्योगिकी विकास एवं अनुसंधान संस्थान के तहत पहल की है।

अभिनेता वारंग का 55 वर्ष की आयु में निधन

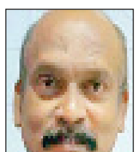

मुंबई। 'सूर्यवंशी' और 'दृश्यम' जैसी फिल्मों में अभिनय के लिए जाने जाने वाले अभिनेता आशीष वारंग का 55 वर्ष की आयु में हृदय गति रुकने से निधन हो गया है। एक पोस्ट में कहा गया, गहरे दुख के साथ हमें यह सूचित करना पड़ रहा है कि आशीष वारंग का पांच सितंबर को निधन हो गया, वह बीमारी से बहादुरी से जूझ रहे थे।

टूट रही है दोस्ती के बीच की 'दीवार'

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के साथ चल रहे टैरिफ विवाद के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की, तो पीएम नरेंद्र मोदी ने भी एक कदम आगे बढ़ाया है। पीएम मोदी ने कहा है कि राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं और हमारे संबंधों के सकारात्मक मूल्यांकन की हम तहे दिल से सराहना करते हैं। इससे पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि वह मोदी जी से हमेशा दोस्ती रखेंगे, वे एक महान प्रधानमंत्री हैं।

टैरिफ वार के बीच रंग लाई भारत की 'चुप्पी' कूटनीति, अमेरिका के साथ रिश्तों में गर्माहट के मिलने लगे संकेत

पीएम मोदी ने सुनी ट्रंप के 'मन की बात'

भारत और अमेरिका के बीच विशेष रिश्ते, चिंता की कोई बात नहीं: ट्रंप

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क/वाशिंगटन

मैं हमेशा नरेंद्र मोदी का दोस्त रहूंगा... वह शानदार प्रधानमंत्री हैं लेकिन उनके काम पसंद नहीं आ रहे

शुल्क और रूसी तेल खरीद को लेकर अमेरिका और भारत के मध्य मौजूदा तनाव के बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि दोनों देशों के बीच 'विशेष संबंध' हैं और चिंता की कोई बात नहीं है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में अपने कार्यालय 'ओवल ऑफिस' में कहा, मैं हमेशा नरेंद्र मोदी का दोस्त रहूंगा... वह शानदार प्रधानमंत्री हैं, लेकिन मुझे इस समय उनके द्वारा किए जा रहे काम पसंद नहीं आ रहे हैं। भारत और अमेरिका के बीच विशेष संबंध है, चिंता की कोई बात नहीं है। बस कभी-कभी कुछ ऐसे पल आ जाते हैं। राष्ट्रपति इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि क्या वह भारत के साथ संबंधों को फिर से सुधारने के लिए तैयार हैं, क्योंकि दोनों देशों के बीच संबंध पिछले दो दशकों में संभवतः सबसे खराब ▶▶|शेष पेज 7 पर

रूस से तेल खरीदने पर जताई निराशा

ट्रंप ने कहा, मैं इस बात से बहुत निराश हूं कि भारत रूस से इतना तेल खरीद रहा है। उन्होंने कहा, मैंने उन्हें बताया कि हमने भारत पर बहुत बड़ा शुल्क लगाया है - 50 प्रतिशत शुल्क, बहुत ज्यादा सुल्क। जैसा कि आप जानते हैं, मोदी के साथ मेरे बहुत अच्छे संबंध हैं, वह कुछ महीने पहले यहां आए थे।

हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया : ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पोस्ट में कहा, लगता है हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है। ईश्वर करे कि उनका भविष्य दीर्घकालिक और समृद्ध हो। ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के नेता शी चिनफिंग के साथ मोदी की एक पुरानी तस्वीर भी पोस्ट की थी।

मोदी ने कहा- अमेरिकी राष्ट्रपति की सकारात्मक राय का करता हूं समर्थन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

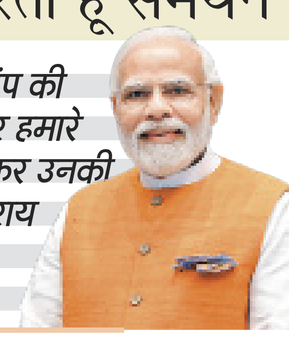

हम राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं और हमारे संबंधों को लेकर उनकी सकारात्मक राय की सराहना करते हैं...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि वह भारत-अमेरिका संबंधों के "सकारात्मक" आकलन के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सराहना करते हैं। इससे पहले ट्रंप ने दोनों देशों के "विशेष" संबंध की सराहना की थी, जिसे दोनों देशों रिश्तों में आए तनाव को खत्म करने के प्रयास के तौर पर देखा गया। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह हमेशा मोदी के मित्र रहेंगे, लेकिन मोदी इस समय जो कर रहे हैं, वह उन्हें पसंद नहीं आया। मोदी ने कहा, हम राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं और हमारे संबंधों को लेकर उनकी सकारात्मक राय की सराहना करते हैं और उसका पूरी तरह से समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा, भारत और अमेरिका के बीच बहुत सकारात्मक, दूरदर्शी, व्यापक और वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है।

17 जून के बाद पहली बार बयान

दोनों नेताओं ने 17 जून को फोन पर हुई बातचीत के बाद पहली बार एक दूसरे के बारे में बयान दिए हैं। भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने के ट्रंप के फैसले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था। इसमें से 25 प्रतिशत शुल्क रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर लगाया गया था।

ट्रंप के आक्रामक तेवर और भारत का धैर्य : दरअसल, दूसरी बार सत्ता में लौटने के बाद ट्रंप का रुख पहले से कहीं ज्यादा आक्रामक रहा है। भारत भी उनकी इस आक्रामकता से अछूता नहीं रहा। कभी पाकिस्तान के साथ खड़े नजर आए, तो कभी भारत के खिलाफ सख्त बयान दिए, लेकिन दिलचस्प यह रहा कि भारत ने ज्यादातर मौकों पर संयमित चुप्पी साधी।

एमबीबीएस के छात्र ने एग्जाम से पहले लगाई फांसी, मौत

■ चौथा पेपर देने नहीं पहुंचा छात्र तो मामले की हुई जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोरबा

मेडिकल कॉलेज हॉस्टल में एमबीबीएस फर्स्ट ईयर के स्टूडेंट ने फांसी लगा ली है। शनिवार को हॉस्टल के कमरे में फंदे से लटकती लाश मिली है। बताया जा रहा है कि युवक बैकलॉग के कारण परेशान था। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक मृत एमबीबीएस छात्र का नाम हिमांशु कश्यप 21 वर्ष है। मृतक हिमांशु मूल रूप से बिलासपुर जिले का रहने वाला था। जो हॉस्टल के कमरा नंबर ए 13 में अपने साथी छात्र पुष्पराज के साथ रह रहा था। यहीं हिमांशु ने फांसी लगाकर अपनी ईहलीला समाप्त कर ली है। शनिवार की दोपहर 11 बजे से 2 बजे तक फार्माकोलॉजी का एग्जाम था। पुलिस जांच में पता चला है कि परीक्षा से पहले हिमांशु ने पास की दुकान से रस्सी खरीदी थी। दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज में वह रस्सी खरीदते हुए ▶▶|शेष पेज 7 पर

सदमे में हॉस्टल के छात्र

मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में सुसाइड की खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। कमरे को परिजनों के आने तक सील कर दिया गया है। हिमांशु के परिवार को घटना की सूचना दी गई। परिजनों के आने तक शव को फंदे से नहीं उतारा गया था। इस घटना से मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में रह रहे लगभग 150 छात्र सदमे में हैं। सहपाठियों का कहना है कि हिमांशु पढ़ाई को लेकर अक्सर दबाव में रहता था। अचानक हुई इस घटना ने पूरे परिसर को शोकाकुल कर दिया है।

बैकलॉग्स से तनाव में था हिमांशु मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक डॉ.गोपाल कंवर ने कहा कि हिमांशु तीन पेपर पहले ही दे चुका था। शनिवार को उसका चौथा पेपर होना था। पिछले एक साल से वह पढ़ाई में बैकलॉग कर रहा था। इसी वजह से मानसिक तनाव में था। एग्जाम से गैरहाजिर रहने के बाद उसकी तलाश शुरू हुई और पूरी घटना सामने आई।

बैराबी-सैरांग रेल लाइन

12.8 किमी में 48 सुरंगें और 142 ब्रिज, देश की सबसे कठिन परियोजना

8071 करोड़ रुपए कुल लागत

51.38 किमी का रेलखंड

26 साल बाद मिजोरम को मिली रेल कनेक्टिविटी

ऐसे खूबसूरती बढ़ाता है बैराबी-सायरंग रूट

12.85	किमी लंबी कुल 48 सुरंग रास्ते में
55	बड़े पुलों से गुजरेंगी ट्रेनें
87	छोटे पुल भी बनाए गए सेक्शन पर
05	आरओबी का निर्माण किया है रेलवे ने
06	रोड अंडर ब्रिज का भी हुआ है काम

कुतुबमीनार से भी ऊंचा ब्रिज इंजीनियरिंग का अद्भुत नमूना, दिल्ली, गोहाटी से सीधे पहुंच सकेंगे आइजोल

कुतुब मीनार से ऊंचे 104 मीटर ब्रिज से दौड़ेगी ट्रेन

मिजोरम की राजधानी आइजोल से लौटकर ललित राठोड़

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

रेलवे की 26 साल की मेहनत के बाद पहली बार मिजोरम की राजधानी आइजोल भारतीय रेलवे के नेटवर्क से जुड़ गई है। 8 हजार 71 करोड़ रुपए की लागत से बनी 51.38 किलोमीटर लंबी बैराबी-सैरांग रेल परियोजना का उद्घाटन का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 सितंबर को कर सकते हैं। भारतीय रेलवे का यह रूट अब देश के सबसे खूबसूरत रेल मार्ग में शामिल हो ▶▶|शेष पेज 7 पर

3 राज्यों के हजारों श्रमिकों ने 11 साल की मेहनत

मोबाइल फोन की कनेक्टिविटी नहीं होने से उनका अपने घरों से संपर्क कटा रहता था। रेलवे के मुताबिक ऐसे में श्रमिकों को रोकना बहुत मुश्किल था। वह अपने पूरे ग्रुप के साथ काम छोड़कर चले जाते थे। सड़क की अपेक्षा ट्रेन रूट का अलाइनमेंट छोटा रखा गया। इस कारण टनल से निकलकर वादियों और वादियों से निकलकर टनल तक का काम चुनौती बढ़ा रहा था। आम रेल ▶▶|शेष पेज 7 पर

धार्मिक अनुष्ठान से एक करोड़ का कलश चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के लाल किला परिसर में आयोजित किये जा रहे एक जैन धार्मिक अनुष्ठान से करीब एक करोड़ रुपये मूल्य का एक कलश चोरी हो गया। अधिकारी ने बताया कि 760 ग्राम सोने से निर्मित इस कलश में हीरे, माणिक और पन्ना सहित करीब 150 ग्राम बहुमूल्य रत्न जड़े हुए थे। उन्होंने बताया कि यह कलश तीन सितंबर को अनुष्ठान के दौरान चोरी हो गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, सिविल लाइंस निवासी और व्यवसायी शिकायतकर्ता सुधीर जैन प्रतिदिन इस कलश को धार्मिक अनुष्ठान के लिए लाते थे।

संदिग्ध की पहचान

दिल्ली पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में एक संदिग्ध व्यक्ति की गतिविधियां कैद हुई हैं। पुलिस ने बताया कि उसकी पहचान कर ली गई है और जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा। यह धार्मिक अनुष्ठान लाल किला परिसर स्थित 15 अगस्त पार्क में नौ सितंबर तक आयोजित किया जाएगा।

पावागढ़ मंदिर में रोपवे का तार टूटने से छह की मौत

एजेंसी ▶▶| हलोल

गुजरात के पंचमहल जिले के प्रसिद्ध पावागढ़ पहाड़ी मंदिर में शनिवार को एक सामान ढुलाई रोपवे का तार टूट जाने से छह लोगों की मौत हो गई। एसपी हरेश दुधात ने हादसे में छह मौतों की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि पुलिस और अग्निशमन दल राहत एवं बचाव कार्यों के लिए मौके पर मौजूद हैं। पावागढ़ मंदिर लगभग 800 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। श्रद्धालु मंदिर पहुंचने के लिए या तो लगभग 2000 सीढ़ियां चढ़ते हैं या फिर केबल ▶▶|शेष पेज 7 पर

पंचमहल में बड़ा हादसा

सामान ढोने वाली बोगी

इस मामले में मंत्री रुशिकेश पटेल ने बताया कि हादसा टावर नंबर-एक के पास हुआ, जब सामान ढोने वाले बोगी की तार अचानक टूट गई और बोगी नीचे गिर गई। सभी शव बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिए गए हैं। जिला कलेक्टर ने जांच समिति बनाई है और सरकार को प्राथमिक रिपोर्ट सौंपी जाएगी।

देशभर में दिखाई देगा साल का आखिरी चंद्रग्रहण

चंद्रग्रहण आज, 100 साल बाद पितृपक्ष का संयोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

खास खबर

चंद्रग्रहण एक प्राकृतिक खगोलीय घटना है, लेकिन धार्मिक और ज्योतिषीय दृष्टि से इसे बेहद खास माना जाता है। ज्योतिषियों के अनुसार, इस साल अंतिम चंद्रग्रहण 7 सितंबर को लगने वाला है। खास बात यह है कि इस दिन भाद्रपद माह की पूर्णिमा तिथि भी होगी। वैसे भी इस बार के चंद्र ग्रहण पर 100 साल बाद पितृ पक्ष का संयोग बन रहा ▶▶|शेष पेज 7 पर

सूतक काल आज दोपहर 12.57 से

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, सूतक काल चंद्रग्रहण शुरू होने से 9 घंटे पहले शुरू होगा। सूतक काल 7 सितंबर को दोपहर 12.57 से शुरू हो जाएगा। सूतक कॉल 8 सितंबर को रात्रि 1.26 बजे समाप्त होगा। 7 सितंबर को पूर्णिमा का श्राद्ध भी पड़ रहा है। श्राद्ध सूतक कॉल से पूर्व 11.25 बजे से 12.25 बजे तक कर सकते हैं।

चंद्रग्रहण का प्रारंभ और मोक्ष : चंद्रग्रहण का आरंभ 7 सितंबर की रात 9 बजकर 58 मिनट से होगा और इसका समापन 8 सितंबर की आधी रात 1 बजकर 26 मिनट पर होगा। पीक टाइमिंग की बात की जाए तो ये रात 11 बजकर 42 मिनट पर अपने चरम पर होगा। यानी भारत में संपूर्ण ग्रहण काल की कुल अवधि 3 घंटे 28 मिनट की रहेगी।

क्या करें, क्या न करें

ज्योतिषाचार्य के अनुसार, गर्भवती महिलाओं पर ग्रहण का असर होता है। ऐसे में वह घरों से ग्रहण के समय बाहर न निकलें। पीपल, तुलसी और बरगद के पेड़ को स्पर्श न करें। नाखून-बाल भी न काटें। यात्रा करने से भी बचें। देवी-देवताओं की प्रतिमाओं को छूने से बचें। ग्रहण के बाद लाल कपड़ा, तांबे का पात्र, मसूर दाल, गेंहू व लाल फल का दान करना चाहिए। ग्रहण समाप्त होने के बाद गाय को रोटी खिलाने से अच्छा लाभ होता है। मंदिरों में पूजा कर दान करना चाहिए। ग्रहण समाप्त होने पर पूरे घर में गंगा जल का छिड़काव कर शुद्धि करें। ग्रहण काल में गुरु मंत्र का जाप करें। लाभ दायक होता है। सूर्य उपासना व आदित्य हृदय स्रोत का पाठ भी करना चाहिए।

हरियाणा के बहादुरगढ़ में ड्रेन टूटने से हालात बदतर

घरों में पांच फीट तक घुसा पानी, जनजीवन अस्त-व्यस्त

150 गाड़ियां डूबीं, कॉलोनियां जलमग्न, सेना ने संभाला मोर्चा

एजेंसी ▶▶| बहादुरगढ़

हरियाणा के बहादुरगढ़ में मंगेशपुर ड्रेन टूटने के बाद हालात बेहद गंभीर बने हुए हैं। भारी बारिश और ड्रेन ओवरफ्लो होने से औद्योगिक क्षेत्र से लेकर आवासीय कॉलोनियां पानी में डूब चुकी हैं। हालात से निपटने के लिए सेना की टीम बुलानी पड़ी है। आर्मी की डोट डिवीजन हिसार से आए 80 से ज्यादा जवान एसडीआरएफ के 40 जवानों के साथ राहत और बचाव कार्य में जुटे हुए हैं।

ड्रेन के टूटने से शहर के विवेकानंद नगर और छोटूराम नगर पूरी तरह जलमग्न हो चुके हैं। घरों में चार से पांच फीट तक पानी घुस चुका है, जिससे लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। औद्योगिक क्षेत्र में भी पानी भर गया है। मारुति कंपनी के स्टॉकयार्ड में खड़ी 150 से ज्यादा गाड़ियां पानी में डूब चुकी हैं। इससे करोड़ों का नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है।

युद्धस्तर पर जारी है काम

सेना और एसडीआरएफ की टीमें आठ नावों के साथ मौके पर काम कर रही हैं। उनका मुख्य ध्यान मंगेशपुर ड्रेन के कटाव को रोकने और तटबंध को मजबूत करने पर है। तेज बहाव के कारण दिक्कतें आ रही हैं, लेकिन समाधान के लिए युद्धस्तर पर काम जारी है। सेना ने लोहे के जालीनुमा बड़े बॉक्स तैयार कर कटाव के पास लगाए हैं, जिनमें प्लास्टिक बैग्स में मिट्टी भरकर डाली जा रही है ताकि पानी के बहाव को रोका जा सके।

1500 एकड़ फसल जलमग्न : हिसार जिले में घग्गर ड्रेन ने एक बार फिर विकराल रूप ले लिया है। अल सुबह करीब 4 बजे गुड़िया खेड़ा के पास मोडिया खेड़ा गांव में ड्रेन का तटबंध टूट गया। कुछ ही घंटों में दरार 80 फीट तक फैल गई और पानी तेजी से खेतों में घुस गया। इस हादसे से करीब 1500 एकड़ फसल पूरी तरह डूब गई।

सेना ने लगाया मेडिकल कैंप

सिंचाई विभाग और नगर परिषद के 100 से ज्यादा कर्मचारी भी मौके पर तैनात हैं। कर्मचारियों की सुरक्षा और सेहत को देखते हुए सेना ने मेडिकल कैंप लगाया है। वहीं, सिंचाई विभाग की ओर से चाय, बिस्कुट, फल और सूखे राशन जैसी सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। सिंचाई विभाग के एक्सईएन ईशान सिवाच खुद मौके पर डटे हुए हैं और काम की निगरानी कर रहे हैं।

यूएनजीए में अब प्रधानमंत्री मोदी की जगह जाएंगे जयशंकर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस साल के अंत में होने जा रही संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की बैठक में शामिल नहीं होंगे। उनकी जगह विदेश मंत्री एस. जयशंकर इस बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह जानकारी महासभा के वक्ताओं की संशोधित सूची जारी होने के बाद सामने आई है। संयुक्त राष्ट्र महासभा का 80वां सत्र 9 सितंबर से शुरू होगा। इसके बाद उच्चस्तरीय बैठक 23 से 29 सितंबर के बीच आयोजित की जाएगी। इस बैठक में पहला वक्ता ब्राजील प्रतिनिधि होगा। ट्रंप 23 सितंबर को यूएनजीए के मंच से वैश्विक नेताओं को संबोधित करेंगे। यह उनके दूसरे कार्यकाल में संयुक्त राष्ट्र सत्र को संबोधित करने का पहला अवसर होगा।

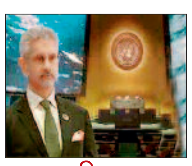

जलवायु शिखर सम्मेलन का आयोजन
संयुक्त राष्ट्र ने जानकारी दी है कि यह बैठक 1995 में बीजिंग में हुए ऐतिहासिक सम्मेलन के बाद हुई प्रगति की समीक्षा भी करेगी, इसके साथ ही 24 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस जलवायु शिखर सम्मेलन आयोजित करेंगे, जो विश्व नेताओं को अपनी नई राष्ट्रीय जलवायु कार्य योजनाएं प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करेगा।

जयशंकर का 27 को यूएनजीए में संबोधन

भारत की तरफ से विदेश मंत्री जयशंकर 27 सितंबर को सत्र को संबोधित करेंगे। लेकिन इससे पहले जुलाई में जारी की गई वक्ताओं की सूची में पीएम मोदी का नाम शामिल था। उस लिस्ट के मुताबिक पीएम मोदी 26 सितंबर को यूएनजीए को संबोधित करने वाले थे। हालांकि, वक्ताओं की इस सूची में आगे भी संशोधन हो सकता है। बता दें कि चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश और इजरायल के राष्ट्राध्यक्ष 26 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे। यह सत्र 22 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र की 80 वीं वर्षगांठ के मौके पर एक बैठक के साथ शुरू होगा।

वित्त मंत्री ने जीएसटी सुधार के समर्थन के लिए राज्यों के वित्त मंत्री को लिखा पत्र

जताया आभार, विपक्ष पर लगाया देश को 'गुमराह' करने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि इंडस्ट्री जीएसटी दर में कटौती का लाभ ग्राहकों को देगा। जीएसटी में बदलाव सच में जनता के लिए सुधार है, इससे 140 करोड़ भारतीयों की रोजमर्रा की जिंदगी पर सकारात्मक असर होगा। एक इंटरव्यू में सीतारमण ने कहा कि जीएसटी दर में कटौती के बाद सामानों की कीमतों में कमी पर 22 सितंबर से खुद नजर रखूंगी। उन्होंने कहा, 'भारत को बेहतर विपक्ष चाहिए, जीएसटी सुधारों पर विपक्ष के नेताओं की आलोचना गलत जानकारी पर आधारित है। विपक्ष जीएसटी पर देश को गुमराह कर रहा है। 4 स्लैब रखने का फैसला बीजेपी का नहीं बल्कि राज्यों के वित्त मंत्रियों की पावरफुल कमेटी का था।' सीतारमण ने जीएसटी सुधार के समर्थन के लिए राज्यों के वित्त मंत्री को पत्र लिखकर आभार जताया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी दरों में कटौती के माध्यम से आम आदमी को राहत देने के लिए सभी राज्य एक साथ आए।

वित्त मंत्री ने कहा कि आप कितनी भी गहन चर्चा और तर्क कर सकते हैं, लेकिन अंततः परिषद ने इस अवसर पर कदम उठाया और भारत के सभी लोगों को राहत प्रदान की और मैं इस सद्भावना के लिए आभारी हूं।

राजस्व पर पड़ने वाले प्रभाव की भरपाई का भी दिया आश्वासन

आम आदमी को राहत देने सभी राज्य साथ आए

जीएसटी सुधारों पर विपक्ष गलत जानकारी दे रहा

भारत के लोगों को मिली राहत

सीतारमण ने कहा कि इसलिए सदन की भावना यह थी कि यह एक ऐसा प्रस्ताव है जिससे निस्संदेह आम आदमी को लाभ होगा। सभी लोग एक अच्छे उद्देश्य के लिए एक साथ आए और मैं वास्तव में बहुत आभारी हूं। परिषद ने अपने सदस्यों द्वारा दी गई प्रत्येक टिप्पणी और सुझाव को धैर्यपूर्वक सुना है। आम सहमति पर पहुंचने से पहले सभी बिंदुओं पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

लोग जमकर खरीदारी करेंगे

सीतारमण ने कहा कि राज्य हमेशा से कर कटौती के पक्ष में रहे हैं और उनकी एकमात्र चिंता कर कटौती के बाद उनके राजस्व पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर है। केंद्र भी इस कटौती से प्रभावित होने वाला है। लेकिन हम इसकी भरपाई कर देंगे, क्योंकि एक बार दरें कम हो जाएंगी, तो लोग जमकर खरीदारी के लिए बाहर आएंगे और इससे राजस्व पर पड़ने वाले प्रभाव की भरपाई हो जाएगी।

चुनाव आयोग ने दिल्ली में 10 सितंबर को बुलाई अहम बैठक

पूरे देश में एसआईआर लागू कराने की तैयारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देशभर में मतदाता सूची के स्पेशल रिवीजन (एसआईआर) मुद्दे पर सरकार और विपक्षी दलों के बीच तीखी तकरार जारी है। इन सबके बीच केंद्रीय चुनाव आयोग पूरे देश में वोटर लिस्ट संशोधन प्रक्रिया लागू करने की योजना पर काम कर रहा है। इसके लिए 10 सितंबर को दिल्ली में एक अहम बैठक बुलाई गई है। बताया जा रहा है कि अगले साल होने वाले बंगाल और केरल जैसे राज्यों में चुनाव को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। चुनाव आयोग का उद्देश्य एरर फ्री वोटर लिस्ट तैयार करना है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 10 सितंबर को दिल्ली के द्वारका में इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट में देश भर के चीफ इलेक्शन ऑफिसर की बैठक होने वाली है।

अपमानजनक विज्ञापन पर बड़ा एक्शन

गूगल पर 3 खरब रुपए का जुर्माना

एजेंसी ▶▶| ब्रुसेल्स

गूगल के खिलाफ बहुत बड़ी कार्रवाई की गई है। एपी की रिपोर्ट के अनुसार, यूरोपीय कमीशन ने अपमानजनक ऑनलाइन विज्ञापन प्रथाओं की वजह से गूगल पर लगभग 3.5 बिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया है। भारतीय रुपए में जुर्माने की ये राशि लगभग 3,08,59,10,87,700 रुपए होती है। यूरोपीय कमीशन का हेडक्वार्टर बेल्जियम के ब्रुसेल्स में है। गूगल के खिलाफ इतनी बड़ी कार्रवाई से हड़कंप मच गया है। एक तरफ यूरोपीय कमीशन ने गूगल के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया है, दूसरी तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूरोपीय कमीशन पर नाराजगी जताई है। भारत और अन्य देशों के साथ व्यापार समझौतों पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है, 'वे बहुत अच्छे चल रहे हैं, न केवल गूगल, हमारी सभी बड़ी कंपनियों के साथ जो हो रहा है, उससे हम यूरोपीय संघ से नाराज हैं।'

5 दिन बाद फिर से शुरू हो गई चारधाम यात्रा

खराब मौसम की वजह से रोके गए थे यात्री

एजेंसी ▶▶| देहरादून

उत्तरांचल में 5 दिन बार चारधाम यात्रा फिर से शुरू हो गई है। मौसम विभाग द्वारा जारी किए गए भारी बारिश के अलर्ट के बाद यात्रियों को रोका गया और यात्रा भी संस्पेंड कर दी गई थी। हालांकि मौसम में सुधार के बाद प्रशासन ने इस पर से रोक हटा ली है और अब जिलाधिकारी इस मामले को लेकर मौसम के आधार पर निर्णय लेंगे। इस साल चारधाम यात्रा एक दशक से भी ज्यादा समय के बाद सबसे अधिक बार बाधित हो रही है। लगातार बारिश, बादल फटने, भूस्खलन के कारण बार-बार यात्रा को रोकना पड़ा है। इससे पहले साल 2013 की आई केदारनाथ बाढ़ के दौरान हुआ था। इस साल चार धाम यात्रा मौसम की वजह से 50 दिनों से अधिक समय तक रुकी रही है। वहीं कोरोना काल के बाद इस बार लोगों को भारी नुकसान झेलना पीडीए है। गंगोत्री और यमुनोत्री की यात्रा 20-20 दिनों के लिए स्थगित कर दी गई, जबकि बद्रीनाथ और केदारनाथ की यात्रा को चार-चार दिनों के लिए रोका गया था।

80 लोगों की चली गई जान

आंकड़ों के अनुसार, 1 अप्रैल से मौसम संबंधी घटनाओं के कारण 80 लोगों की जान चली गई, 114 घायल हो गए और 95 लोग अभी भी लापता हैं। इन घटनाओं में 229 घर नष्ट हो गए और 1,828 को नुकसान पहुंचा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, पिछले 24 घंटों में बारिश कम हुई है, जिससे कई सप्ताह की भारी बारिश के बाद राहत मिली है। हाल ही में हुई बारिश के कारण उत्तराखंड में भारी बारिश जारी है।

वीआईटी चेन्नई में 13वां वार्षिक दीक्षांत समारोह आयोजित

छात्र-छात्राओं को मिलीं उपाधियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चेन्नई

वीआईटी चेन्नई का 13वां वार्षिक दीक्षांत समारोह शनिवार को आयोजित किया गया। तमिलनाडु सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल सेवा मंत्री डॉ. पलानीवेल त्याग राजन ने मुख्य अतिथि के रूप में दीक्षांत समारोह में भाग लिया और रैंक धारकों और पीएचडी शोधार्थियों को पदक और उपाधि प्रमाण पत्र प्रदान किए। । लगभग 6,581 स्नातक, स्नातकोत्तर और शोधार्थियों ने अपनी उपाधियाँ प्राप्त कीं। शेली सालेहिन, बांग्लादेश के उप उच्चायुक्त, बांग्लादेश उप उच्चायोग, चेन्नई, मुख्य अतिथि थे। वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी) के संस्थापक एवं कुलाधिपति डॉ. जी. विश्वनाथन ने दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की। वीआईटी के उपाध्यक्ष शंकर विश्वनाथन और डॉ. जी.वी. सेल्वम ने दीक्षांत समारोह में भाग लिया।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्ट्डी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपैथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

श्रीरामकिंकर हॉस्पिटल
डॉ. नवनीत जैन एम.एस.- एडवांस लेप्रोस्कोपी एवं जनरल सर्जन (गोल्ड मेडलिस्ट)
डॉ. करूणा जैन एम.डी.- प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
लिली चौक, रायपुर - 492001 सरोपी तालाब के सामने, बिलासपुर रोड, सिगमा फोन : 0771-2536521, मो. 9329103589

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

सभी प्रकार की एलर्जी • जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
24/7 Emergency Services
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
ओपीडी 50% Off
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508130

'बी फॉर बीड़ी-बिहार' सोशल मीडिया सेल को किया भंग

तिरुवनंतपुरम। 'बी फॉर बीड़ी, बी फॉर बिहार' पोस्ट पर भारी बवाल मचने के बाद केरल कांग्रेस ने बड़ा एक्शन लिया है। कांग्रेस ने सोशल मीडिया की पूरी टीम को भंग कर दिया है। कांग्रेस के केरल अध्यक्ष सनी जोसेफ ने कहा कि पेज के हैंडल एडमिन ने खेद व्यक्त किया है। कहा कि कांग्रेस इसका कभी समर्थन नहीं करेगी। हमने केरल में पार्टी के सोशल मीडिया सेल का पुनर्गठन करने का फैसला किया है। कांग्रेस पार्टी की केरल इकाई ने शनिवार को कहा कि केरल कांग्रेस के लिए सोशल मीडिया इकाई का पुनर्गठन किया जाएगा। 'बी फॉर बीड़ी, बिहार' पर दी सफाई : कांग्रेस की केरल इकाई के एक्स प्लेटफॉर्म के पोस्ट पर सफाई देते हुए कहा कि 'बीड़ी और बिहार, बी से शुरू होते हैं। अब इसे पाप नहीं माना जा सकता।' कहा कि इस पोस्ट के साथ मौजूदा और प्रस्तावित जीएसटी दरों की तुलना करने वाला एक ग्राफिक था, जिसमें बीड़ी पर कर 28% से घटाकर 18% और सिगरेट पर कर 28% से बढ़ाकर 40% दिखाया गया था।

कनाडा ने स्वीकारी सच्चाई

भारत मामले पर कई बार कनाडा के समक्ष जता चुका है गंभीर चिंता

हां, हमारी जमीन से चल रही है खालिस्तानी आतंकी गतिविधि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारत बार-बार कहता रहा, उसकी एक भी न सुनी, लेकिन अब सच खुद बोल पड़ा...जी हां ये पंक्ति उस कनाडा के साथ पूरी तरह से मेल खाती हुई नजर आती हैं। जिसने बार-बार खालिस्तानी आतंकी संगठनों को लेकर जताई गई भारत की चिंताओं को कभी भी गंभीरता से नहीं लिया। लेकिन इन सबके बीच आई एक रिपोर्ट ने पूरा खेल पलट दिया। जिसमें खुद पहली बार कनाडा की सरकार (वित्त विभाग) ने अपनी एक रिपोर्ट में इस तथ्य को आधिकारिक रूप से स्वीकार करते हुए कहा कि खालिस्तानी चरमपंथी आतंकवादी संगठन उनके अपने देश की धरती से अपनी तमाम गतिविधियों को न केवल संचालित कर रहे हैं। बल्कि उनके लिए कनाडा समेत कई अन्य देशों से धन भी एकत्रित कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि खालिस्तानी आतंकियों के मामले को लेकर भारत और कनाडा के संबंधों में बीते वक्त में काफी गिरावट देखने को मिली थी। लेकिन ओटावा में आई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की नई सरकार के बाद हालात कुछ बदलते हुए नजर आ रहे हैं। भारत और कनाडा के प्रधानमंत्रियों के बीच पूर्व में हुई द्विपक्षीय बैठक से इसके साफ तौर पर प्रमाण मिलते हैं।

आतंकी संगठनों को यहां से मिलती मदद

रिपोर्ट के मुताबिक, कनाडा के क्रिमिनल कोड के तहत 'पालिटिकली मोटिवेटेड वॉयलेंट एक्सट्रिमिजम' यानी पीएमवीई सूची में शामिल चरमपंथी आतंकी संगठनों जैसे हमास, हिज्बुल्लाह समेत खालिस्तानी बब्बर खालसा इंटरनेशनल और इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन जैसे संगठन कनाडा के साथ ही दुनिया के बाकी देशों से अपनी नापाक मंसूबों को पूरा करने के लिए धन एकत्रित कर रहे हैं।

इन कामों से भी मिल रहा पैसा

रिपोर्ट ये भी साफ करती है कि इन आतंकी संगठनों को केवल दान और चैरिटी के माध्यम से ही पैसा नहीं मिलता है। बल्कि ये अपराध और अवैध कार्यों से भी पैसा कमा रहे हैं। जिसमें नशीले पदार्थों का धंधा, गाड़ियों की चोरी और दान के लिए दी गई धनराशि का अनुचित इस्तेमाल मुख्य रूप से शामिल है। देश की कानून-व्यवस्था और खुफिया एजेंसियां भी इस बात को प्रमाणित करती हैं कि उक्त खालिस्तानी और अन्य वैश्विक आतंकी संगठनों को कनाडा से आर्थिक मदद मिल रही है।

खालिस्तानी आतंकियों ने बदला पैटर्न

खालिस्तानी आतंकवादी संगठन अब फंड जुटाने के बड़े तरीकों का इस्तेमाल नहीं करते हैं। बल्कि यह छोटे-छोटे तरीकों से अपनी तमाम नापाक गतिविधियों को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। जिसमें इनके छोटे-छोटे गुटों की अहम भूमिका है। प्रवासी भारतीयों से भी इन्हें बड़े पैमाने पर दान के रूप में मदद मिल रही है। वर्तमान में यह संगठन फंड जुटाने के आधुनिक तरीके अपना रहे हैं। जिसमें क्राउडफंडिंग, क्रिप्टोकरेंसी और एमएसबी व बैंकिंग सेक्टर का गलत इस्तेमाल शामिल है। इसके अलावा आतंकवादी संगठनों द्वारा गैर-लाभकारी संगठनों और चैरिटी संस्थाओं, एनपीओ सेक्टर का दुरुपयोग भी किया जा रहा है।

रणनीतिक साझेदारी के साथ ही वैश्विक शांति पर चर्चा

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों के बीच हुई बातचीत

राष्ट्रपति मैक्रों ने स्वीकारा भारत का निमंत्रण, फरवरी-26 में एआई सम्मेलन में करेंगे शिरकत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

टैरिफ और वैश्विक संघर्षों के मौजूदा दौर में भारत और फ्रांस के राष्ट्राध्यक्षों के बीच शनिवार को टेलीफोन पर बातचीत हुई। पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट में इसके बारे में बताते हुए कहा कि राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ मेरी बहुत अच्छी बातचीत हुई है। हमने विभिन्न क्षेत्रों में दोनों देशों के द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा की और उसका सकारात्मक मूल्यांकन किया।

दोनों के बीच यूक्रेन में जारी संघर्ष को जल्द समाप्त करने के प्रयासों के अलावा क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री ने अपनी पोस्ट में फ्रांस के राष्ट्रपति के समक्ष यह भी कहा कि उनकी यह बातचीत भारत और फ्रांस रणनीतिक साझेदारी के साथ ही वैश्विक शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण निभाती रहेगी। यहां बता दें कि पूर्व में एससीओ शिखर सम्मेलन से पहले 21 अगस्त को भी पीएम मोदी की फ्रांस के राष्ट्रपति के साथ फोन पर बातचीत हो चुकी है।

2026 में मैक्रों आएंगे भारत

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि दोनों शीर्ष नेताओं की बातचीत में आपसी सहयोग से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों जैसे आर्थिक, रक्षा, विज्ञान, तकनीक और स्पेस में हुए बदलावों की सकारात्मक समीक्षा की गई। दोनों ने भारत-फ्रांस रणनीतिक भागीदारी को और अधिक मजबूत बनाने को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। जिसका आधार वर्ष-2047 से लेकर हिंद-प्रशांत और रक्षा औद्योगिक रोडमैप है। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति मैक्रों द्वारा अगले साल फरवरी-2026 में भारत की मेजबानी में आयोजित किए जाने वाले कृत्रिम मेधा (एआई) प्रभाव शिखर सम्मेलन के लिए स्वीकार किए गए निमंत्रण के लिए उनका आभार जताया।

आज नहीं तो कल थिएटर कमांड का गठन तो होगा ही : जनरल द्विवेदी

ऑपरेशन सिंदूर पर लिखी गई एक पुस्तक के लोकार्पण कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से बातचीत में बोले सेनाप्रमुख

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सीमा पर बनी हुई सुरक्षा चुनौती के बीच सेनाप्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने तीनों सशस्त्र सेनाओं की संयुक्त रूप से गठित की जाने वाली थिएटर कमांड के गठन को लेकर कहा कि यह कार्य आज नहीं तो कल होगा। हमें बस ये देखना है कि इसमें कितना समय लगता है। पूरी प्रक्रिया के लिए हालांकि कुछ कदम उठाने पड़ेंगे। जिसमें संयुक्तता और एकीकरण मुख्य रूप से शामिल हैं। साथ ही कई और चीजें हैं, जिन पर चर्चा किए जाने की आवश्यकता है। यह जानकारी सेनाप्रमुख ने राजधानी में आयोजित ऑपरेशन सिंदूर पर लिखी गई एक पुस्तक के लोकार्पण कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से बातचीत में दी है। जिसका शीर्षक 'ऑपरेशन सिंदूरः द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ इंडियाज डीप स्ट्राइक्स इनसाइड पाकिस्तान' है। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि थिएटर कमांड या फिर सेना, वायुसेना और नौसेना की क्षमताओं का संयुक्त रूप से एकीकरण जरूरी आकार लेगा। लेकिन प्रश्न यह है कि इसे हकीकत में पूरा होने में कितना समय लगता है? अगर किसी एक को विभिन्न एजेंसियों का संचालन करना है। तो निश्चित रूप से जवाब थिएटर कमांड ही होगा। यहां बता दें कि सेनाप्रमुख का थिएटर कमांड को लेकर यह बयान वायुसेनाप्रमुख और नौसेनाप्रमुख द्वारा बीते करीब दो सप्ताह पहले इस मामले पर अपने विचार रखने के बाद दिया गया है।

थिएटर कमांड का बताया महत्व

जनरल द्विवेदी ने थिएटर कमांड का महत्व बताते हुए कहा कि जब हम कोई लड़ाई लड़ते हैं तो केवल सेना ही उस लड़ाई को नहीं लड़ती है। हमारी बीएसएफ, आईटीबीपी भी उसमें भाग लेती हैं। उसके साथ ही तीनों सशस्त्र सेनाओं, रक्षा साइबर एजेंसियों, रक्षा स्पेस एजेंसियों की भी भागीदारी रहती है।

ट्रंप ने दोबारा किए हस्ताक्षर 45 उत्पाद श्रेणियों पर टैरिफ में छूट

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए 45 से अधिक उत्पाद श्रेणियों पर टैरिफ में छूट देने का निर्णय लिया है। इसमें निकेल, सोना, फार्मास्युटिकल, रसायन, एल्युमिनियम हाइड्रॉक्साइड, रेजिन और सिलिकॉन जैसे उत्पाद शामिल हैं। इस कदम से अमेरिका के लिए वे वस्तुएं सस्ती हो जाएंगी जिन्हें वह घरेलू रूप से नहीं उगा या खनन कर सकता। वही ट्रंप ने डिपार्टमेंट ऑफ डिफेंस का नाम बदलकर 'डिपार्टमेंट ऑफ वॉर' मंत्रालय कर दिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक बड़े कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किया है। जिसमें निकेल, सोना समेत कई धातुओं के साथ ही साथ फार्मास्युटिकल और रसायनों के निर्यात पर व्यापारिक साझेदारों को टैरिफ में छूट देने की बात कही गई है।

जेलेंस्की ने दिया झटका अस्वीकार कर दिया पुतिन का निमंत्रण

कीव। रूस-यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को रोकने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों से अलग-अलग मुलाकात की थी। इसके बाद उम्मीद जगी थी कि इस युद्ध को रोकने की दिशा में कुछ ठोस कदम उठाए जा सकते हैं लेकिन यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच मास्को में वार्ता के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया है। जेलेंस्की ने कहा है कि वह उस देश की राजधानी का दौरा नहीं कर सकते जो यूक्रेन पर रोजाना मिसाइल हमला कर रहा है। एक इंटरव्यू के दौरान यूक्रेनी राष्ट्रपति ने सुझाव दिया कि यदि पुतिन बातचीत करना चाहते हैं तो उन्हें कीव (यूक्रेन) आना चाहिए।

सुप्रीम 'आदेश' का पालन

एसआईटी करेगी वंतारा की जांच, पैनल ने किया दौरा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट द्वारा गुजरात के जामनगर में वंतारा वन्यजीव बचाव और पुनर्वास केंद्र के मामलों की जांच के लिए पूर्व जज जस्टिस जे चेलमेश्वर की अध्यक्षता में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) को आदेश दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त फैक्ट फाइडिंग पैनल ने गुरुवार को वंतारा में तीन दिवसीय जांच शुरू करने के घटनास्थल का दौरा किया।

सर्वे शनिवार तक पूरा हो गया। ये जनहित याचिकाएं जुलाई में कोल्हापुर के एक मंदिर से महादेवी नामक हथिनी को वंतारा स्थानांतरित किए जाने पर उठे विवाद के मद्देनजर दायर की गई थीं।

12 सितंबर तक दें रिपोर्ट

न्यायालय ने एसआईटी को 12 सितंबर तक अपनी रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया था। 28 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने दो जनहित याचिकाओं के आधार पर एक विशेष जांच दल गठित करने का आदेश दिया था। जस्टिस चेलमेश्वर के अलावा, एसआईटी में उत्तराखंड और तेलंगाना हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति राघवेंद्र चौहान, मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त हेमंत नागराले और अतिरिक्त सीमा शुल्क आयुक्त अनीश गुप्ता भी शामिल हैं।

भूपेन दा ने दुनिया का भ्रमण किया, समाज के हर वर्ग के लोगों से मिले, लेकिन वे असम में अपनी जड़ों से हमेशा जुड़े रहे। असम की समृद्ध मौखिक परंपराएं, लोकधुनें और सामुदायिक कहानी कहने के तरीकों ने उनके बचपन को गढ़ा। यही अनुभव उनकी कलात्मक भाषा की नींव बने। वे असम की आदिवासी पहचान और लोगों के सरोकार को हर समय साथ लेकर चले। बहुत छोटी उम्र से उनकी प्रतिभा लोगों को नजर आने लगी। केवल पांच वर्ष की उम्र में उन्होंने सार्वजनिक मंच पर गाया। वहां लक्ष्मीनाथ बेझबरुआ जैसे असमिया साहित्य के अग्रदूत ने उनके कौशल को पहचाना। किशोरावस्था तक पहुंचते-पहुंचते उन्होंने अपना पहला गीत रिकॉर्ड कर लिया। लेकिन संगीत उनके व्यक्तित्व का सिर्फ एक पहलू था। भूपेन दा भीतर से एक बौद्धिक व्यक्तित्व थे। जिज्ञासु, साफ बोलने वाले, दुनिया को समझने की अटूट चाह रखने वाले। ज्योति प्रसाद अग्रवाला और विष्णु प्रसाद रभा जैसे सांस्कृतिक दिग्गजों ने उनके मन पर गहरा प्रभाव डाला, और उनकी जिज्ञासु प्रवृत्ति को और बढ़ावा दिया। सीखने की यही लगन उन्हें कॉटन कॉलेज, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय तक ले गई। वो बीएचयू में राजनीति शास्त्र के छात्र थे, लेकिन उनका अधिकतर समय संगीत साधना में बीतता था।

भूपेन दा...भारत के रत्न

स्मृति शेष
नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

भूपेन हजारिका, संगीत के साथ ही मां भारती के भी सच्चे उपासक थे। भूपेन दा के पास अमेरिका में रहने का विकल्प था, लेकिन वे भारत लौट आए और संगीत साधना में डूब गए। रेडियो से लेकर रंगमंच तक, फिल्मों से लेकर एजुकेशनल डॉक्यूमेंट्री तक, हर माध्यम में वे पारंगत थे। जहां भी गए, नई प्रतिभाओं को समर्थन दिया। भूपेन दा की रचनाएं काव्यात्मक सौंदर्य से भरी रहीं, और साथ-साथ उन्होंने सामाजिक संदेश भी दिए। गरीबों को न्याय, ग्रामीण विकास, आम नागरिक की ताकत, ऐसे अनेक विषय उन्होंने उठाए। उनके गीतों ने नाविकों, चाय बागान के मजदूरों, महिलाओं, किसानों की आकांक्षाओं को आवाज़ दी।

भारतीय संस्कृति और संगीत से लगाव रखने वालों के लिए आज 8 सितंबर का दिन बहुत खास है। और विशेषकर इस दिन के साथ असम के मेरे भाइयों और बहनों की भावनाएं जुड़ी हुई हैं। आज भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की जन्म जयंती है। वे भारत की सबसे असाधारण और सबसे भावुक आवाज़ों में से एक थे। ये बहुत सुखद है कि इस वर्ष उनके जन्म शताब्दी वर्ष का आरंभ हो रहा है। यह भारतीय कला-जगत और जन-चेतना की दिशा में उनके महान योगदानों को फिर से याद करने का समय है।

भूपेन दा ने हमें संगीत से कहीं अधिक दिया। उनके संगीत में ऐसी भावनाएं थीं जो धुन से भी आगे जाती थीं। वे केवल एक गायक नहीं थे, वे लोगों की धड़कन थे। कई पीढ़ियां उनके गीत सुनते हुए बड़ी हुईं। उनके गीतों में हमेशा करुणा, सामाजिक न्याय, एकता और गहरी आत्मीयता की गूंज है।

भूपेन दा के रूप में असम से एक ऐसी आवाज़ निकली जो किसी कालजयी नदी की तरह बहती रही। भूपेन दा सशरीर हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनकी आवाज आज भी हमारे बीच है। वो आवाज आज भी सीमाओं और संस्कृतियों से परे है। उसमें मानवता का स्पर्श है।

भूपेन दा ने दुनिया का भ्रमण किया, समाज के हर वर्ग के लोगों से मिले, लेकिन वे असम में अपनी जड़ों से हमेशा जुड़े रहे। असम की समृद्ध मौखिक परंपराएं, लोकधुनें और सामुदायिक कहानी कहने के तरीकों ने उनके बचपन को गढ़ा। यही अनुभव उनकी कलात्मक भाषा की नींव बने। वे असम की आदिवासी पहचान और लोगों के सरोकार को हर समय साथ लेकर चले।

बहुत छोटी उम्र से उनकी प्रतिभा लोगों को नजर आने लगी। केवल पांच वर्ष की उम्र में उन्होंने सार्वजनिक मंच पर गाया। वहां लक्ष्मीनाथ बेझबरुआ जैसे असमिया साहित्य के अग्रदूत ने उनके कौशल को पहचाना। किशोरावस्था तक पहुंचते-पहुंचते उन्होंने अपना पहला गीत रिकॉर्ड कर लिया।

लेकिन संगीत उनके व्यक्तित्व का सिर्फ एक पहलू था। भूपेन दा भीतर से एक बौद्धिक व्यक्तित्व थे। जिज्ञासु, साफ बोलने वाले, दुनिया को समझने की अटूट चाह रखने वाले। ज्योति प्रसाद अग्रवाला और विष्णु प्रसाद रभा जैसे सांस्कृतिक दिग्गजों ने उनके मन पर गहरा प्रभाव डाला, और उनकी जिज्ञासु प्रवृत्ति को और बढ़ावा दिया।

सीखने की यही लगन उन्हें कॉटन कॉलेज, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय तक ले गई। वो बीएचयू में राजनीति शास्त्र के छात्र थे, लेकिन उनका अधिकतर समय संगीत साधना में बीतता था। बनारस ने उन्हें पूरी तरह संगीत की तरफ मोड़ दिया। काशी का सांसद होने के नाते मैं उनकी जीवन यात्रा से एक जुड़ाव महसूस करता हूऔर मुझे बहुत गर्व होता है।

मुझे 2011 का वह समय याद है जब भूपेन दा का निधन हुआ। मैंने टीवी पर देखा, उनके अंतिम संस्कार में लाखों लोग पहुंचे। हर आंख नम थी। जीवन की तरह, मृत्यु में भी उन्होंने लोगों को साथ ला दिया। इसलिए उन्हें जलुकबाड़ी की पहाड़ी पर ब्रह्मपुत्र की ओर देखते हुए अंतिम विदाई दी गई, वही नदी जो उनके संगीत, उनके प्रतीकों और उनकी स्मृतियों की जीवनरेखा रही है। अब ये देखना बहुत सुखद है कि असम सरकार भूपेन हजारिका कल्चरल ट्रस्ट के कार्यों को बढ़ावा दे रही है। यह ट्रस्ट युवा पीढ़ी को भूपेन दा की जीवन यात्रा से जोड़ने में जुटा है। भूपेन दा की सांस्कृतिक विरासत को सम्मान देने के लिए देश के सबसे बड़े पुल को भूपेन हजारिका सेतु नाम दिया गया। 2017 में जब मुझे इस सेतु के उद्घाटन का अवसर मिला, तो मैंने महसूस किया कि असम और अरुणाचल...इन दो राज्यों को जोड़ने वाले, उनके बीच की दूरी कम करने वाले इस सेतु के लिए भूपेन दा का नाम सबसे उपयुक्त है।

काशी से आगे बढ़ी जीवन यात्रा में फिर उन्होंने अमेरिका में कुछ समय बिताया। वहां उन्होंने अपने समय के नामचीन विद्वानों, विचारकों और संगीतकारों से संवाद किया। वे पॉल रोबसन से मिले, जो दिग्गज कलाकार और सिविल राइट्स नेता थे। रोबसन का गीत “Ol’ Man River” उनके कालजयी गीत ‘बिश्टीरनो परोरे’ की प्रेरणा बना। अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला एलेनॉर रूजवेल्ट ने भारतीय लोकसंगीत प्रस्तुतियों के लिए उन्हें गोल्ड मेडल भी दिया।

भूपेन हजारिका, संगीत के साथ ही मां भारती के भी सच्चे उपासक थे। भूपेन दा के पास अमेरिका में रहने का विकल्प था, लेकिन वे भारत लौट आए और संगीत साधना में डूब गए। रेडियो से लेकर रंगमंच तक, फिल्मों से लेकर एजुकेशनल डॉक्यूमेंट्री तक, हर माध्यम में वे पारंगत थे। जहां भी गए, नई प्रतिभाओं को समर्थन दिया।

भूपेन दा की रचनाएं काव्यात्मक सौंदर्य से भरी रहीं, और साथ-साथ उन्होंने सामाजिक संदेश भी दिए। गरीबों को न्याय, ग्रामीण विकास, आम नागरिक की ताकत, ऐसे अनेक विषय उन्होंने उठाए। उनके गीतों ने नाविकों, चाय बागान के मजदूरों, महिलाओं, किसानों की आकांक्षाओं को आवाज़ दी। उनकी रचनाएं लोगों को पुरानी स्मृतियों में ले जाती थीं, साथ ही, उन्होंने आधुनिकता को देखने का एक सशक्त नजरिया भी दिया। बहुत से लोग, खासकर सामाजिक रूप से वंचित तबकों के लोग, उनके संगीत से शक्ति और आशा पाते रहे...और आज भी पा रहे हैं।

भूपेन दा की जीवन यात्रा में ‘एक भारत, श्रेष्ठ भारत’ की भावना का स्पष्ट प्रभाव दिखता है। उनकी रचनाओं ने भाषा और क्षेत्र की सीमाएं तोड़कर एकजुट किया। उन्होंने असमिया, बांग्ला और हिन्दी फिल्मों के लिए संगीत रचा। उनकी आवाज में जो पीड़ा थी, वो बरबस हम सभी का ध्यान खींच लेती थी। ‘दिल हूम हूम करे’ में जो पीड़ा बहती है, वो सीधे दिल की गहराइयों को छू लेती है। और जब वे पूछते हैं, ‘गंगा बहती है क्यूं’, तो ऐसा लगता है मानो हर आत्मा को झकझोर कर जवाब मांग रहे हों।

उन्होंने पूरे भारत के सामने असम को सुनाया, दिखाया, महसूस कराया। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि आधुनिक असम की सांस्कृतिक पहचान को गढ़ने में उनका बड़ा योगदान रहा। असम के भीतर और दुनिया भर के असमिया प्रवासियों, दोनों के लिए वो असम की आवाज बने।

भूपेन दा राजनीतिक व्यक्ति नहीं थे, फिर भी जनसेवा की दुनिया से जुड़े रहे। 1967 में वे असम के नौबोइचा से निर्दलीय विधायक चुने गए। यह दिखाता है कि लोगों को उन पर कितना गहरा विश्वास था। उन्होंने राजनीति को अपना करियर नहीं बनाया, लेकिन हमेशा लोगों की सेवा में जुटे रहे।

भारत की जनता और भारत सरकार ने उनके योगदान का सम्मान किया। उन्हें पद्मश्री, पद्मभूषण, पद्मविभूषण, दादासाहेब फाल्के अवार्ड समेत कई सम्मान मिले। 2019 में हमारे कार्यकाल के दौरान उन्हें भारत रत्न मिला। यह मेरे लिए और एनडीए सरकार के लिए भी सम्मान की बात थी। दुनिया भर में, खासकर असम और उत्तर-पूर्व के लोगों ने, इस अवसर पर खुशी जताई। यह उन सिद्धांतों का सम्मान था, जिन्हें भूपेन दा दिल से मानते थे। वो कहते थे कि सच्चाई से निकला संगीत किसी एक दायरे में सिमट कर नहीं रहता। एक गीत लोगों के सपनों को पंख लगा सकता है, और दुनिया भर के दिलों को छू सकता है।

मुझे 2011 का वह समय याद है जब भूपेन दा का निधन हुआ। मैंने टीवी पर देखा, उनके अंतिम संस्कार में लाखों लोग पहुंचे। हर आंख नम थी। जीवन की तरह, मृत्यु में भी उन्होंने लोगों को साथ ला दिया। इसलिए उन्हें जलुकबाड़ी की पहाड़ी पर ब्रह्मपुत्र की ओर देखते हुए अंतिम विदाई दी गई, वही नदी जो उनके संगीत, उनके प्रतीकों और उनकी स्मृतियों की जीवनरेखा रही है। अब ये देखना बहुत सुखद है कि असम सरकार भूपेन हजारिका कल्चरल ट्रस्ट के कार्यों को बढ़ावा दे रही है। यह ट्रस्ट युवा पीढ़ी को भूपेन दा की जीवन यात्रा से जोड़ने में जुटा है।

भूपेन दा की सांस्कृतिक विरासत को सम्मान देने के लिए देश के सबसे बड़े पुल को भूपेन हजारिका सेतु नाम दिया गया। 2017 में जब मुझे इस सेतु के उद्घाटन का अवसर मिला, तो मैंने महसूस किया कि असम और अरुणाचल...इन दो राज्यों को जोड़ने वाले, उनके बीच की दूरी कम करने वाले इस सेतु के लिए भूपेन दा का नाम सबसे उपयुक्त है।

भूपेन हजारिका का जीवन हमें करुणा की शक्ति का एहसास कराता है। लोगों को सुनने और अपनी मिट्टी से जुड़े रहने की सीख देता है। उनके गीत आज भी बच्चों और बुजुर्गों, दोनों की जुबान पर हैं। उनका संगीत हमें माननीय और साहसी बनना सिखाता है। वह हमें अपनी नदियों, अपने मजदूरों, अपने चाय बागान के कामगारों, अपनी नारी शक्ति और अपनी युवा शक्ति को याद रखने को कहता है। वह हमें विविधता में एकता पर भरोसा करने के लिए प्रेरित करता है।

भारत भूपेन हजारिका जैसे रत्न से धन्य है। जब हम उनके शताब्दी वर्ष का आरंभ कर रहे हैं, तो आइए यह संकल्प लें कि उनके संदेश को दूर-दूर तक पहुंचाएंगे। यह संकल्प हमें संगीत, कला और संस्कृति के लिए और काम करने की प्रेरणा दे, नई प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करे, भारत में सृजनात्मकता और कलात्मक उत्कृष्टता को बढ़ावा दे। मेरी बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

आम आदमी को राहत, आर्थिकी को रफ्तार

जीएसटी
डॉ. जयंतीलाल भंडारी
प्रसिद्ध अर्थशास्त्री

हाल ही में 3 सितंबर को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की 56वीं बैठक में महंगाई से आम आदमी को राहत देने, ट्रंप टैरिफ से जूझ रहे उद्योग-कारोबार को गति देने और देश की आर्थिक रफ्तार बढ़ाने के मद्देनज़र जीएसटी ढांचे और जीएसटी दरों में आमूल सुधार करने के लिए प्रभावी निर्णय लिए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में दिवाली से पहले उपहार के रूप में जीएसटी के नए राहतकारी सुधारों का ऐलान किया गया था। अब जीएसटी परिषद ने अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों पर मुहर लगा दी है।

व्यापार करने में होगी आसानी

इस अहम कर सुधार पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जीएसटी में बदलाव के फैसलों से आम जनता, किसानों, एमएसएमई, मध्यम वर्ग महिलाओं और युवाओं को लाभ होगा। यह एक ऐतिहासिक बदलाव है। ये व्यापक सुधार नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाएंगे और खासतौर से छोटे व्यापारियों और कारोबारों के लिए व्यापार करने में आसानी सुनिश्चित करेंगे। खास बात यह है कि जीएसटी की नई दर व्यवस्था 22 सितंबर, नवरात्र के पहले दिन से लागू होगी। जीएसटी सुधारों का देश के शेयर बाजार ने स्वागत किया है और उम्मीद है कि आगामी दिनों में शेयर बाजार में जीएसटी में सुधार के ऐलान से नया जोश दिखाई देगा ।

गौरतलब है कि 1 जुलाई 2017 से देशभर में लागू जीएसटी पर जीएसटी परिषद ने विगत वर्षों में व्यापक मूल्यांकन और विश्लेषण के बाद जीएसटी में सरलता और नए जीएसटी ढांचे के रोडमैप को मंजूरी दी है। जीएसटी परिषद ने मौजूदा चार टैक्स स्लैब 5 फीसदी, 12 फीसदी, 18 फीसदी और 28 फीसदी में बदलाव करते हुए इन्हें घटाकर 5 फीसदी और 18 फीसदी स्लैब वाले दो-स्तरीय जीएसटी को मंजूरी दी है।

सुधारों के तीन बड़े आधार

हालांकि अहितकर वस्तुओं की श्रेणी में आने वाली कुछ वस्तुओं पर 40 फीसदी कर स्लैब लागू होगा। अब जीएसटी सुधारों के तीन बड़े आधार हैं। एक, स्ट्रक्चरल सुधार, इसमें टैक्स ढांचे को और बेहतर किया गया है। दो, टैक्स दरों को तर्कसंगत बनाया गया है, ताकि जरूरी वस्तुएं सस्ती हों तथा तीन, नए रजिस्ट्रेशन, रिफंड को आसान बनाया गया है। इससे इनपुट और आउटपुट टैक्स रेट्स में संतुलन आएगा। जीएसटी के रजिस्ट्रेशन से लेकर पालन प्रतिवेदन की प्रक्रिया भी आसान की गई है।

टैक्स रिटर्न में नहीं होंगी दिक्कतें

कारोबारी अब सिर्फ तीन दिन में जीएसटी पोर्टल पर अपना पंजीयन करा सकेंगे। उन्हें 7 दिनों में रिफंड देने की व्यवस्था होगी। कच्चे माल और तैयार माल की दरों में भिन्नता होने के कारण इनपुट टैक्स रिटर्न में होने वाली दिक्कतों को भी समाप्त कर दिया गया है। यह बात महत्वपूर्ण है कि जीएसटी दरों में नए बदलाव से वर्तमान में 12 फीसदी जीएसटी वाली लगभग 99 फीसदी वस्तुएं अब पांच फीसदी के स्लैब में आ जाएंगी।

जबकि 28 फ़ीसदी टैक्स वाली लगभग 90 फीसदी वस्तुएं 18 फीसदी के स्लैब में आ जाएंगी। इसके अलावा रोटी, परांठे, कैंसर समेत 33 जीवन रक्षक दवाओं पर अब जीएसटी नहीं लगेगा। लाइफ और हेल्थ इंश्योरेंस पूरी तरह से जीएसटी मुक्त हो गए हैं। अभी इन पर 18 फीसदी जीएसटी लगता है। सभी ऑटो पार्ट्स पर जीएसटी 18 फीसदी होगा। सीमेंट और तिपहिया वाहनों पर यह अब 28 फीसदी से घटकर 18 फ़ीसदी हो गया है। इससे अब घर बनाना भी सस्ता हो जाएगा। निश्चित रूप से नए बदलाव से आम आदमी से लेकर किसान और छोटे उद्योगों के इस्तेमाल में आने वाली सैकड़ों वस्तुएं सस्ती हो जाएंगी। उल्लेखनीय है किजीएसटी के सुधारों से घरेलू खपत में जोरदार तेजी आएगी।

निजी निवेश को बढ़ावा मिलेगा

मध्यम वर्ग उत्पादों की खरीदी पर पैसा खर्च करेगा और मांग बढ़ने से निजी निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा। सरकार को भी उम्मीद है कि 47000 करोड़ रुपये के सालाना राजस्व नुकसान के बावजूद बाजार की गतिविधियों में तेजी आएगी और अर्थव्यवस्था को जिस तरह रफ्तार मिलेगी, उससे तात्कालिक नुकसान की सरलता से भरपाई हो जाएगी। निश्चित रूप से आम आदमी व मध्यमवर्गीय लोगों को कीमतों में राहत मिलेगी और लोगों की क्रय शक्ति बढ़गी और बाजार में नकदी प्रवाह भी बढ़ेगा।

जो छोटे उद्योग ट्रंप टैरिफ के कारण निर्यात घटने को लेकर चिंतित हैं, उन्हें घरेलू उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग से बड़ा सहारा मिलेगा। इतना ही नहीं, जीएसटी घटने से औद्योगिक उत्पादन बढ़ेगा और और मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर से लेकर सर्विस सेक्टर तक मांग का बढ़ता हुआ नया अध्याय दिखाई देगा।

रोजगार के अवसर बढ़ेंगे

अनुमान है कि देश में जीएसटी घटने से करीब 2 लाख करोड़ रुपये की खपत बढ़ेगी और निर्यात को भी नई गति मिलेगी। मांग व उत्पादन बढ़ने से जीडीपी में भी वृद्धि होगी। रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी। वैश्विक स्तर पर भारत की इज ऑफ डूइंग रैंकिंग भी सुधरेगी। इस परिप्रेक्ष्य में वैश्विक साख निर्धारण करने वाली एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग ने कहा कि निश्चित रूप से भारत में पिछले 5-6 वर्षों के दौरान जीएसटी सुधार बहुत सफल साबित हुए हैं। अब जीएसटी के दो स्लैब बनने से इसकी कार्यान्वयन और लेखांकन प्रक्रिया आसान हो जाएगी। इससे राहत और राजस्व दोनों की ऊंचाई बढ़ेगी।

उम्मीद करें कि 22 सितंबर से लागू होने वाली नई जीएसटी व्यवस्था और दो स्लैब वाली कर प्रणाली के तहत नए बदलाओं के कार्यान्वयन पर सरकार शुरुआत से ही इस तरह ध्यान देगी कि इन कानूनों की सरलता से देश के करोड़ों लोग लाभांवित हों और भ्रष्टाचार भी नियंत्रित हो। जीएसटी के तहत नए अहम कर सुधारों से करदाताओं की संख्या बढ़ाने, टैक्स जटिलता और मुकदमों में कमी लाने और टैक्स संग्रहण बढ़ाने में महत्वपूर्ण उपयोगिता मिलेगी।

देश का आर्थिक विकास होगा

जीएसटी सुधार से शुरुआती कुछ महीनों में जीएसटी संग्रह की राशि में जो कमी आ सकती है, उस कमी को आगामी महीनों में खपत बढ़ने से राजस्व वृद्धि पूरी करते हुए दिखाई देगी। जीएसटी में सुधारों से देश के उद्योग-कारोबार ट्रंप की टैरिफ चुनौतियों का मुकाबला करते हुए देश को आर्थिक रफ्तार देंगे और ऐसे में तेजी से बढ़ने वाला कर संग्रहण देश को वर्ष 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने में भी अहम भूमिका निभाते हुए दिखाई देगा।

आर्थिक प्रगति का आधार बनेगा परिवर्तन

उम्मीद
विकेश कुमार बडोला
स्वतंत्र पत्रकार

जीएसटी परिषद् ने सर्वसहमति से महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली में नवीन उल्लेखनीय परिवर्तन किए हैं। इस अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था के अंतर्गत अब अधिसंख्य विभिन्न वस्तुओं एवं सेवाओं (आपवादिक अहितकारी वस्तुयें व सेवायें छोड़कर) पर कर के क्रमशः 5 व 18 प्रतिशत के दो मूल्य संवर्ग बनाये गये हैं। महंगी कार, मोटरसाइकिल, पान मसाला, तंबाकू, सिगरेट, शीतल पेय (सॉफ्ट ड्रिंक्स), इत्यादि विलासी वस्तुओं तथा सेवाओं पर 40 प्रतिशत कर मूल्य की एक अन्य श्रेणी भी बनाई गई है। गत सप्ताह वर्ष 2025-2026 की अप्रैल-जून तिमाही में 7.8 प्रतिशत मूल्य वृद्धि के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था की समृद्ध उपलब्धि के बाद अब जीएसटी परिषद् ने भारतवर्ष के प्रमुख त्योहारी माह से पूर्व जीएसटी संबंधी अनेक जनहितैषी कर-नीतियां बनाकर देश की अर्थव्यवस्था का भविष्य सुरक्षित करने का प्रयास किया है।

जीवन बीमा पॉलिसी में छूट

परिषद् के प्रमुख निर्णयों के अनुसार, अब व्यक्तिगत जीवन बीमा व स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी के प्रीमियम पर जीएसटी से छूट मिलेगी। रोटी, परांठे, पनीर, छेना, इत्यादि खाद्य उत्पादों पर जीएसटी शून्य होगी। सभी प्रकार के वाहनों के कलपुर्जों पर एकमात्र 18 प्रतिशत मूल्य का कर लगेगा। सभी टेलीविजन सेटों पर जीएसटी मूल्यांकन घटकर 18 प्रतिशत हो गया है। छोटी कारों व 350 सीसी तक की क्षमता वाली मोटरसाइकिलों पर भी 18 प्रतिशत कर लगेगा। सीमेंट का जीएसटी मूल्य 28 से घटकर 18 प्रतिशत हो जायेगा। हस्तशिल्प, संगमरमर, ग्रेनाइट पत्थर पर कर मूल्य 5 प्रतिशत होगा। केश तेल, साबुन, साइकिल पर भी 5 प्रतिशत ही कर लगेगा। जबकि पेट्रोल चालित 1200 सीसी से अधिक क्षमतावान कारों एवं 1500 सीसी से अधिक क्षमताधारी डीजल कारों, 350 सीसी से अधिक क्षमता की मोटरसाइकिलों, व्यक्तिगत उपयोग वाले विमानों, पान मसाला, तंबाकू उत्पादों, सिगनेट एवं शीतल पेय पदार्थों पर 40 प्रतिशत का विशेष कराधान होगा। हालांकि तीन सितंबर की जीएसटी परिषद् की बैठक से पूर्व विपक्षी दलों के शासन वाले आठ राज्यों के वित्त मंत्रियों ने भेंटवार्ता की थी, जिसमें उन्होंने संभावित 5 व 18 प्रतिशत की दो जीएसटी श्रेणियां बनाने तथा चली आ रही 12 व 28 प्रतिशत की कर श्रेणियां समाप्त करने के संबंध में आपत्तियां प्रकट की थीं।

राज्यों को आश्वासन

नके अनुसार नवीन कर श्रेणीयन के कारण राज्यों को राजस्व हानि उठानी पड़ सकती है। किंतु जीएसटी परिषद् में विपक्षी शासन वाले राज्यों की आपत्तियों पर विमर्श के उपरांत केंद्र ने अहितकारी व विलासिता युक्त वस्तुओं एवं सेवाओं पर कर को 40 प्रतिशत करने का निर्णय लिया। कुछ राज्य तो नई कर श्रेणियों के लागू होने पर राजस्व हानि की क्षतिपूर्ति चाहते थे, किंतु वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उन्हें आश्वस्त किया कि सामान्य जन की दैनिक आवश्यकताओं वाली

वस्तुओं व सेवाओं पर कर में 5 या शून्य प्रतिशत के अंकन द्वारा भारतीय बाजारों में मांग व खपत बढ़ेगी, जिससे कुछ ही समय में पुरानी जीएसटी कर श्रेणी के समाप्त होने से होनेवाला आर्थिक विचलन संतुलित हो जाएगा। नवीन जीएसटी कर श्रेणियों पर राजनीतिक दृष्टि के साथ किंतु-परंतु नहीं होना चाहिए। इसकी तुलना में यह देखा-समझा जाना चाहिए कि जिस समय संपूर्ण विश्व में आर्थिक मंदी की उठापटक चल रही है, उसी अवधि में भारत की जीडीपी वृद्धि दहाई के प्रतिशत मूल्य की ओर बढ़ रही है। देश में जीएसटी संरचना के साकार होने एवं हर तिमाही में नए ढंग से क्रियान्वित होने के बाद जीडीपी में नई कर श्रेणियों की घोषणा के बाद, इनके क्रियान्वयन से पूर्व केंद्रीय शासन को अग्रिम आकलन करते हुए संभावित अर्थहानियों का विचार सम्मुख रखना होगा। इस विचार की आवश्यकता इसलिये है क्योंकि इस वर्षा ऋतु में जम्मू एवं कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड तक के पर्वतों पर हो रही अतिवृष्टिकारी वर्षा ने न केवल इन तीनों पर्वतीय प्रांतों, अपितु पंजाब, राजधानी दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान तथा अन्य प्रदेशों में भी विनाशक बाढ़ की परिस्थितियां उत्पन्न की हैं। अतः इन आठ-दस राज्यों के आपदाग्रस्त लाखों-करोड़ों लोगों के अनुसार तो आगामी त्योहारी समय में 5 व 8 प्रतिशत के कर-मूल्य द्वारा बाजारों में मांग एवं खपत बढ़ने की आशा नहीं की जानी चाहिए। केंद्र को इन राज्यों के लिए आपदा राहत राशि आबंटित करनी होगी, जो आगामी पांच-छह माह तक तो केंद्र पर अतिरिक्त भार ही होगा।जीएसटी कर-प्रणाली में हुआ नवप्रवर्तन का प्रभाव आगामी कुछ माह तक भारत के विभिन्न प्रांतों में पृथक-पृथक लाभ व हानि के अनुपात में होगा। लाभ-हानि की स्थितियां धीरे-धीरे ही दीर्घावधि में समग्र लाभ में परिणत होंगी। अधिक युवा जनसंख्या होने का लाभ भारत को हर स्थिति में मिलेगा। जीएसटी कर मूल्यों के दो संवर्ग बनाने का निर्णय भी युवा जनसंख्या की अतिसक्रियता को देखकर लाभकारी ही प्रतीत होता है। अर्थव्यवस्था के अनुरूप अनेक औद्योगिक, प्रौद्योगिक एवं सेवा क्षेत्र हैं जो लोगों की दैनिक इच्छाओं, विचारों, कार्यों व गतिविधियों के आधार पर बाजार की मांग व आपूर्ति निर्धारित करते हैं और ऐसे में जब अधिसंख्य घरेलू, सामान्य एवं दैनिक उपयोग की वस्तुओं के मूल्य में न्यून कर के कारण कमी होगी, तो निश्चित रूप में बाजार में उनकी मांग बढ़ेगी, और मांग बढ़ेगी तो आपूर्ति के लिये उद्योगों, प्रौद्योगों तथा सेवा इकाइयों के उत्पादन-सृजन में वृद्धि होगी। अर्थव्यवस्था के उन्नति, समृद्धि तथा प्रगति के लिये यही चक्र तो चाहिये होता है।

समृद्ध होगा बाजार

यह तो निश्चित है कि 5 और 18 प्रतिशत की कर-परिधि में आने वाली वस्तुओं का बाजार अधि जनसंख्या के अनुपात में अति समृद्ध होगा। खाद्यान्न, दूध, कृषि, वस्त्र, आवास निर्माण, परिवहन, इत्यादि मूलभूत आवश्यकताओं वाले क्षेत्रों की वस्तुओं एवं सेवाओं के मूल्य में कमी से बाजार में तेजी आयेगी ही आयेगी। राज्यों, लोकसेवकों, उद्योगों, व्यापारियों के लिये नई कर व्यवस्था का अनुपालन सुगम होगा। कर आकलन, मूल्यांकन, संग्रहण एवं अप्रत्याशित कराधान उलझनों के कारण उत्पन्न होनेवाले विवादों का समुचित निस्तारण हो सकेगा। अप्रत्यक्ष कर की दो श्रेणियों के कार्यकारी निष्पादन से पूर्व संभावित हानियों, जोखिमों, आपत्तियों के आकस्मिक उपाय भी किये गये हैं। एक अपीलीय पंचाट भी गठित किया गया है, जो सितंबर की समाप्ति से पूर्व ही कार्य करना आरंभ कर देगा। केंद्रीय शासन द्वारा जनहित की भावना को आगे रखकर किया गया जीएसटी का परिवर्तन, वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में भारत की सुदृढ़ आर्थिक प्रगति का सबसे बड़ा आधार बनेगा।

जब कोई अपना हो परेशान-तनावग्रस्त
कुछ देर रहने दें उसे अपने मन के साथ

हम सभी के जीवन में परेशानियां और तनाव के क्षण आते रहते हैं। ऐसे में कुछ लोग दूसरों से सलाह लेने में असहज महसूस करते हैं, वे नहीं चाहते कि उनसे कोई सवाल पूछा जाए। वे कुछ समय तक अपने मन के साथ एकांत रहना चाहते हैं। इस कंडीशन में हमें अपने अजीज की भावनाओं का सम्मान करना चहिए।

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

बीते दिनों मशहूर कैनेडियन सिंगर जस्टिन बीबर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर खुलासा किया कि वह टूट चुके हैं। गुस्से की समस्या से जूझ रहे हैं। जस्टिन ने अपनी मानसिक सेहत को लेकर भी चिंता जताई। दुनिया भर में मशहूर इस सिंगर ने अपनी पोस्ट में लिखा कि 'लोग मुझे ठीक होने के लिए कहते रहते हैं। क्या आपको नहीं लगता कि अगर मैं खुद को ठीक कर सकता, तो मैं पहले ही कर चुका होता? मुझे पता है कि मैं टूट चुका हूं। मुझे पता है कि मुझे गुस्से की समस्या है। मैंने अपनी पूरी जिंदगी उन लोगों की तरह बनने की कोशिश की, जो मुझे कहते रहे कि मुझे उनके जैसा ठीक होना चाहिए। यही बात मुझे और ज्यादा थका देती है, ज्यादा गुस्सा दिलाती है।' अपनी एक दूसरी पोस्ट में जस्टिन यह भी कह चुके हैं कि 'मुझसे यह पूछना बंद करो कि मैं ठीक हूं या नहीं। मुझसे यह पूछना भी बंद करो कि मैं कैसा हूं? क्या कर रहा हूं? मैं जानता हूं कि हम सभी के लिए जीवन कठिन है। आइए हम अपने लोगों को प्रोत्साहित करें, न कि अपनी सुरक्षाओं को एक-दूसरे पर प्रोजेक्ट करें। हर बार आपकी चिंता देखभाल के रूप में सामने नहीं आती है। यह सिर्फ अजीब रूप से ऑप्रेसिव यानी चिंता और तकलीफ थोपने वाली भी हो सकती है।'

उचित नहीं ज्यादा सवाल-सलाह

असल में जस्टिन के विचार आम लोगों के लिए भी सार्थक सलाह लिए हैं। इस युवा और चर्चित चेहरे की बातें किसी अपने-पराए के जीवन में आई हैरान-परेशान करने वाली परिस्थितियों में हरदम कुछ पूछते रहने के बर्ताव पर लगाम लगाने की जरूरत को रेखांकित करती हैं। समझना आवश्यक है कि उलझाऊ हालातों में, क्या चल रहा है? कैसा चल रहा है? कैसे हो? खुश क्यों नहीं दिखते हो? या टेंशनफ्री होने-रहने का प्रयास करो। जैसी सलाहों और सवालों का दोहराव हमारे प्रिय की मुश्किलों को और बढ़ा देता है। पहले से ही तकलीफ के घेरे में आए मन को और पीड़ा देने लगता है। डगमगाते मन से जूझते युवा और सशंकित हो जाते हैं। अपने ही जीवन की दिशा को लेकर घेरने वाली ये शंकाएं-आशंकाएं और भटकाने वाली साबित होती हैं। साथ ही मन में आक्रोश भी उपजने लगता है, कभी खुद के प्रति तो कभी उन अपनों-परायों को लेकर, जो बिन मांगी सलाहें देते हैं। हर समय सवाल पूछते हैं। सही गाइडेंस की जरूरत बताते हुए पहले से ही उलझे-बिखरे दिलो-दिमाग को और भटकाते हैं। ऐसे दौर में किसी भी इंसान को थोड़ा समय देना सही रहता है। समस्याओं से जूझ रहा इंसान चाहता है कि कोई बेवजह सवाल ना पूछे। आते-जाते तसल्ली ना दे। बात-बात में कोई नसीहत कोई राय ना मिले। ऐसी बातें और बर्ताव मददगार बनने के बजाय मनोभावों को और उलझाते हैं।

संभलने का समय दें

मन हो या जीवन, किसी भी मोर्चे पर प्रतिकूल परिस्थितियों में पूछताछ करने वाले हमारे अपनों का इरादा हर बार गलत नहीं होता है। बावजूद इसके परेशान मन को संभलने का समय देने के

बजाय जांच-पड़ताल करते रहने का व्यवहार मन को ठेस पहुंचाता है। इसीलिए जान-पहचान वाले घर में किसी व्यक्ति की नौकरी छूट जाए। उम्मीद के मुताबिक परीक्षा का परिणाम ना आए। रिश्ते-नाते टूट जाएं या कोई हारी-बीमारी घेर ले तो ऐसे में उनकी निजता का सम्मान करना जरूरी है। आमना-सामना होने पर असहज महसूस करवाने वाले प्रश्नों के बजाय संभलने का समय देना चाहिए। बहुत से लोग दूसरों से अपना सब कुछ नहीं बताना चाहते। ऐसी परिस्थितियों में कोई गाइडलाइन देने के बजाय गंभीरता से उनकी मनःस्थिति को समझना एक अच्छा तरीका है। बेहतर महसूस करने के बाद वे स्वयं आपसे अपनी बात साझा करने की सोचेंगे। अगर नहीं तो यह उनका अधिकार है कि वे कितना और क्या दूसरों को बताना चाहते हैं? युवा पीढ़ी अपने निजी जीवन में दूसरों की ताक-झांक को ज्यादा पसंद नहीं करती। ऐसे में समझना आवश्यक है कि आपका संवाद

एकतरफा तो नहीं। आपके सवाल बहुत अधिक पर्सनल हुए तो अगले इंसान को असहज ही करेंगे। साथ ही बिन मांगी सलाह भी दूसरे के लिए भार और तनाव का कारण बन सकती है।

समझें तनावग्रस्त व्यक्ति की मनोदशा

आज के दौर में अधिकांश लोग जो कुछ भी अपनों-परायों, परिचितों-अपरिचतों से साझा करना चाहते हैं, वह वर्चुअल दुनिया में मौजूद होता ही है। ऐसे में निजी समस्याओं को खुद तक रखकर अपनी प्राइवेसी चाहने वालों को परेशान करना सही नहीं होता है। देखा जाए तो कई बार निजी संबंधों में दूरियां आने की बड़ी वजह जरूरत से अधिक ऐसी दखलंदाजी भी होती है। ठीक जस्टिन की तरह ही किसी को यह कहना कि 'मेरी तरह रहो, मेरे जैसे बनो या इस हाल में यह करो, वह करो।' किसी भी व्यक्ति, खासकर युवाओं को नहीं भाता। ऐसा व्यवहार जीवन में दूरियां और मन में शिकायतें बढ़ाता है। खासकर जब यह पता ही ना हो कि अगला इंसान किन हालातों से जूझ रहा है। कुछ बातों पर गौर करते हुए उसकी मनोदशा को समझने का प्रयास करना उचित है। आपसे जुड़ा इंसान अगर आई कॉन्टेक्ट किए बिना बात करे, आते-जाते बचकर निकलने की सोचे, पूछने पर कुछ भी स्पष्ट कहने से बचे या शब्दों को घुमा-फिराकर अपनी बात रखे तो समझ जाइए कि वह अपनी परिस्थिति और मनःस्थिति को बताने में सहज नहीं है। कुछ समय के लिए ऐसे लोगों को उनके हाल पर छोड़ देना चाहिए। उनके दिलो-दिमाग को रिकवर होने का वक्त मिलना ही चाहिए। आगे सही समय देखकर उनके साथ संवाद की राह बनानी चाहिए। *

यह सही है कि तकनीक और आधुनिक महानगरीय जीवनशैली ने बेशुमार सुख-सुविधाएं प्रदान की हैं। लेकिन इन पर आश्रित होकर हद से अधिक आलसी या निष्क्रिय बने रहना आपको शारीरिक, मानसिक रूप से बीमार बनाने के साथ ही सामाजिक रूप से एकाकी भी कर सकता है।

सही नहीं हद से अधिक निष्क्रियता

लाइफस्टाइल / चैतन्या

हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोर्टर डिलीवरी एजेंट का वीडियो वायरल हुआ। वीडियो में उसने बताया कि उसे दो मिनट की दूरी पर पार्सल पहुंचाने का ऑर्डर आया। इसके लिए डिलीवरी एजेंट ने हंसी-मजाक के सहज अंदाज में ग्राहक को आलसी कहा। स्वयं पोर्टर डिलीवरी एजेंट द्वारा बनाए गए वीडियो में वह बताता है कि ऑर्डर एक ही अपार्टमेंट के टॉवर सी से उठाकर टॉवर ई में देना था। यह दूरी इतनी कम थी कि पैदल चलकर सिर्फ दो मिनट में तय की जा सकती थी। यही वजह है कि डिलीवरी एजेंट मजाकिया लहजे में कहता है कि 'ये लोग इतने आलसी हैं कि सिर्फ एक बिल्डिंग से दूसरी बिल्डिंग में सामान पहुंचाने के लिए भी खुद नहीं चल सकते, इसके लिए भी पोर्टर बुक कर रहे हैं।' देखा जाए तो यह वाकया हंसकर टाल देने भर का लगता है। गंभीरता से सोचा जाए तो हमारी बदलती जीवनशैली और दूसरों पर बढ़ती निर्भरता की कड़वी सच्चाई से रूबरू करवाता है। ऐसी सच्चाई जो छोटे-छोटे काम भी खुद न करने के बर्ताव को सामने रखती है। हमारे चारों ओर कसते जाते आलस के घेरे की बानगी है।

सेवाओं-सुविधाओं का विस्तारः हाल के बरसों में जिंदगी को सहज बनाने वाली सर्विसेस बढ़ी हैं। सामान भिजवाना हो या मंगवाना, इन सुविधाओं का एक बड़ा बाजार बन गया है। गौरतलब है कि आमतौर पर शहर बदलने पर लोग सामान शिफ्ट करने के लिए पोर्टर सर्विसेस का इस्तेमाल करते हैं। पोर्टर एप की मदद से किसी भी तरह के सामान को बाइक या छोटे वाहनों के जरिए एक जगह से दूसरी जगह तक आसानी से पहुंचा दिया जाता है। एक ही शहर में लंबी दूरी के लिए भी ऐसी सर्विसेस बहुत काम की होती हैं। यही वजह है कि मामूली दूरी के लिए भी किसी सामान को खुद पहुंचाने की जहमत ना उठाने के बर्ताव से जुड़ा यह वाकया अजीब लगता है। चिंताजनक यह है कि ऐसी सर्विसेस पर निर्भर होने वाले लोगों के आंकड़े तेजी से बढ़ रहे हैं। सेवाओं-सुविधाओं का यह विस्तार खुद इंसानों के मूवमेंट को समेटने लगा है।

निर्भरता की अति के नुकसानः व्यस्त जीवनशैली, तकनीकी विस्तार और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की बढ़ती पहुंच के चलते ऐसी बहुत सी सुविधाओं पर डिपेंडेंसी बढ़ी है। व्यस्तता के साथ-साथ एक पहलू यह भी है कि अपने-अपने कोजी कॉर्नर में बैठे लोग अब सब्जी तक लेने घर से बाहर नहीं जाना चाहते। क्लिक भर में ऑर्डर कर फ्री हो जाने का काम सुविधाजनक लगने लगा है। अफसोस कि यह स्थिति शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य पर तो नेगेटिव असर डालती ही है, सामाजिक फ्रंट पर भी इसके कई नुकसान हैं। फूड डिलीवरी एप्स के जरिए दस मिनट में कुछ भी मंगा लेने की सुविधा लोगों में हरदम कुछ ना कुछ खाते रहने की आदत भी डाल रही है। बहुत से लोगों को ऑनलाइन शॉपिंग की लत लग रही है। अनचाहा सामान भी ऑर्डर किया जा रहा है। देखा जाए तो यह स्थिति साइकोलॉजिकल निर्भरता बढ़ने से जुड़ा पहलू भी लिए है। जिसका मेंटल हेल्थ पर भी बुरा असर पड़ता है। धीरे-धीरे आलस के कारण हर तरह की रचनात्मकता और सक्रियता भी खत्म होने लगती है। चिंता, अवसाद और तनाव जैसी प्रॉब्लम्स जड़ें जमाने लगती हैं। सब कुछ घर बैठे ऑर्डर कर देने की आदत हो जाए तो सामाजिक गतिविधियों में भी भागीदारी कम होने लगती है। इसीलिए इस तरह की डिपेंडेंसी की सीमा तय करना आवश्यक है।

किसी बहाने बने रहें सक्रियः कोई भी सुविधा जब आदत बनकर हद से ज्यादा निर्भर बनाने लगे तो चेत जाना चाहिए। जरूरत से ज्यादा निर्भर होना केवल सुविधा का लाभ लेना भर बल्कि अपनी क्षमताएं खो देने के हालात पैदा करता है। इसीलिए सक्रिय बने रहना जरूरी है। अपने काम-काज निपटाने के लिए एक्टिव रहना शारीरिक ही नहीं मानसिक और सामाजिक रूप से सक्रिय रहने से भी जुड़ा है। आस-पास के बाजार तक जाना या आस-पड़ोस के किसी घर में कोई सामान लेने या पहुंचाने जाना इंसानी जीवन का सहज हिस्सा रहा है। इन एक्टिविटीज से सामाजिक संबंध बनते हैं। एक्टिव रहने के बहाने तलाशिए। हर काम के लिए उपलब्ध सुविधाओं के इस दौर में खुद को निष्क्रियता से बचाने के लिए खास कोशिशें करने की दरकार है। *

इमोशंस / अंतरा पटेल

आमतौर पर आंसू बहाने को कमजोरी की निशानी और न रोने वाले को कठोर हृदयी मान लिया जाता है। लेकिन वास्तव में आंसू केवल मन की अभिव्यक्ति होते हैं, जो कई बार हमारे मन का उपचार भी करते हैं।

आंसुओं से बयां होती है मन की सच्ची हकीकत

कई लोग ऐसे होते हैं, जिन्हें आसानी से रोना नहीं आता है। उनके किसी रिलेटिव या करीबी की डेथ हो जाए तब भी नहीं रोते। जब उनका कहीं अपमान हो जाए या उन्हें गहरा सदमा लगे या कोई गंभीर नुकसान हो जाए वे तब भी नहीं रोते। जिन अवसरों जैसे-अंतिम संस्कार, विदाई या भावनात्मक फिल्म देखते हुए, जब अधिकतर लोग रोते हैं, उन पर भी उनके आंसू नहीं छलकते। हालांकि उनकी आंखों में आंसू होते हैं, लेकिन वो आंखों से छलकते नहीं। तो क्या इससे यह साबित होता है वे भावनाशून्य इंसान होते हैं? शायद ऐसे ही कठोर या कहें मजबूत मन वाले लोगों के लिए सुदर्शन फाकिर ने यह शेर कहा है, 'आप कहते थे कि रोने से न बदलेंगे नसीब/उम्र भर आपकी इस बात ने रोने न दिया।' इनसे उलट कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो अपनी भावनाओं को, आंसुओं को छिपाते नहीं हैं। जैसे एक बार टेनिस स्टार अमांडा अनिसिमोवा विंबलडन फाइनल में हारने के बाद सबके सामने फूट-फूट कर रो पड़ी थीं। सैंकड़ों लोगों और कैमरों के जरिए पूरी दुनिया के सामने भी उन्होंने अपने आंसुओं को रोकने का प्रयास नहीं किया और न ही चेहरे पर दिखावटी मुस्कान लाने की कोई कोशिश की थी। कुछ लोगों को उनका ऐसे रोना, अजीब या कहें अनुचित लगा। लेकिन वास्तव में देखा जाए तो अमांडा के रोने में सच्चाई थी और बहादुरी भी। वास्तव में सबके सामने रोने वालों और न रोने वालों को लेकर समाज में अलग-अलग तरह की राय रखी जाती है।

मानते हैं कमजोरी का लक्षणः आमतौर पर रोने को, कमजोरी या अत्यधिक भावुकता या नियंत्रण के खोने से जोड़ते हैं। विशेषकर पुरुषों के संदर्भ में कहा जाता है कि 'मर्द रोते नहीं हैं।' बचपन में जब कोई लड़का रोता है तो उससे कहा जाता है, 'लड़कियों की तरह रोना बंद करो।' रोने को लड़कियों का एक्सक्लूसिव गुण मान लिया गया है। ऐसे जुमले केवल लड़कों या पुरुषों को नीचा दिखाने के लिए ही नहीं बल्कि लड़कियों या स्त्रियों का भी अपमान हैं। घर और स्कूल में बच्चों की इस सोच के साथ परवरिश की जाती है कि संयम (या बर्दाश्त) का अर्थ ताकत है और आंसू बहाना, कमजोरी या अस्थिरता की निशानी है।

गम-खुशी में छलकते हैं आंसूः वास्तव में रोना हमारी सोच और धारणा से कहीं अधिक जटिल है। यकीनन दुःख (जो किसी के निधन पर होता है) रोने का सबसे आम कारण है। लेकिन लोग कुंठा, पीड़ा, असफलता या भयंकर अपमान के कारण भी रोते हैं। इसी के साथ खुशी के आंसुओं को कैसे अनदेखा किया जा सकता है? शतरंज का विश्व कप (महिला) जीतने के बाद दिव्या देशमुख खुशी से रो पड़ी थीं। हालांकि वह जब पिछली प्रतियोगिता में हार गई थीं, तब नहीं रोई थीं, लेकिन विजयी होने पर रोईं। अकसर राहत, बड़ी सफलता, अत्यधिक खुशी भी दुःख जितना ही हमें भाव-विभोर कर देती है। बड़े-बड़े नेता, कलाकार, खिलाड़ी सार्वजनिक मंच पर रो पड़ते हैं। असम के बाढ़ पीड़ितों का हाल सुनाते हुए हेम बरुआ संसद में रोए थे। अपनी फेयरवेल स्पीच देते हुए क्रिकेटर राहुल द्रविड़ रोए थे। आंसुओं ने इन लोगों को छोटा नहीं कर दिया। आंसुओं ने उन्हें अधिक संवेदनशील मनुष्य और भावनाओं से जुड़ा हुआ साबित किया।

मन का उपचार करे आंसूः रोना दवा की तरह भी काम करता है। बड़े-बुजुर्ग कहते हैं कि रोने से गम हल्का हो जाता है। चिकित्सा विज्ञान भी यही कहता है, भावनात्मक आंसुओं में स्ट्रेस हॉर्मोन होते हैं। रोने से तनाव कम हो जाता है, नर्वस सिस्टम को आराम मिलता है और राहत का अहसास होता है। इसलिए लोग कहते हैं, 'रोने के बाद हल्का महसूस हो रहा है।' जापान में तो रोने के लिए क्लब भी बने हैं, जहां लोग साथ रोने के लिए एकत्र होते हैं। इस प्रथा को 'रुई-कत्सु' (आंसुओं की तलाश) कहते हैं।

कहने का सार है कि हमें आंसुओं को कमजोरी की निशानी के तौर पर नहीं देखना चाहिए कि व्यक्ति ने अपने ऊपर का नियंत्रण खो दिया है। बल्कि यह समझना चाहिए कि आंसू व्यक्ति की सच्ची अभिव्यक्ति है। आज जब हम सब दिखावे के युग में जी रहे हैं, बनावटी सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों पर। ऐसे संसार में सच्चे आंसू ही इंसान की सच्ची अभिव्यक्ति है, जो साबित करते हैं कि हम इंसान हैं। *

गीत / कृष्ण बिहारी

क्या लिखोगे

देवता बनकर दिखोगे, क्या लिखोगे?
देवता बनकर लिखोगे, क्या लिखोगे?
सादगी से पूर्ण रचना एक भी तो जन नहीं पाए,
सच कहूं तो आदमी भी इसलिए तुम बन नहीं पाए।
खोजकर अमृत पियोगे, क्या लिखोगे?
देवता बनकर दिखोगे, क्या लिखोगे?
जो अहर्निश एक घातक विष पिएगा वह रचेगा,
छटपटाई मौत मरकर जो जिएगा वह बचेगा।
तुम शहीदाना जियोगे, क्या लिखोगे?
देवता बनकर लिखोगे, क्या लिखोगे?
कोरे कागजों पर तुमने बस चिड़िया उड़ाई है,
अबतलक समझे नहीं यह भी कि झूठी कमाई है।
रद्दियों जैसे बिकोगे, क्या लिखोगे?
देवता बनकर लिखोगे, क्या लिखोगे?

व्यंग्य
केदार शर्मा

धीरे-धीरे ऐसे लोगों की संख्या में इजाफा होता जा रहा है, जिनके लिए रील अगर शमा है, तो वे उसके परवाने हैं। रील ही इनका धर्म, कर्म और मर्म है, जान है, मान है और सम्मान है। जिनका श्रम, समय और डेटा, सब कुछ रीलों पर कुर्बान है।

रील की झील में डूबते लोग

वैश्विक स्तर पर भारत डेटा उपयोग में दुनिया का नंबर एक देश बना हुआ है, यह समाचार अखबार में पढ़कर गर्व से मस्तक ऊंचा हो गया। दरअसल डेटा, स्क्रीन पर चलने वाली समस्त गतिविधियों का ईंधन है। अगर डेटा न हो तो स्क्रीन की हालत धोबी के कुत्ते जैसी हो जाए, जो न घर का रहता, न घाट का। इस समय डेटा का थोक में उपयोग सबसे लोकप्रिय गतिविधि रील बनाने और देखने में भरपूर हो रहा है। धीरे-धीरे ऐसे लोगों की संख्या में इजाफा होता जा रहा है, जिनके लिए रील अगर शमा है, तो वे उसके परवाने हैं। रील ही इनका धर्म, कर्म और मर्म है, जान है, मान है और सम्मान है। जिनका श्रम, समय और डेटा, सब कुछ रीलों पर कुर्बान है। सुबह बिस्तर से उठने से लेकर रात को सोने तक ये रील-रानी के संग ही उठते-बैठते हैं।

कई बार तो हैरतअंगेज रीलें देखकर दांतों तले अंगुली दब जाती है। प्री-वेडिंग शूटिंग में वर-वधु के बकरा-बकरी की आवाज निकाल कर उनके पोज में एक-दूसरे को प्रपोज करते हुए, क्लास रूम में डांस करती शिक्षिका की, गधे पर उल्टा बैठकर दौड़ाने वाली टाइप, एक से बढ़कर एक अनगिनत रीलें इंस्टाग्राम, यू-ट्यूब और फेसबुक के आकाश में बेरोक-टोक पतंगों की तरह मंडरा रही हैं। अभिव्यक्ति की बेलगाम, बेकाबू असीम और स्वच्छंद आजादी के एक साथ यहां दर्शन होते हैं। इनमें से ही कुछ लोग रील देखते-देखते रील बनाने में उस्ताद बन गए हैं। वे ही इनके प्रोड्यूसर हैं और वे ही कैमरामैन। खेत हो या खलिहान, छत की मुंडेर हो या रेल की ट्रैक, समंदर हो या बवंडर, जो जगह दिल को भाए, वही स्टूडियो बन जाता है। अभिनय के लिए पत्नी-बच्चे ही पर्याप्त हैं। दो से पांच मिनट की रील के लिए क्या स्क्रिप्ट, क्या पटकथा? जरूरत है तो बस चटपटे, हैरतअंगेज और कभी-कभी मूर्खतापूर्ण करतबों की, गालियों की, कंचन-काया की माया के दर्शन कराने और कमर लचकाने की। रीलों ने हर हाथ और हर आंख को काम थमा रखा है। अगर कोई रील खूब वायरल हो गई, तो कमाई भी बल्ले-बल्ले होती है। रीलों की इस दुनिया के आगे 'रीयल' दुनिया फीकी, नीरस और बेमजा लगने लगी है। संस्कारों की दुनिया में भले ही मंदी हो, पर रीलों के सितारों पर बुलंदी है। संस्कारों की थाली भले ही खाली हो, पर रीलों की थाली नित नए मसालेदार 'व्यंजनों' से मालामाल है।

यह कहना बहुत मुश्किल है कि रील को हम बना रहे हैं या रील हमें बना रही है। रील को हम चला रहे हैं या रील हमें चला रही है। एक बार बिना सेंसर की इस गाड़ी में बैठने के बाद ढलान पर लुढ़काती हुई यह हमें कहां ले जाकर छोड़ेगी, भगवान ही मालिक है। कहीं हम रील युग में तो प्रवेश नहीं कर रहे हैं? कुछ भी हो बिना विवेक का इस्तेमाल किए इसमें सफर करने की लत लग गई तो गत का बिगड़ना सुनिश्चित है। रील की इस झील में जो एक बार डूबता है तो बस डूबता ही चला जाता है। रील देखने और बनाने की दीवानगी इस कदर हर उम्र और वर्ग के लोगों पर हावी है कि जैसे उन्हें अपने आस-पास किसी की सुध-बुध ही नहीं रहती, जैसे उनका पूरा अस्तित्व स्मार्टफोन के तल पर टिका गया है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

निर्बंध-उदात्त प्रेम कविताएं

तसलीमा नसरीन जो भी लिखती हैं, वो निर्बंध, भयमुक्त और विचारों का नया आयाम खोलने वाला होता है। हाल में छपकर आई उनकी प्रेम कविताओं के अनुवाद की किताब 'यदि प्यार करो' में भी उनकी लेखनी का वही तेवर देख सकते हैं। वे प्रेम को मन की गहनतम अनुभूति मानती हैं, और इन्हें अभिव्यक्त करने से परहेज नहीं करती हैं। 'जब मेरे साथ तुम नहीं होते/मेरे साथ तब तुम सबसे ज्यादा रहते हो।' और 'तुम्हें देखने पर/मन करता है, शुरू से/शुरुआत करूं जीवन की।' जैसी भावप्रवण पंक्तियों के साथ ही वे इसकी जटिलता को भी बयां करती हैं 'कौन कहता है बहुत आसान है प्रेम/कि चाहो और हो जाए।' *

पुस्तकः यदि प्यार करो, **लेखिकाः** तसलीमा नसरीन, **अनुवादः** कल्लोल चक्रवर्ती, **मूल्यः** 199 रुपए, **प्रकाशकः** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से।
हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-

- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

तरकश

संजय के. दीक्षित

ईडी के राडार पर बड़े अफसर

डीएमएफ के पैसे से कृषि यंत्र खरीदने में गोलमाल करने वाले छह आईएएस अधिकारी समेत 25 सप्लायर ईडी के निशाने पर हैं। इस हफ्ते जिन 19 सप्लायरों के यहां ईडी ने छापा मारा, चर्चा है कि उसमें न केवल 50 खोखा कैश मिला, बल्कि आधा दर्जन आईएएस अधिकारियों से उनके कनेक्शन के एविडेंस मिले हैं। इनमें तीन डायरेक्टर एग्रीकल्चर रहे हैं और तीन विभिन्न जिलों के कलेक्टर की बातें हो रही हैं। हार्टिकल्चर और बीज विकास निगम के तत्कालीन आईएफएस एमडी का नाम भी चर्चाओं में हैं। दरअसल, इन अधिकारियों ने डीएमएफ के पैसे को दोनों हाथों से उड़ाया। डीएमएफ मद से करीब साढ़े पांच सौ करोड़ के कृषि यंत्र जिलों में सप्लाई हुए, उसमें 45 परसेंट पर खेल हुआ। बहती गंगा में हाथ धोने रायपुर के बड़े होटल मालिक, सीए, सराफा कारोबारी, मेडिकल शॉप वाले भी सप्लाई के धंधे में कूद पड़े थे। रायपुर के जिन नामी कारोबारियों ने पैदा होने के बाद कभी खेती-किसानी के यंत्र देखे नहीं होंगे, वे भी मैन्युफैक्चरर बन लगे सप्लाई करने। पता चला है, चाइना से पाट्र्स मंगा यहां एसेंबल किया जाता था और फिर निर्माता बन जिलों में सप्लाई किया गया। इस खेल में 200 करोड़ से अधिक राशि अंदर की गई।

कलेक्टर-एसपी की लड़ाई!

एक जिले के कलेक्टर-एसपी में इस तरह इगो की लड़ाई छिड़ गई है कि बेचारे मंत्रीजी परेशान हो गए हैं। कभी एसपी की शिकायत लेकर कलेक्टर मंत्री के पास पहुंच जाते हैं तो कभी कलेक्टर की शिकायत लेकर एसपी। जिले में न सरकार की योजनाओं पर काम हो रहा और न लॉ एंड आर्डर का। मंत्रीजी की पीड़ा यह है कि वे न किसी पर कोई तोहमत लगा सकते और ना ही जोर से आह भर सकते। दरअसल, उनके शुभचिंतकों ने उन्हें इशारा किया था कि ऐसा मत कीजिए। मगर मंत्रीजी तब कुछ सुनने के लिए तैयार नहीं थे। वे दोनों को अपने च्वाइस से मांगकर ले गए थे। मगर अब पछताने के अलावा कोई चारा नहीं है। मंत्रीजी ने हालांकि, दोनों को बुलाकर समझाइश दी है। उनके निर्देश के बाद प्रशासन और पुलिस की एक समन्वय बैठक हुई। मगर कलेक्टर, एसपी के बॉडी लैंग्वेज से प्रतीत हो रहा था कि खाई अभी पटी नहीं है। जाहिर है, एक बार अगर मन में कोई खुन्नस आ गई तो फिर उसे जाने में टाईम लगता है।

चीफ सिकरेट्री कौन?

दो महीने बाद फिर वही सवाल खड़ा हो गया है...अगला चीफ सिकरेट्री कौन? अमिताभ जैन को फिर एक्सटेंशन या किसी और को मिलेगा मौका? दरअसल, अमिताभ को तीन महीने का एक्सटेंशन मिला था, उसका काउंटडाउन शुरू हो गया है। 22 दिन बाद 30 सितंबर को उनका एक्सटेंशन समाप्त हो जाएगा। चूंकि मध्यप्रदेश के चीफ सिकरेट्री अनुराग जैन को हाल ही में एक साल का एक्सटेंशन मिला है, इसलिए एक परसेप्शन बन रहा कि अमिताभ को फिर से एक्सटेंशन मिल जाएगा। खैर, हो तो कुछ भी सकता है। दोनों जैन हैं...एक बैच के भी। दोस्त भी। मगर दोनों केसों में फर्क यह है कि अनुराग जैन को सीएस बने एक साल हुआ था और अमिताभ जैन को पौने पांच साल। अमिताभ ने सीएस के तौर पर पोस्टिंग का ऐसा रिकार्ड बनाया है, जो बिरले ही किसी आईएएस को नसीब होता है। गूगल में सर्च करने पर पौने पांच साल वाला चीफ सिकरेट्री का कोई नाम दिखाई नहीं पड़ता। अगर उन्हें तीन महीने का और सेवा विस्तार मिल गया तब तो वे पांच साल वाले देश के पहले सीएस बन जाएंगे। बहरहाल, उन्हें एक्सटेंशन नहीं मिला तो सवाल उठता है...नया चीफ सिकरेट्री कौन होगा?

अमित अग्रवाल या कोई और?

छत्तीसगढ़ के नए चीफ सिकेरट्री के लिए तीन तरह की संभावनाएं व्यक्त की जा रही हैं। पहला छत्तीसगढ़ में पोस्टेड अफसरों पर अगर केंद्र सहमत नहीं होगा तो फिर दिल्ली से अमित अग्रवाल को चीफ सिकरेट्री बनाकर रायपुर भेज सकता है, जैसा कि कई राज्यों में हुआ है। हालांकि, अमित होम कैडर में लौटने के इच्छुक नहीं होंगे मगर केंद्र अगर 'गो' बोल देगा, तो उन्हें छत्तीसगढ़ लौटना ही पड़ेगा। दूसरा, भारत सरकार छत्तीसगढ़ में कार्यरत एसीएस रेणु पिल्ले, सुब्रत साहू, ऋचा शर्मा और मनोज पिंगुआ में से किसी नाम पर मुहर लगा दे। और तीसरा...जिस तरह डीजीपी बनाने में पहली बार केंद्र ने अरुणदेव गौतम पर सहमति देने की बजाए अशोक जुनेजा को एक्सटेंशन दे दिया था, और बाद में गौतम को हरी झंडी मिल गई थी। उसी तरह हो सकता है इतिहास दुहराए...राज्य सरकार जिस अफसर को मुख्य सचिव बनाना चाहती हो, और 30 जून को वो हो नहीं पाया, अब उस पर भारत सरकार से सहमति मिल जाए। इन तीनों में पहले की संभावना 20 परसेंट नजर आ रही तो तीसरे प्वाइंट की 80 परसेंट।

पोस्ट रिटायरमेंट पोस्टिंगण

छत्तीसगढ़ के प्रशासनिक गलियारों में चर्चा इस बात की भी सरगर्म है कि अमिताभ जैन का अगर टेन्योर खतम होगा तो उन्हें रिटायरमेंट उपरांत पोस्टिंग कौन सी मिलेगी। यद्यपि, अमिताभ ने मुख्य सूचना आयुक्त के लिए इंटरव्यू भी दिया है। मगर अब लोगों को लग रहा कि सीआईसी का पद पौने पांच साल प्रोफाइल वाले चीफ सिकरेट्री के लिए कमजोर पड़ेगा। सीआईसी में उन्हें सिर्फ तीन साल का कार्यकाल मिलेगा। काम भी पेचीदा...दिन भर कोर्ट में सुनवाई करो, उसके बाद फैसला लिखवाओ। 36 साल के कैरियर में अमिताभ ने ऐसी कभी पुअर पोस्टिंग की नहीं। सो, ऐसी अटकलें जोर पकड़ रही कि अमिताभ हाल ही में मुख्यमंत्री के साथ विदेश होकर आएं हैं...हो सकता है बदले हालात में उनके लिए कोई और ठीकठाक पद ढूंढा जाए। अगर ऐसा हुआ तो फिर रिटायर डीजीपी अशोक जुनेजा को सीआईसी बनने का रास्ता साफ हो जाएगा। जुनेजा भी इस पद के दावेदार हैं, उन्होंने इंटरव्यू भी दिया है।

रायपुर में गोल्फ भी

यह पहली दफा होगा, जब छत्तीसगढ़ का कोई प्रतिनिधिमंडल इंवेस्टमेंट के लिए फॉरेन गया और उसका इतना क्विक रिजल्ट सामने आया। टीम विष्णुदेव के जापान और साउथ कोरिया के विजिट के बाद गुड न्यूज यह है कि दक्षिण कोरिया से उद्योगपतियों का एक दल 10 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ यह देखने छत्तीसगढ़ आ रहा कि किस तरह की यहां संभावनाएं हैं। बताते हैं, सीएम ने साथ गए अफसरों से कहा था कि प्रयास ऐसा किया जाए कि भले ही छोटे से ही शुरूआत हो मगर छत्तीसगढ़ में कुछ-न-कुछ विदेशी इंवेस्टमेंट का आगाज होना चाहिए। इसी लाइन पर चलते हुए अफसरों ने वहां छत्तीसगढ़ की खासियतों से उद्योगपतियों को अवगत कराया। उन्हें बताया गया कि छत्तीसगढ़ में पर्याप्त लैंड, पानी, बिजली, मैनपावर उपलब्ध है ही, कोई लोकल न्यूसेंस नहीं है...रायपुर में गोल्फ भी खेला जाता है। जाहिर है, नवा रायपुर में जब गोल्फ का मैदान बना था तो इसको लेकर सिस्टम को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। मगर यह सही है कि विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए उनके अनुकूल इंफ्रास्ट्रक्चर बनाना होगा। गुजरात में आखिर नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री रहने के दौरान जापानिज इंवेस्टर्स के लिए क्लब से लेकर उनके बच्चों के लिए जापानी भाषी वाला स्कूल, रेस्टोरेंट बनवाया ताकि वे निवेश करें तो उन्हें रहने में असहज महसूस न करें।

एसपी की लिस्ट

महासमुंद के पुलिस अधीक्षक आशुतोष सिंह सेंट्रल डेपुटेशन पर जा रहे हैं। राज्य सरकार ने उन्हें एनओसी दे दिया है। आशुतोष को वहां पोस्टिंग मिलने के बाद सरकार उनकी जगह किसी आईपीएस अधिकारी को महासमुंद का कप्तान नियुक्त करेगी। हो सकता है इसके साथ कोई नया चेन बन जाए और दो-तीन और पुलिस अधीक्षकों का ट्रांसफर हो जाए। वैसे भी दो-तीन एसपी के बदले जाने की अटकलें पहले से चल रही हैं।

मंत्रालय में बड़ा चेंज

इस महीने के अंत में मंत्रालय में शीर्ष स्तर पर बड़ा बदलाव होने की खबर है। मुख्य सचिव बदले जाने पर कई सचिवों के विभाग बदलेंगे। अगर किसी एसीएस को चीफ सिकरेट्री की जिम्मेदारी दी गई तो उनका विभाग किसी नीचे के अधिकारी को दिया जाएगा। सूबे में प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारी सिर्फ दो ही हैं, सुबोध सिंह और सोनमणि बोरा। हो सकता है कि सरकार शहला निगार, डॉ0 रोहित यादव और डॉ0 कमलप्रीत सिंह को प्रमुख सचिव पदोन्नत कर दे। शहला को जनवरी से प्रमोशन ड्यू है। बाकी रोहित और कमलप्रीत को टाईम से पहले प्रमोशन दिया जा सकता है। इससे पहले भी कई बार हुआ है। सीके खेतान और आरपी मंडल टाईम से छह महीने पहले प्रमुख सचिव बन गए थे। इसी तरह सुब्रत साहू को समय से डेढ़ साल पहले एसीएस बनाया गया था। बहरहाल, शहला, रोहित और कमलप्रीत के प्रमोशन के बाद फिर स्टेट में पांच प्रमुख सचिव हो जाएंगे। हो सकता है कि प्रमोशन के बाद विभागों में युक्तियुक्तकरण किया जाए।

कांग्रेस में बदलाव!

कांग्रेस और गुटबाजी में चोली-दामन का संबंध रहा है। मध्यप्रदेश के दौर में भी गुटीय लड़ाई चलती रही और छत्तीसगढ़ बनने के बाद भी। ताजा मामला बड़े नेता रविंद्र चौबे के बयान का आया। चौबे ने कहा था कि अगला चुनाव भूपेश बघेल के नेतृत्व में होगा। इस पर पार्टी में तूफान मच गया। आरोप-प्रत्यारोपों के बीच चौबे राजीव भवन पहुंचे। पीसीसी चीफ दीपक बैज के साथ बंद कमरे में गिला-शिकवा दूर करने के बाद दोनों मीडिया के सामने आकर जो कहा, उसका निहितार्थ यह था कि दीपक बैज सर्वमान्य हैं...और मैंने जो कहा, उसे वापिस लेता हूं। असल में, कांग्रेस में यह पहली बार हुआ कि रविंद्र चौबे जैसे नेता को अपने बयान पर यूटर्न लेना पड़ा। चौबे जब मध्यप्रदेश में मंत्री थे तब दीपक बैज की राजनीति में इंट्री नहीं हुई होगी। मगर अब दीपक पीसीसी के प्रमुख हैं और चौबे को उन्हें बयान को लेकर सफाई देनी पड़ी। लगता है, कांग्रेस में चीजें कुछ बदल रही हैं। वरना, पार्टी में नेतृत्व को लेकर बयानबाजियां पहले भी होती रही हैं, मगर एक दिग्गज नेता को इस तरह सफाई नहीं देनी पड़ी।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. क्या राज्योत्सव के मौके पर एक नवंबर को रायपुर में पुलिस कमिश्नर सिस्टम प्रारंभ हो जाएगा?
2. बस्तर के जंगलों में जिस तरह फोर्स घुस रही है, क्या मार्च 2025 से पहले नक्सलियों का खात्मा कर दिया जाएगा?

टाइगर श्रॉफ से लेकर संजय दत्त तक 'बागी 4' के लिए किसने ली कितनी फीस?

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बागी 4' आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इस फिल्म में संजय दत्त, हरनाज संधू और सोनम बाजवा भी अपनी अदाकारी का तड़का लगा रहे है। फिल्म को समीक्षकों के साथ-साथ दर्शकों से बढ़िया प्रतिक्रिया मिली है और देखना होगा कि यह पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर कैसा प्रदर्शन करती है। आइए जानते हैं 'बागी 4' के लिए किस कलाकार ने कितनी फीस ली है।

टाइगर को मिले 20 करोड़ रुपए : 'बागी 4' का बजट 70 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। इस फिल्म के लिए निर्माताओं से टाइगर 20 करोड़ रुपये चार्ज कर रहे हैं। वह एक बार फिर रॉनी के किरदार में दिख रहे हैं। फिल्म में उनका धाकड़ अवतार देखने को मिल रहा है। कहा जा रहा है कि संजय को इस एक्शन थ्रिलर फिल्म में अभिनय करने के लिए 5.5 करोड़ रुपये मिल रहे हैं। संजय फिल्म में खूंखार खलनायक की भूमिका में दिख रहे हैं।

अन्य कलाकारों की फीस

'बागी 4' में टाइगर की जोड़ी हरनाज के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई दे रहे हैं। इस फिल्म के लिए हरनाज को 1 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। सोनम ने भी फिल्म के लिए 1 करोड़ रुपये की फीस ली है। श्रेयस तलपड़े को इस फिल्म के लिए 1 करोड़ रुपये और सौरभ सचदेवा को 50 लाख रुपये दिए गए हैं।

'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3' में करेंगी डबल धमाका

एजेंसी ▶▶ मुंबई

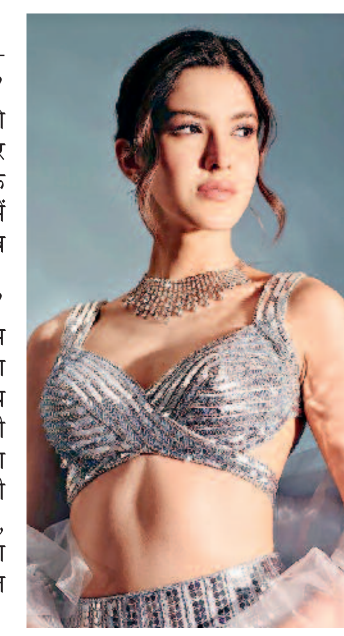

संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर ने फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया। हालांकि, उनकी पहली फिल्म बॉक्स ऑफिस पर मुंह के बल गिरी। आने वाले समय में शनाया एक से बढ़कर एक फिल्मों में नजर आएंगी। अब संजय की बेटी ओटीटी की दुनिया में कदम रखने के लिए तैयार हैं। शनाया जल्द ही करण जौहर की वेब सीरीज 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3' में नजर आएंगी।

एक रिपोर्ट के अनुसार, शनाया सीरीज 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3' में डबल रोल से डबल धमाका करने वाली हैं। सीरीज पर काम काफी समय से चल रहा है। करण ने 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से वरुण धवन, आलिया भट्ट और सिद्धार्थ मल्होत्रा को बॉलीवुड में लॉन्च किया था। शनाया के साथ 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3' में अलाया एफ भी मुख्य भूमिका निभा रही हैं। मुख्य अभिनेता के लिए कास्टिंग फिलहाल चल रही है। रीमा माया ने इस सीरीज के निर्देशन की कमान संभाली है। यह जियो हॉटस्टार पर रिलीज होगी। हालांकि, अभी इसकी रिलीज तारीख सामने नहीं आई है। बता दें कि शनाया जल्द ही 'वृषभ' में नजर आएंगी, जिसके हीरो सुपरस्टार मोहनलाल हैं। इस फिल्म से वह दक्षिण भारतीय सिनेमा में कदम रख रही हैं।

12वें सवाल का पूजा के कड़क जवाब से बिग बी भी हुए इंप्रेस

मुंबई। कौन बनेगा करोड़पति 17 के 5 सितंबर के एपिसोड की शुरुआत रोलओवर कंटेस्टेंट कुमारी पूजा के साथ हुई, जिन्हें पढ़ने-लिखने का बहुत शौक है। वे पैसों की तंगी की वजह से पीएचडी नहीं कर पाईं, जिसे जानने के बाद अमिताभ बच्चन भी दुखी हुए। वे 2 लाख रुपये जीत चुकी थीं। उनके पास एक लाइफ लाइन बची थी। खेल की शुरुआत 9वें सवाल के साथ होती है। 3 लाख रुपये का 9वां सवाल रहा इनमें से कौन सा शब्द ग्रेट हिमालय के लिए प्रयोग किया जाता है, जो हिमालय बनाने वाली पर्वतमालाओं में सबसे ऊंची और सबसे उत्तरी पर्वतमाला है? विकल्प हैं- हिमाचल, शिवालिक, कुनलुन, हिमाद्रि।

कंटेस्टेंट पूजा ने जवाब के तौर पर विकल्प डी. हिमाद्रि को चुना, जो सही साबित हुआ। उन्होंने 5 लाख रुपये के 10वें सवाल का सही जवाब दिया। सुपर संदूक राउंड में कुमारी पूजा ने 8 सवालों के सही जवाब दिए, जिससे उन्होंने ऑडियंस पोल को जिंदा कर लिया। उन्होंने 11वें सवाल पर ऑडियंस पोल का इस्तेमाल किया।

सवाल है- भारत के प्रथम नारीवादी ग्रंथों में से एक मानी जाने वाली 1882 की 'स्त्री पुरुष तुलना' किसने लिखी थी? विकल्प हैं- ए. ताराबाई शिंदे, बी. रमाबाई रानाडे, सी. पंडिता रमाबाई, डी. सावित्रीबाई फुले।

कंटेस्टेंट पूजा ने ऑडियंस के साथ जाते हुए विकल्प बी. ताराबाई शिंदे को चुना, जो सही साबित हुआ। 12.50 लाख रुपये के 12वें सवाल पर पूजा दुविधा में थीं, लेकिन रिस्क उठाकर गेम खेला। सवाल था- 'इनमें से किस जीव को 2025 में विलुप्ति से वापस लाए जाने का दावा किया गया था?' विकल्प हैं- ए. टाई रैनोसॉरस रेक्स, बी. तस्मानियाई बाघ, सी. डोडो, डी. डायर-वुल्फ।

पूजा ने विकल्प डी. डायर-वुल्फ को चुना और 12.50 लाख जीतने में सफल रहीं। उन्होंने 25 लाख के सवाल पर गेम क्विट कर दिया।

कंटेस्टेंट से सवाल-जवाब के अलावा अमिताभ बच्चन क्विज शो में अपनी जिंदगी से जुड़े किस्से भी दर्शकों को सुनाते रहे हैं। उन्होंने पिछले एपिसोड में एक कंटेस्टेंट के सवाल पर अपने घर के माहौल के बारे में बताया। वे बोले, 'हमारे घर का माहौल सामान्य था। बच्चों की देख-रेख जया करेंगी और हम जाएंगे काम पर। उन्होंने सब कुछ देखा है। हमारे मन में एक क्लेश रहा है कि हम बच्चों के साथ ज्यादा वक्त नहीं बिता पाए। जब हम सुबह निकल रहे होते, तो वह सो रहे होते। घर आता, तो वह सोते हुए मिलते। हमें लगता कि काश हम भी अभिषेक-श्वेता के साथ वक्त बिता सकते। फिर यह तय हुआ कि आप इतवार को काम नहीं करेंगे।

कार्तिक-अनन्या ने 'जुम्मा चुम्मा दे दे' पर किया डांस

मुंबई। अभिनेता कार्तिक आर्यन जल्द ही फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में नजर आएंगे। इसमें उनकी जोड़ी अनन्या पांडे के साथ बनी है। समीर विद्वांस के निर्देशन में बन रही इस रोमांटिक फिल्म की शूटिंग खत्म हो गई है। करण जौहर इस फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। अब इस बीच अनन्या और कार्तिक का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दोनों को 'जुम्मा चुम्मा दे दे' गाने पर थिरकते हुए देखा जा सकता है। वीडियो में अनन्या और कार्तिक को साथ में साल 1991 में आई फिल्म 'हम' के सुपरहिट गाने 'जुम्मा चुम्मा दे दे' गाने में नाचते हुए देखा जा सकता है। इस गाने को असल में अमिताभ बच्चन और किमी काटकर पर फिल्माया गया था। 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' की बात करें तो इस फिल्म को अगले साल वैलेंटाइन डे के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिल्म 13 फरवरी, 2026 को दर्शकों के बीच आएगी।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी — सुविधा हमारी —
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- G.S सिक्योरिटी, को रायपुर के लिए सिक्योरिटी गार्ड की, सेलरी. 12000 से 13000, सुपरवाइजर, 16000.17000, रहने की सुविधा फ्री EPF and ESIC लागू, **संपर्क करें - 9993335387.** (RO-6798)

कृषि/लेबर/ठेकेदार

आवश्यकता है- नया रायपुर परसदा स्थित कृषि फार्म में कार्य करने हेतु महिला, पुरुष एवं तेलीबांधा रायपुर में कंस्ट्रक्शन कार्य हेतु लेबर, मिस्त्री, ठेकेदार, सुपरवाइजर की आवश्यकता है दोनों जगह रहने की सुविधा उपलब्ध है। **सम्पर्क करे- 9826415569.** (RO-A)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- डीजे साउंड सिस्टम दुकान में काम करने हेतु अनुभवी/ बिना अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है **संपर्क:- दीपक साउंड सर्विस फूलचौक, जोरापारा, कालीमाता मंदिर पास 98271-14645, 91311-39179.** (RO-256)

आवश्यकता है- सेनेटरी हार्डवेयर दुकान में कार्य करने लड़को की आवश्यकता है। **संपर्क :- जय श्री इंटरप्राइजेज नेहरू भवन के सामने सुपेला भिलाई मो.- 98271-06108, 96302-95106.** (आरो न.-669)

आवश्यकता है- बर्जर पेंट दुकान में कार्य हेतु लड़कों (कम से कम बारहवीं) की, वेतन 10 से 12,000, अनुभवी एवं आसपास रहने वालों को प्राथमिकता । **अमृत सेल्स , स्टेशन रोड ,रायपुर । मोबाइल 9827174205.** (RO-252)

छोटा विज्ञापन

गोडाऊन वर्क

आवश्यकता है- FMCG (किराना सामान) सप्लाई एवं गोडाउन में काम करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है **पता- भनपुरी दुर्गा पेट्रोल पंप के पीछे सम्पर्क करें +918817288768, +917000350859.** (RO-6797)

डिजाइनर

आवश्यकता है- एक अनुभवी ग्राफ़िक डिज़ाइनर की जो कोरलड्रॉ, फोटोशॉप आता हो **पता - शारदा ऑफसेट प्रिन्टर्स प्रा. लिमिटेड, पुराना धमतरी रोड, डुंडा, रायपुर (छ. ग.) मोबाइल 7000417964, 77720 72000.** (RO-6790)

सेल्स एक्जीकेटिव

Requirment- Urgently Required Inside Sales Executive for PMBJK medical store @Krishna Talkies Road Risali Bhilai. Salary upto 6000. Contact **7415227425, 7869089355.** (RO-6796)

हेल्पर/वेल्डर/फिटर

आवश्यकता है- फैक्ट्री में रोजगार का अवसर बिर्कोनी महासमुंद स्थित फैक्ट्री में लेबर, हेल्पर, वेल्डर, फिटर की सख्त जरूरत! रहने की सुविधा उपलब्ध. **संपर्क करे- 6381298638.** (RO-A)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- दुकान में काम के लिए लड़के लडकी की आवश्यकता है. **रायपुरा चौंक. 8839105162.** (RO-398)

हरिभूमि क्लासीफाईड

डिलीवरी कार्य

आवश्यकता है- किराना व्यवसाय (एजेंसी) में सामान डिलीवरी के लिए अनुभवी युवको की आवश्यकता हैं। आकर्षक वेतन। **ऑफिसः- कृष्णा टॉकीज के पास, समता कॉलोनी, रायपुर फोन 9425205800.** (RO-6795)

सेल्स ऑफिसर

आवश्यकता है- मैन्युफैक्चरिंग सीमेंट कम्पनी में सेल्स की ऑफिसर – 05 पद रिक्त (सीमेंट अनुभवी उम्मीदवारों को प्राथमिकता, वेतन योग्यतानुसार) **इंटरव्यूः 08-09-2025, दोपहर 12 बजे से संपर्कः 9893440600, 6232926014.** (आरो न.-668)

टेलीकालिंग/फील्डकार्य

आवश्यकता है- रियल स्टेट फिल्ड दुर्ग भिलाई में कार्य करने हेतु टेली कॉलिंग व फील्ड विजिट हेतु उर्जावान युवक / युवतियों की। **सम्पर्क.:- 90096-00095, 90096-11195** (आरो -665)

ऑपरेटर/सेल्समैन

आवश्यकता है- कम्प्यूटर ऑपरेटर, सेल्समैन, बैटरी ऑटो ड्राइवर की आवश्यकता है **सम्पर्क करें- श्री ट्रेडर्स श्री श्रीकृपा दुकान नम्बर 236, 37 औषधि वाटिका मेडिकल काम्पलेक्स डूमर तराई रायपुर, 9425219248, 8085751331.** (RO-38604)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- टेलीकालिंग एवं ऑफिस कार्य हेतु लड़की/ महिलाओं की आवश्यकता है. योग्यता - 10वी, 12वी, ग्रेजुएट, सेलरी 7,000+ कमीशन+ बोनस से कमाएं 15,000 से 20,000/ **पता : प्रोफेसर कॉलोनी के पास रायपुर. 8982660324.** (RO-OM)

शीघ्र आवश्यकता है- इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु 18-30 वर्ष, 10th 12th , ग्रेजुएट लड़के चाहिए। वेतन 10000 + कमीशन बोनस के साथ कमाए 15000 से 20000 रहना फ्री + गाड़ी किराया कोई शुल्क नहीं लगेगा **संपर्क करें- मो :- 7611101133** (RO-412)

सेल्समैन

आवश्यकता है- सेल्समैन चाहिए हमें अपने तेल और अगरबत्ती उत्पादों की सेल्स मार्केटिंग हेतु मेहनती, अनुभवी सेल्समैन की आवश्यकता है जिन्हें एफएमसीजी में 2वर्ष का एक्सपीरियंस होना चाहिए । हमारे साथ जुड़कर अपने करियर को आगे बढ़ाना चाहते है। संपर्क करे:- Email - granthagarbatti581@gmail.com **मो.- 77730-90555, 88396-00176.** (आरो न.-670)

हाउस कीपिंग/स्वीपर

आवश्यकता है- श्री वासु लॉजिस्टिक्स लिमिटेड को स्वीपर, हाउस कीपिंग बाई व ऑफिस बॉय की आवश्यकता है। अनुभवी व पास में रहने वालों को प्राथमिकता। इंटरव्यू सुबह 10 से 12 बजे तकः **वासु लॉजिस्टिक, तेंदुआ, रिंग रोड नं-4, रायपुर संपर्कः- 782890161, 9201835608.** (RO-257)

सलाहकार्य

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित बीमा कंपनी SBI में कार्य करने के लिए दक्ष ऊर्जावान अच्छे सलाहकार की जरूरत है.उम्र सीमा नहीं महिने का घर बैठे लाखों कमाये संपर्क करे। **मो. 9479033335, 8770129419.** (RO-15249)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

पैकिंग/ड्रायवर कार्य

आवश्यकता है- 400/- प्रतिदिन (+) ओवरटाइम 500/- फटाका जमाना, पैकिंग, बिल बनाना, ड्राइवर। लड़कों की आवश्यकता। **सम्पर्क :- तापड़िया फटाका, नेमींचंद गली, तेलघानी नाका चौक, रायपुर** (RO-887)

अन्य

आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Airtel 5-G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS **करें- 7295935703.** (RO-1144)

आवश्यकता है- अर्जेंट भर्ती वनसुरक्षा को जिलानुसार लड़के-लड़कियों की आवश्यकता पद संख्या- 790 वनरक्षक फील्ड ऑफिसर माली वनसिपाही सैलरी (27500+ 56500) पढ़ाई (8-वी से स्नातक) रहना +खाना की सुविधाएं आवेदन करने हेतु आधारकार्ड मार्कशीट फोटो व्हाट्सएप करे **(सचिन शर्मा)- 7054311719.** (RO-1136)

आवश्यकता है- नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो **संपर्क करें:- 9202613238, 9229187457.** (RO-1137)

Property प्रापर्टी

बेचना है- डॉक्टर की अप्रैल 2016 टियागो पेट्रोल टॉप मॉडल 132000 किलोमीटर चली हुई टॉप कंडीशन गाड़ी 350000 रुपए में बेचना है थोड़ा बहुत नेगोशिएबल **संपर्क 7587338235.** (RO-A)

CLASSIFIED RATE CARD
हरिभूमि — समाचार ही नहीं, विचार भी
01 अप्रैल 2025 से लागू

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	440	560	520	150/- Sq cm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sq cm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sq cm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sq cm
All CG + MP	1280	1750	1600	330/- Sq cm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sq cm

SCHEME
1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100% EXTRA.

COLOUR 20% Extra Charge For Disply
5% GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL

EDITION	RATE	
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /- 1 Sunday	800 /- 1 Sunday
900 /- 2 Sunday	1200 /- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE — 10X1 FOR SIZE

Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

वैवाहिकी

वर चाहिए

वर चाहिए- जाति बंधन नहीं - उम्र 62 वर्ष, हाइट- 5'4'', M.A,,B.ed, गवर्नमेंट टीचर (रिटायर्ड) मासिक पेंशन- 65,000/- सुंदर, सुशील महिला हेतु विदुर तलाकशुदा घर जमाई सभी वर मान्य है संपर्क 7083617207 (1145)

वधु चाहिए

वधु चाहिए- बंगाली डायवोसी विदुर 40/5'3" इलेक्ट्रिकल कॉन्टैक्टर प्रतिमाह इनकम- 50000/- हेतु वधु चाहिए। जातिबंधन नहीं ,बच्चे वाले संपर्क ना करें (मैरिज ब्यूरो क्षमा करें) मो.-98262 94381, 9389024361 (671)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

जैकेट के शेष

रोबोटिक सर्जरी छत्तीसगढ़ ....

की जनता को अत्याधुनिक और बेहतर उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वयं 'देव हस्त' पर पहला ड्राई लैब डिमेंस्ट्रेशन कर इस अत्याधुनिक तकनीक की औपचारिक शुरुआत की। यह सिस्टम मध्य भारत के किसी शासकीय स्वास्थ्य संस्थान में स्थापित होने वाला पहला रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम है। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर एम्स रायपुर में छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों से भर्ती होने वाले मरीजों के परिजनों के ठहरने की सुविधा हेतु एम्स रायपुर में सर्व-सुविधायुक्त परिजन निवास निर्माण की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉक्टरों को धरती पर भगवान का रूप माना जाता है क्योंकि वे हमें जीवन प्रदान करते हैं। आज जिस रोबोटिक सर्जरी सिस्टम का शुभारंभ हो रहा है, उसे 'देव हस्त' नाम दिया गया है। इसका लाभ न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि एम्स रायपुर में भर्ती होने वाले अन्य राज्यों के मरीजों को भी मिलेगा। एम्स रायपुर उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने में लगातार मील का पत्थर साबित हो रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि एम्स रायपुर से मुझे विशेष लगाव है। उन्होंने कहा कि "जब रायपुर एम्स के निर्माण को स्वीकृति मिली, उस समय मैं सांसद था और प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी से छत्तीसगढ़ में एम्स की शाखा स्थापित करने का आग्रह किया था। यह आवश्यक था क्योंकि दिल्ली स्थित एकमात्र एम्स पर मरीजों का दबाव कम हो और अन्य राज्यों के लोगों को भी उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उनके राज्य में ही उपलब्ध हो। हमारा सौभाग्य है कि जिन छह राज्यों में एम्स स्थापित करने की स्वीकृति मिली, उनमें छत्तीसगढ़ भी शामिल था।मुख्यमंत्री श्री साय ने परिजन निवास की घोषणा करते हुए कहा कि "दूर-दराज से आने वाले मरीजों के परिजनों के ठहरने की सुविधा कितनी आवश्यक है, यह मैं भली-भांति समझता हूं। सांसद रहते हुए दिल्ली स्थित मेरे आवास को लोग 'मिनी एम्स' कहते थे क्योंकि वहां मैं मरीजों के परिजनों को रुकने की व्यवस्था करता था। जनसेवा का यह कार्य मेरे दिल के बेहद करीब है। 2014 से 2019 के संसदीय कार्यकाल में मैंने लगभग 12 करोड़ रुपये प्रधानमंत्री राहत कोष से मरीजों को दिलवाए थे। रायपुर में भी कुनकुरी सदन में मरीजों के परिजनों की व्यवस्था की गई है, जिसका लाभ पूरे प्रदेश के लोग उठाते हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि समय के साथ जहां चिकित्सा सुविधाएं बढ़ रही हैं, वहीं बीमारियों का दायरा भी बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आधुनिक चिकित्सा पद्धति में रोबोटिक सर्जरी का विशेष महत्व है। इसके माध्यम से चिकित्सकीय क्षमता और गुणवत्ता में कई गुना वृद्धि हो सकती है। छत्तीसगढ़ को 'देव हस्त' रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम का अत्याधिक लाभ मिलेगा और शीघ्र ही राजधानी रायपुर के मेकाहारा अस्पताल में भी रोबोटिक सर्जरी की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

20 महीने में पांच ....

था, जबकि आज प्रदेश में 15 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं। जीवनशैली और खान-पान में बदलाव के कारण कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों में वृद्धि हुई है और इनका इलाज भी महंगा होता है। इसी वजह से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आयुष्मान भारत योजना प्रारंभ की, जिसके अंतर्गत गरीब वर्ग के लोगों को पांच लाख रुपये तक का निःशुल्क उपचार उपलब्ध है। अब वय वंदन योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी वर्गों के मरीजों को भी यह सुविधा प्रदान की जा रही है।

हाईकोर्ट ने कहा- पदोन्नति ....

के लिए स्नातक डिग्री अनिवार्य कर दी थी। इस संशोधन को मंत्रालय में कार्यरत अनुभाग अधिकारी, असिस्टेंट ग्रेड-1 समेत अन्य कर्मचारियों ने हाईकोर्ट में यह कहते हुए चुनौती दी कि सेवा के अंतिम चरण में नियम बदलना अनुचित है।

अंधेरे में रेत ....

नदी में पोकलेन मशीन उतारकर उत्खनन किया जा रहा है। यह विडियो 5 सितंबर की शाम 6 बजे का है। इन विडियो के आधार पर हरिभूमि की टीम ने शनिवार को ग्राम सेमरा सहित जिले के अन्य कई ग्रामों में जाकर रेत घाटों की लाइव एवं ड्रोन कैमरे से पड़ताल की। इस पड़ताल से सेमरा में उत्खनन की बात सही पाई गई। साथ ही स्थानीय लोगों से भी यह पता चला कि इस घाट में शाम 6 बजे से लेकर रातभर उत्खनन किया जा रहा है तथा सुबह 5.30 बजे से लेकर शाम 5.30 तक उत्खनन बंद कर दिया जाता है।

इन घाट में भी उत्खनन जारी : टीम चंपारण क्षेत्र के ग्राम सेमरा के साथ ग्राम टीला, ग्राम कुम्हारी, लखना आदि रेत घाट भी पहुंची। इन घाटों में भी रात के समय में नदी से उत्खनन किए जाने की जानकारी स्थानीय लोगों से मिली है। कुछ लोगों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि रात के समय में इन घाट में उत्खनन किया जा रहा है तथा परिवहन भी रात में ही किया जा रहा है। कुछ गाड़ियां सुबह 7 बजे तक भी दिख जाती हैं। नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया कि उनके गांव में मनीष ठाकुर नामक व्यक्ति है, जो यहां अवैध रूप से रेत का उत्खनन एवं परिवहन करा रहा है।

ग्राम कुम्हारी, टीला में रेत संग्रहण : पड़ताल के दौरान कई ग्राम में अवैध रेत के भंडारण भी मिले। ग्राम कुम्हारी घाट तक जाने वाला मार्ग बहुत ही खराब था। इसके कारण हमारी गाड़ी भी आधे रास्ते तक ही जा सकी, जिसके बाद ड्रोन कैमरे की मदद से कुम्हारी घाट की तस्वीरें ली गईं। इन तस्वीर में रेत का बड़ा पहाड़ भी दिखा।

पड़ताल में पता चला कि यहां रेत भंडारण के लिए अनुमति ही नहीं ली गई है। इसी प्रकार ग्राम टीला में भी कई जगह पर अवैध रूप से रेत भंडारण किया मिला।

5 दिन पहले गोबरानवापारा के पारागांव में मारा था छापा : पांच दिन पहले ही पारागांव-गोबरानवापारा में रेत माफिया के लोग पनडुब्बीनुमा मशीन लगाकर नदी से रेत निकाल रहे थे, जिसकी शिकायत मिलने पर खनिज एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने यहां छापा मारा था। इस कार्रवाई के दौरान पोकलेन मशीन, पानी खींचने की मशीन, पीवीसी पाइप, बिजली तार आदि जब्त किया था।

ड्रोन कैमरे में ....

भी जगह-जगह रेत है। इससे स्पष्ट है कि इस नदी में हर रोज शाम से लेकर रातभर रेत का उत्खनन किया जा रहा है।

भाजयुमो के पूर्व अध्यक्ष ....

जरूर है कि पार्टी की बैठकों में मुझे बुलाया जा रहा है। 31 अगस्त को हुई बैठक में जब भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह भी आए थे, तब भी मुझे बुलाया गया था। भाजयुमो के नए प्रदेशाध्यक्ष राहुल टिकरिहा के पदभार में भी मैं गया था। नए अध्यक्ष ने मुझे बुलाया था तो मैं गया और उनको पदभार सौंपने का काम किया।

अब एक मात्र लक्ष्य ....

विकास होना चाहिए। इस मद का पैसा एक ही स्थान पर खर्च करना ठीक नहीं है। मैंने इसी बात का ही विरोध किया था।

पेज एक के शेष

लुत्ती के बाद...

विभाग ने बांध के मरम्मत का काम शुरू कर दिया है और सिर्फ 2 मीटर ही पानी निकलने की संभावना है। बताया जा रहा है सरगुजा के लुंड्रा विकासखंड अंतर्गत ग्राम गेरसा में जल संसाधन विभाग का लघु सिंचाई योजना का बांध स्थित है। इस बांध से शुक्रवार की शाम से ही रिसाव होना शुरू हो गया था और शनिवार की सुबह लगभग 10 बजे अचानक ही बांध के दाईं फ्लैन्क का 25-30 मीटर का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। बांध के टूटने व बाढ़ की शक्ल में पानी तेजी से निकलने लगा। ऐसे में गांव में हड़कंप मच गया। बांध टूटने की जानकारी मिलने के बाद विभाग के आला अधिकारियों के साथ ही कलेक्टर, जिपं सीईओ विनय अग्रवाल, एसएसपी राजेश अग्रवाल भी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने क्षतिग्रस्त बांध का निरीक्षण करने के साथ ही किसानों से मुलाकात की। इस दौरान ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि शासन-प्रशासन उनकी हर संभव मदद करेगा और किसानों को हुए नुकसान की भरपाई प्राथमिकता से की जाएगी। इस दौरान एसडीएम जेयू शतरंज, राज्य बांध सुरक्षा संगठन रायपुर से मुख्य अभियंता अरुण बाडियें, जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता अशोक निरंजन सहित अन्य अधिकारी–कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

लोग सुरक्षित, फसलें...

करने के निर्देश दिए है ताकि जान-माल की हानि न हो। प्रभावित किसानों की फसल क्षति का त्वरित सर्वे कर मुआवजा भुगतान की कार्रवाई शीघ्र प्रारंभ कर दी गई है। प्रभावित क्षेत्र में मछली पकड़ने की गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाने कहा गया है।

1990 में बनकर...

एवं रबी फसलों की सिंचाई होती है। बांध की अधिकतम ऊंचाई लगभग 24 मीटर है तथा इसका कैचमेंट क्षेत्रफल 1.95 वर्ग किलोमीटर है। जलभराव की क्षमता 0.96 एमसीएम है। घटना के समय बांध में लगभग 0.15 एमसीएम पानी भरा हुआ था।

भारत और अमेरिका के...

दौर से गुजर रहे हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि वह इस बात से बहुत निराश हैं कि भारत रूस से 'इतना ज्यादा' तेल खरीद रहा है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक सवाल के जवाब में कहा, मुझे इस बात से बहुत निराशा हुई है कि भारत रूस से इतना तेल खरीदेगा और मैंने उन्हें यह बता दिया है। हमने भारत पर बहुत ज्यादा शुल्क लगाया है, 50 प्रतिशत शुल्क, बहुत ज्यादा शुल्क। मेरे (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी से बहुत अच्छे रिश्ते हैं, वह बहुत अच्छे हैं। वह कुछ महीने पहले यहां आए थे। ट्रंप से पूछा गया था कि क्या अमेरिका ने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है।

एमबीबीएस के छात्र ने...

दिखाई दिया। इसके बाद जब वह परीक्षा देने नहीं पहुंचा, तो साथी छात्रों और कॉलेज प्रशासन ने उसकी खोजबीन शुरू की। इस दौरान साथी और कॉलेज प्रबंधन के लोगों ने उसके कमरे का दरवाजा खटखटाया तो अंदर से कोई जवाब नहीं मिला, दरवाजा अंदर से बंद था।

पावागढ़ मंदिर में...

कार का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि खराब मौसम के कारण रोपवे को सुबह से ही आम जनता के लिए बंद कर दिया गया था। पावागढ़ पहाड़ी की चोटी पर देवी काली को समर्पित एक भव्य मंदिर है। यहां हर साल लगभग 25 लाख आगंतुक आते हैं।

26 साल बाद मिजोरम...

गया है। इसके साथ ही अब छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश के पर्यटकों के लिए त्रिपुरा,असम और मणिपुर से घिरे हुए मिजोरम की राजधानी आइजोल में छुट्टी बिताने की राह आसान हो जाएगी। हरिभूमि ने विस्टाडोम ट्रेन से इस परियोजना का भ्रमण किया। इस योजना में 12.8 किमी में 48 सुरंगे बनी हैं, वही 142 ब्रिज हैं। जिसमें 55 बड़े, 87 छोटे ब्रिज शामिल हैं। इस वजह से बैराबी-सैरांग रेल लाइन को देश की सबसे कठिन परियोजनाओं में गिना जा रहा है। इनमें से सबसे ऊंचा ब्रिज 104 मीटर का है, जो कुतुबमीनार से भी ऊंचा है और भारतीय रेलवे का दूसरा सबसे ऊंचा ब्रिज माना जा रहा है। इस लाइन पर पांच रोड ओवरब्रिज और छह अंडरपास भी बनाए गए हैं। पूरी परियोजना को आधुनिक तकनीक से डिजाइन किया गया है, जिससे ट्रेन 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ सकेगी।

सामान पहुंचाने ही रेलवे ने बनाया 200 किमी का बनाया रास्ता: रेलवे के लिए मिजोरम की दुर्गम भौगोलिक स्थिति, घने जंगलों और भारी बारिश में रेलवे ट्रैक का निर्णाम बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने हरिभूमि से खास बातचीत की उन्होंने बताया कि इस परियोजना का काम 1999 में शुरू हुआ था। बार-बार भूस्खलन के कारण कई बार सर्वे रिपोर्ट बदली गई। वर्ष 2008-09 में इसे नेशनल प्रोजेक्ट का दर्जा मिला और वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री मोदी ने इसका शिलान्यास किया। अप्रैल से सितंबर तक साल के छह महीने बारिश होने से काम बंद रहता था। यह प्रोजेक्ट नेशनल हाइवे से 12 से 14 किलोमीटर दूर चल रहा था। ऐसे में निर्माण स्थल पर उड़ीसा के गार्डर सहित सभी सामान पहुंचाने के लिए करीब 200 किमी. का रास्ता बनाना पड़ा। हर बारिश और भूस्खलन के बाद यह रास्ता खराब हो जाता था इसे फिर से ठीक करके ट्रांसपोर्ट के लिए तैयार किया जाता था। काम के लिए बाहरी राज्यों के श्रमिकों पर निर्भरता थी। मिजोरम का खानपान उनके अनुकूल नहीं था।

अब म्यांमार बॉर्डर तक पहुंचेगी रेल लाइन : अब यह रेल लाइन आगे बढ़कर म्यांमार बॉर्डर तक जाएगी। जिसका सर्वे किया जा रहा है। न केवल मिजोरम के लिए ऐतिहासिक पल है। बल्कि पूरे पूर्वोत्तर को अंतरराष्ट्रीय व्यापार और कनेक्टिविटी से जोड़ने का मार्ग भी तैयार करेगा। इससे न केवल मिजोरम का देश से संपर्क मज़बूत होगा, बल्कि म्यांमार बॉर्डर तक रेल लाइन ले जाने का रास्ता भी साफ हो जाएगा। अभी शुरुआत में 2 से 3 ट्रेनें चलाने की योजना है। इसमें गुवाहाटी और दिल्ली तक की ट्रेनें प्राथमिकता पर हैं। मिजोरम सरकार ने उम्मीद जताई है कि आगे राजधानी एक्सप्रेस और वंदे भारत जैसी ट्रेनें भी यहां तक पहुंचेंगी।अब तक सिलचर जाने में सड़क से 7 घंटे लगते थे, वहीं रेल से यह दूरी सिर्फ 3 घंटे में तय होगी। गुवाहाटी 12 घंटे और दिल्ली करीब 48 घंटे में पहुंचा जा सकेगा। बरसात के दिनों में भूस्खलन से बंद होने वाले रास्तों की तुलना में अब यात्रा कहीं ज्यादा सुरक्षित और आसान होगी।

खुलेगा आर्थिक विकास का नया रास्ता, मिलेगी मजबूती : रेलवे से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि यह रेल लाइन मिजोरम के आर्थिक विकास में अहम भूमिका निभाएगी। इसकी वजह से राज्य की जीडीपी में हर साल 2-3 फीसदी की बढ़ोतरी संभव है। वर्तमान में 25 हजार करोड़ की अर्थव्यवस्था वाले इस राज्य को इस परियोजना से करीब 500 करोड़ रुपए की अतिरिक्त सालाना आमदनी होगी। बताया जा रहा है कि इस नई लाइन से कोलकाता, अगरतला और दिल्ली तक सीधी ट्रेनों का रास्ता खुल जाएगा, जिससे व्यापार, पर्यटन और रोज़गार के अवसर बढ़ेंगे।

3 राज्यों के हजारों...

सेक्शन पर जहां रेलवे पुलों की ऊंचाई 10 से 15 मीटर होती है, वहीं इस सेक्शन पर पुल की औसत ऊंचाई 56 मीटर रखी गई। यह प्रोजेक्ट बेहद दुर्गम पहाड़ी इलाकों से गुजरता है। यहां तक सामान पहुंचाने के लिए मजदूर बिहार, बंगाल और असम से बुलाए गए और लगातार 11 साल की मेहनत के बाद यह सपना साकार हुआ।

चंद्रग्रहण आज, 100 साल...

है। इस बार लगने वाला पूर्ण चंद्र ग्रहण होगा, जो कि शनि की राशि कुंभ और गुरु के नक्षत्र पूर्वाभाद्रपद में लगने जा रहा है। वैसे तो चंद्र ग्रहण एक खगोलीय घटना है, लेकिन इसे ज्योतिर्विदों के नजरिए से भी महत्वपूर्ण माना जाता है।। वैदिक पंचांग के अनुसार, ग्रहण की शुरुआत रात 9 बजकर 57 मिनट पर होगी और इसका समापन अर्धरात्रि 1 बजकर 26 मिनट पर होगा। आपको बता दें कि साल का आखिरी चंद्रग्रहण भारत में भी दिखाई देगा, इसलिए इसका सूतक काल भी मान्य रहेगा। इसका असर दो दिनों तक रहेगा। 7 सितंबर को दोपहर 12.57 बजे से सूतक शुरू हो जाएगा। सूतक कॉल चंद्र ग्रहण के 9 घंटे पहले शुरू हो जाएगा। सूतक कॉल 7 सितंबर से शुरू होकर 8 सितंबर शुरू होने पर रात्रि में 1.26 बजे समाप्त होगा। इस दौरान मंदिरों के कपाट सूर्योदय तक बंद रहेंगे। चन्द्र ग्रहण के दौरान घरों में भोजन आदि नहीं बनता। सूतक में बना भोजन अशुद्ध माना जाता है। इस दौरान लोग भोजन भी नहीं करते। सिर्फ भगवान का भजन कीर्तन ही किया जाता है।

ग्रहों की स्थिति क्या रहेगी? : 7 सितंबर को लगने वाला चंद्र ग्रहण राहु के नक्षत्र शतभिषा से शुरू होगा और गुरु के नक्षत्र पूर्वाभाद्रपद पर इसका समापन होगा। इस दिन सूर्य, शनि और गुरु जैसे बड़े ग्रहों का महासंयोग भी बन रहा है। इस दिन दो ग्रहों की अहम भूमिका रहेगी। चंद्र ग्रहण में राहु और चंद्रमा एकसाथ होते ही हैं। इस बार ग्रहण रविवार को है तो सूर्य की भी एंट्री हो गई है, क्योंकि रविवार सूर्य देव का दिन होता है। साथ ही, यह साल मंगल का साल है तो मंगल भी आ गए हैं। जिस दिन ये ग्रहण लग रहा है। वो तारीख और उस तारीख का मूलांक 7 है, जो केतु का प्रतिनिधित्व करता है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, जोन क्रमांक-5, रायपुर
ईदगाहभाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं. - 0771 4045819

क्रमांक/396/जोन क्र.-5/न.पा.नि./2025 रायपुर, दिनांकः 04/09/2025

नगर पालिक निगम जोन क्रमांक-05 कार्यालय अंतर्गत भवन निर्माण अनुज्ञा प्राप्त करते समय भूमि/ भवन स्वामियों द्वारा RWH स्थापित किये जाने हेतु निर्धारित की गई सुरक्षा राशि को FDR के रूप मे मूल प्रति जोन कार्यालय में जमा कराया गया था। किन्तु संबंधितो द्वारा निर्धारित समयावधि के उपरांत भी अपने भूमि/ भवन पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करके FDR को मुक्त करने हेतु आवेदन जोन कार्यालय मे जमा नहीं किया गया है। इससे यह प्रतीत होता है, कि संबंधितों द्वारा अपने भवन पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित किये जाने मे कोई रूचि नहीं है। अतः संबंधितों द्वारा जमा की गई FDR की राशि को राजसात किया जाना उचित होगा।

उपरोक्तानुसार FDR की मूल प्रति में संबंधित भूमि / भवन स्वामियों का स्पष्ट रूप से भवन / भूमि का पता नहीं दिया गया है, जिससे की पत्राचार किया जा सके। इसलिये जमा FDR की राशि को राजसात किये जाने की सूचना सार्वजनिक समाचार पत्रो के माध्यम से सूचना का प्रकाशन करके 07 दिवस समय सीमा के भीतर दावा/ आपत्ति मंगवाया जाना उचित होगा।

निर्धारित समय सीमा के भीतर दावा/ आपत्ति प्राप्त नही होने या प्रस्तुत दावा/ आपत्ति समाधान कारक नहीं होने की दशा मे FDR को राजसात करने की कार्यवाही की जावेगी।

घरों से निकलने वाले गीला और सुखा कचरों को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

जोन कमिश्नर
जोन क्रमांक- 05
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय, नगर पंचायत खरोरा, जिला - रायपुर (छ.ग.)
E-mail-npkharora@gmail.com

क्रमांक / 2102/न.पं./ लो.नि.वि./ 2025-26 खरोरा, दिनांक 04.09.2025

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना (द्वितीय)

नगर पंचायत खरोरा द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती हैः-

सिस्टम टेंडर क्रमांक	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	ऑनलाईन निविदा डाऊनलोड की अंतिम तिथि
174888	Design, Construction, Testing, Commissioning of All The Components of Interception and Diversion Based Sewage Treatment Plant (STP) Work Including 05 Years of Operation and Maintenance of The Entire System in Nagar Panchayat kharora under SBM 2.0	187.55	19.09.2025 (Time 5.00PM)

उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट http://uad.cg.gov.in/ से भी डाऊनलोड की जा सकती हैं।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत खरोरा जिला-रायपुर (छ.ग.)

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार के स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम-सलोनी, प.ह.नं.-134, रा.नि.मं. एवं तहसील - अभनपुर, जिला-रायपुर स्थित कृषि भूमि खसरा नंबर क्रमशः 406/2 एवं 406/13 रकबा क्रमशः 0.686 एवं 0.394 हेक्टेयर को पंजीकृत बैनामा दिनांक 08/06/1994 को क्रय कर स्वामित्व एवं आधिपत्य प्राप्त किया है तथा लगातार कास्त-काबिज है, जिसे कुछ व्यक्तियों के द्वारा विधि विरूद्ध तरीके से विक्रय, अंतरण करने का लगातार प्रयास करते रहे है, इस कारण मेरे पक्षकारगण के द्वारा व्यवहार न्यायालय रायपुर में व्यवहार वाद प्रस्तुत किया गया है, जो कि विचारण हेतु लंबित है।

अतः सर्वसाधारण को इस आम सूचना को प्रकाशित कर अगाह किया जाता है कि मेरे पक्षकारगण के उक्त भूमि पर किसी भी पक्षकार, व्यक्ति, संस्था, बैंक, निकाय या किसी अन्य के द्वारा किसी भी प्रकार से विक्रय न करें, यदि इसके बाद भी किसी के द्वारा क्रय विक्रय किया जाता है तो वह शून्य होगा तथा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगा।

रायपुर छ.ग.
दिनांक- 06.09.2025

भवदीय
सर्जन कुमार सोनी (अधिवक्ता)
अमीनपारा, शीतला मंदिर के पास,
रायपुर (छ.ग.)
मो. 9893253779

नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज जबलपुर

क्रमांक/पैरा/2025/9023 सूचना जबलपुर दिनांक 4/9/2025

वर्ष 2024-25के पैरामेडिकल पाठ्यक्रम एम.पी.टी/ बी.पी.टी/बी.एम.एल.टी / नेत्र सहायक /डायलसिस/कैथलेब/ऐनास्थिसिया/ओ.टी/ई.सी.जी टेक्नी. कोर्स में प्रवेश हेतु जिन छात्र-छात्राओ ने आवेदन किया है उनकी काउसलिंग निम्नानुसार दिनांक में मेडिकल कॉलेज के ऑडिटॉरियम हॉल में प्रातः 10:30 बजे से होगी।

क्रं.	दिनांक एवं दिवस	काउसलिंग विवरण
01	10/09/2025 एवं बुधवार	• ST/SC श्रेणी के छात्रो की स्कूटनी (मूल दस्तावेज की जांच होगी ।)
02	11/09/2025 एवं गुरूवार	• ST/SC श्रेणी के छात्रो का आंवटन हेतु काउसंलिग। • OBC श्रेणी के छात्रो की स्कूटनी (मूल दस्तावेज की जांच होगी।)
03	12/09/2025 एवं शुक्रवार	• OBC श्रेणी के छात्रो के आवंटन हेतु काउसलिंग। • UR/EWS एवं विभागीय श्रेणी की स्कूटनी (मूल दस्तावेज की जांच होगी।)
04	13/09/2025 एवं शनिवार	• UR/EWS एवं विभागीय श्रेणी के आवंटन हेतु काउसलिंग • मध्यप्रदेश राज्य के बाहर के राज्यो के आवेदको हेतु स्कूटनी एवं काउसलिंग ।

नोटः- स्कूटनी में छात्रो के चाहे गये सूची अनुसार सभी मूलदस्तावेज होना अनिवार्य है, कोई भी दस्तावेज कम होने पर काउसंलिग भाग लेने की पात्रता नही होगी।

अधिष्ठाता
नेताजी सुभाष चन्द्र बोस मेडिकल कॉलेज जबलपुर।

जी - 18322/25 स्वच्छता ही सेवा

डॉ.वाशानी दर-दाँत (गम पेंट)
बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आयुर्वेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है
HMS देखकर खरीदें
असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 57304बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
94060-21769

राशिफल

मेष — मन में नकारात्मक विचारों से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। माता का सानिध्य मिलेगा।

वृष — व्यर्थ के क्रोध से बचें। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। संगीत में रुचि हो सकती है।

मिथुन — भागदौड़ अधिक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अनियोजित खर्चों में वृद्धि हो सकती है। अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

कर्क — क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा।

सिंह — नौकरी में तरक्की के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। यात्रा पर जाना हो सकता है। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

कन्या — धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार का विस्तार हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

तुला — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद से बचें। स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। धन की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। माता से धन की प्राप्ति हो सकती है।

धनु — पठन–पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। भाग–दौड़ अधिक रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर — आलस्य की अधिकता रहेगी। कारोबार का विस्तार होगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बहन–भाइयों का सहयोग मिलेगा।

कुंभ — कुटुम्ब–परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन की प्राप्ति हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। बातचीत में संयत रहें।

मीन — शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा, परन्तु शैक्षिक कार्यों में कठिनाई भी आ सकती है। जीवनसाथी से मतभेद बढ़ सकते हैं। सुखद समाचार मिलेगा।

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री की भारत यात्रा रद्द

अफगानिस्तान । अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी की इस महीने प्रस्तावित भारत यात्रा रद्द हो गई है। बताया जा रहा है कि यूनाइटेड नेशंस सिक्योरिटी काउंसिल (यूएनएससी) ने मुत्तकी को यात्रा प्रतिबंधों में छूट देने से इनकार कर दिया।अगर मुत्तकी भारत आते तो 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद किसी अफगानी मंत्री की यह पहली भारत यात्रा होती। यूएनएससी की 15 सदस्यों वाली 1988 प्रतिबंध समिति तालिबान नेताओं पर यात्रा प्रतिबंध, संपत्ति जब्ती और हथियारों पर रोक की निगरानी करती है। पाकिस्तान फिलहाल इस समिति का अध्यक्ष है। अगर समिति का एक भी सदस्य आपत्ति जताता है तो प्रतिबंधों में छूट देने से इनकार किया जा सकता है।

हरिभूमि छत्तीसगढ़ के डायग्नोस्टिक सेन्टर
THE DIAGNOSTIC CARE

दि अमेरिकन लेबोरेटरी अ सुपरस्पेस्लिटी डायग्नोस्टिक
मध्यभारत का सबसे बड़ा सुपरस्पेस्लिटी डायग्नोस्टिक
ट्यूबरक्युलोसिस
• जीनएक्सपर्ट/सीबीएनएएटी (टीएटी- 12-24 घंटे) बलगम
• क्वांटिफेरॉन-टीबी गोल्ड प्लस (क्यूफ्रॉन्ट प्लस) (टीएटी- 48 घंटे) खून
• एएफबी कल्चर (एमजीआईटी320) (टीएटी- 21-42 दिन)
पता- सीटी कोतवाली के पास, सीएसईबी ऑफिस के सामने, बुढ़ापारा, रायपुर 492007
मो. 8098518020, 9004051230, 7828184773

लैब प्लस पैथोलाजी
क्वालिटि के साथ जांच की गारंटी
सभी प्रकार के बीमारियों के लिए पैकेज उपलब्ध
पैथोलाजी जाँच के लिए पैकेज में जांच करायें व अपने पैसे बहुतायत से बचायें
पैकेज की जानकारी के लिए सम्पर्क करें- 9039055548, 9300000989,9300000702

20 वर्षों से आपकी सेवा में तत्पर
Lab Care DIAGNOSTICS COMPLETE PATHOLOGY SOLUTION
लैब केयर डायग्नोस्टिक्स
Mo.: 9826725383
पैथोलॉजी की सभी सेवायें उपलब्ध है।
50% डिस्काउंट के साथ उचित जाँच *
पताः सीएसआईडीसी कमर्शियल कॉम्प्लेक्स के सामने, दास स्वीट्स के पीछे, बचपन अस्पताल के पास, महादेव घाट रोड, रिंग रोड चौक, रायपुर, (छ.ग.)

विज्ञापन हेतु संपर्क करें -
9303508130, 9302016344, 7909631282

शब्द पहेली - 5981

बाएँ से दाएँ
1.राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4.उदारता,बडप्पन-4
7.भोजन,खाद्य पदार्थ-2
8.प्रहरी,रक्षा करने वाला-3
9.अपशिष्ट पदार्थ-2
10.कामदेव,चंद्रमा-4
11.नाड़ी,नस-2
13.जबरन,जबरदस्ती-3
14.वायदा,वचन-2
15.भवन,आलय-3
17.आर्ट,हुनर-2
19.ख्वाबगाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
22.उद्देश्यहीनता-5
25.परिणाम-2
26.अंजन,नेत्रांजन-3
28.सांझ,संध्या-2
29.अधीन-3
30.निश्चित-2
32.निष्ठावान,सत्तानिष्ठ-4
34.बेइमान,सेंधमार-2
36.दाम,मूल्य-3
37.एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38.मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39.अश्रु,आंसू-5

ऊपर से नीचे
1.स्वर्ण,कनक-2
2.गुजर करना-3
3.धैर्यवान-3,2
4.राशिचक्र की एक राशि-3
5.आंशिक भीगा हुआ-2
6.सामंजस्य-4
7.यायावर,बंजारा-5
10.चुनाव,वोटिंग-4
12.दुख,कष्ट-2
16.यज्ञ,होम-3
17.कमरा,रूम-2
18.उम्मीद,आस-2
20.जुड़वा-3
21.प्याला-2
22.हृदय,हार्ट-2
23.निकृष्टतर-4
24.बलवान,दमदार-5
25.स्वदेशवासी-5
26.आलसी,निठल्ली-4
27.बुरी आदत-2
31.भरोसा,विश्वास-3
33.आंचल,पल्लू-3
35.अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37.समय, वक्त-2

शब्द पहेली -5980 का हल

■	भ	स्मा	सु	र	■	दा	न	वी	र	■
नौ	■	■	ब	स	■	न	ग	■	■	म
ज	प	■	ह	म	ला	व	र	■	म	ल
वा	र	■	■	■	न	■	■	■	न	म
न	व	जा	त	■	त	■	अ	न	मो	ल
■	र	■	ह	रा	म	खो	र	■	ह	■
अ	दि	क्षी	त	■	ला	■	ज	मा	न	त
स	गा	■	■	■	म	■	■	■	सिं	ह
मा	र	■	क	म	त	र	ता	■	ह	ल
न	■	■	मा	ही	■	ज	ड़	■	■	का
■	म	स	ल	न	■	क	ना	ग	त	■

सुडोकू नवताल - 5991

सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

सुडोकू नवताल - 5990 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

MANGAL SENACHA, BANGALORE

लगातार दमक रहे सोना-चांदी, आठ माह में दिया 36% व 42% तक रिटर्न

- रिटर्न देने में सभी एसेट्स को पीछे छोड़ा, निवेशक मालामाल
- सही रणनीति बनाकर निवेश किया जाए तो मिलेगा फायदा
- हाल में आई तेजी के बीच सोने में निवेश की सही प्लानिंग करें
- गोल्ड व सिल्वर पर आधारित ज्यादातर ईटीएफ ने 40% से ज्यादा रिटर्न दिया

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

दुनिया में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ की दहशत के बीच सोना-चांदी निवेश के सबसे भरोसेमंद विकल्प बनकर उभर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सोने ने इस साल अब तक 8 माह में करीब 36% तक और चांदी ने करीब 42% तक रिटर्न दिया है। यानी इन 8 महीनों में चांदी सोने से काफी आगे निकल गई है। अगर रुपये में बात करें तो चांदी 37,281 रुपये प्रति किलोग्राम महंगी हुई है। वहीं, सोना 27,976 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हुआ है। जानकारों का कहना है कि इस साल के आखिरी तक रिटर्न के मामले में चांदी सोने को बहुत पीछे छोड़ सकती है। सोने लगातार बढ़ती कीमतों के बीच लोगों को अब इसमें प्लानिंग तहत निवेश करना होगा। वरना यह झटका भी दे सकता है। हालांकि कहा जाता है कि सोना पुराने समय से ही भरोसे का निवेश रहा है। सोने-चांदी की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखी जा रही है। बीते एक साल में गोल्ड और सिल्वर पर आधारित ज्यादातर ईटीएफ ने भी 40% से ज्यादा एवरेज रिटर्न दिया

है। निवेशकों के लिए बड़ा सवाल यह है कि क्या इस तेजी के बाद अब भी सोने-चांदी में निवेश करना सही रहेगा? और अगर हां, तो किस तरीके से।

सोने-चांदी की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर

सोने-चांदी की कीमतें नई ऊंचाइयां छू रही हैं। इनका असर ईटीएफ पर भी पड़ा है। पिछले 12 महीनों में गोल्ड ईटीएफ ने औसतन 40.44% का रिटर्न दिया है। इस दौरान 16 गोल्ड ईटीएफ मार्केट में एक्टिव रहे, जिनमें टाटा गोल्ड ईटीएफ ने सबसे ज्यादा 40.76%, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल गोल्ड ईटीएफ ने 40.74% और आदित्य बिरला सनलाइफ गोल्ड ईटीएफ ने भी 40.67% का मजबूत रिटर्न दिया।

क्यों बढ़ रही है सोने-चांदी की चमक

जानकारों के मुताबिक सोने और चांदी की कीमतों में यह उछाल जियो-पोलिटिकल टेंशन, टैरिफ को लेकर जारी उथल-पुथल और इंडस्ट्रियल डिमांड की वजह से आया है. खासतौर पर सिल्वर की डिमांड सेमीकंडक्टर, सोलर पैनल, इलेक्ट्रिक व्हिकल (ईवी) और ग्रीन टेक्नोलॉजी में ज्यादा हो रही है। यही वजह है कि चांदी 10 साल के ऊंचे स्तर पर पहुंची है। सोना पारंपरिक रूप से एक डिफेंसिव एसेट माना जाता है, जो बाजार में अनिश्चितता और डर के समय निवेशकों को सुरक्षा देता है। यही कारण है कि हर अस्थिर दौर में सोने की कीमतें ऊपर जाती हैं।

पोर्टफोलियो में कितना हो गोल्ड-सिल्वर का हिस्सा

आपके पोर्टफोलियो में सोने-चांदी की हिस्सेदारी 10–20% से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। बाकी निवेश इक्विटी और डेट में होना चाहिए। आमतौर पर 80:20 का इक्विटी-डेट रेशियो संतुलित माना जाता है, और सोना-सिल्वर इसमें हेजिंग यानी रिस्क से बचाने का काम करते हैं। इसका मतलब है कि गोल्ड और सिल्वर आपको लगातार ऊंचा रिटर्न नहीं देंगे, लेकिन आपके पोर्टफोलियो को अस्थिरता से बचाने और डाइवर्सिफिकेशन देने का काम करेंगे।

ईटीएफ और एसआईपी के जरिये निवेश बेहतर

सोने-चांदी की मौजूदा ऊंची कीमतों पर एकमुश्त निवेश करना जोखिम भरा हो सकता है। बेहतर है कि निवेशक एसआईपी (एसआईपी) के जरिए धीरे-धीरे इनमें पैसा लगाएं। इससे कीमतों के उतार-चढ़ाव की एवरेजिंग हो जाती है और लंबी अवधि में बेहतर नतीजे मिलते हैं। ईटीएफ सोने-चांदी में निवेश का सबसे आसान और ज्यादा पारदर्शी तरीका है। गोल्ड ईटीएफ में हर यूनिट आम तौर पर 1 ग्राम सोने की वैल्यू को बताती है। इन्हें आप डिमैट अकाउंट के जरिए शेयरों की तरह खरीद-बेच सकते हैं. सिल्वर ईटीएफ भी इसी तरह काम करते हैं।

निवेशकों के लिए क्या है सही रणनीति

अगर आप सोने-चांदी में निवेश करना चाहते हैं तो इसे स्पेक्युलेटिव यानी सट्टे नजरिए से नहीं बल्कि एसेट एलोकेशन के नजरिए से देखें। यह लंबे समय में आपके पोर्टफोलियो को स्टेबल और सुरक्षित बनाते हैं।

- पोर्टफोलियो में गोल्ड और सिल्वर की हिस्सेदारी 10–20% तक रखें
- एकमुश्त निवेश की बजाय एसआईपी से धीरे-धीरे खरीदें
- ईटीएफ को प्रायोरिटी दें क्योंकि वे पारदर्शी, आसान और लिक्विड होते हैं

- अगर प्रोफेशनल मैनेजमेंट चाहिए तो मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड भी विकल्प हो सकते हैं

सावधानी से बढ़ाएं कदम

सोने-चांदी में तेजी के बावजूद निवेशकों को सावधानी से कदम बढ़ाना चाहिए। यह सही है कि हाल में ईटीएफ ने 40% तक का रिटर्न दिया है, लेकिन भविष्य में इनका रोल मुख्य रूप से पोर्टफोलियो को स्टेबल रखने और जोखिम कम करने का रहेगा। सही रणनीति यही है कि इन्हें लंबी अवधि के लिए एसेट एलोकेशन का हिस्सा बनाएं, न कि शॉर्ट-टर्म मुनाफे के लिए। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि 2025 की पहली छमाही में सोने में जो तेजी देखी गई है, वह लंबी खिंच सकती है और अब नई खरीदारी से बचना चाहिए, क्योंकि कीमतें पहले से ही काफी ऊंचाई पर पहुंच गई हैं।

क्या होती है नो-कॉस्ट ईएमआई क्या सच में नहीं लगता ब्याज?

- जानिए कैसे रिटेलर और बैंक ब्याज को एडजस्ट करते हैं
- किस तरह सही ऑफर चुनकर बचत की जा सकती है
- कोई भी सामान खरीदने से पहले एक बार जरूर देख लें
- तकनीकी रूप से देखें, तो 'नो कॉस्ट ईएमआई कभी पूरी तरह मुफ्त नहीं होता

जानकारी

बिजनेस डेस्क

त्योहारी सीजन आते ही ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म्स और बैंक 'नो-कॉस्ट ईएमआई' का खूब प्रचार करते हैं। मोबाइल, लैपटॉप, टीवी से लेकर फ्रिज और वॉशिंग मशीन तक, हर जगह यह ऑफर देखने को मिल जाता है। सुनने में तो यह बहुत लुभावना लगता है कि महंगी चीज बिना ब्याज के आसान किस्तों में मिल जाएगी। इसे देखकर अक्सर ग्राहक भी ललचा जाते हैं और ज्यादा से ज्यादा सामना खरीदने का प्रयास करते हैं। ऐसे त्योहारी सीजन में खासकर होता है। लेकिन क्या नो-कॉस्ट ईएमआई सच में 'फ्री' है? इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही कुछ तथ्य जिनसे पता चलेगा की नो-कॉस्ट ईएमआई कभी भी फ्री नहीं होता। इसके कुछ ने कुछ हिडन चार्ज जरूर होते हैं, जिन्हें बैंक बड़ी असानी से एडजस्ट करते हैं और कस्टमर को पता तक नहीं चलने देते। आइए एक्सपर्ट समझते हैं नो-कॉस्ट का पूरा खेल। जानकारों का कहना है कि नो-कॉस्ट ईएमआई का मतलब यह होता है कि जब आप कोई प्रोडक्ट किस्तों में खरीदते हैं, तो आपको अतिरिक्त ब्याज नहीं देना पड़ता। लेकिन हकीकत में 'नो कॉस्ट' ईएमआई पूरी तरह से फ्री नहीं होती, बल्कि इसमें ब्याज या चार्जेज को अलग तरीके से एडजस्ट किया जाता है।

कैसे काम करती है नो-कॉस्ट ईएमआई

डिस्काउंट या सब्सिडी: अब मान लीजिए कि आपने 30,000 का स्मार्टफोन ईएमआई पर खरीदा। इसकी ईएमआई पर बैंक ब्याज लेगा, क्योंकि यही तो उसका बिजनेस है। सामान्य ईएमआई पर बैंक 12% ब्याज दर से 12 महीने की ईएमआई बनाएगा। ऐसे में कुल लागत लगभग 31,800 रुपये हो जाती, लेकिन रिटेलर या ब्रांड आपको ब्याज जितना डिस्काउंट दे देता है। असल में आप कुल 30,000 ही चुकाते हैं। 1,800 के ब्याज का बोझ कंपनी उठा लेती है। कई ऑफर में ब्याज सीधे नहीं दिखाया जाता। यानी आपको लगता है 'नो कॉस्ट ईएमआई है, कोई ब्याज नहीं लगेगा'। जैसे कि प्रोडक्ट का कैश प्राइस 30,000 है। डिस्काउंट के साथ वह 27,000 में मिलता। ईएमआई पर वही प्रोडक्ट 30,000 के कुल ईएमआई में बांट दिया गया। आपको लगता है 'नो कॉस्ट ईएमआई ' है, लेकिन आप 3000 रुपये की बचत गंवा रहे।

क्या वाकई मुफ्त है नो-कॉस्ट ईएमआई : अगर तकनीकी रूप से देखें, तो 'नो कॉस्ट ईएमआई कभी पूरी तरह मुफ्त नहीं होता। अगर रिटेलर सब्सिडी दे रहा है तो उसका खर्च कंपनी वहन कर रही है, जिससे उसका मार्जिन घटता है। अगर कीमत बढ़ाकर एडजस्ट किया गया है तो ग्राहक ने इनडायरेक्ट तरीके से ब्याज ही चुका दिया।

कई बार नहीं मिलते ऑफर : कई बार नो कॉस्ट ईएमआई के साथ अन्य डिस्काउंट ऑफर उपलब्ध नहीं होते, यानी कैशबैक या कूपन का फायदा हाथ से जा सकता है। जैसे कई बार कंपनियां 30,000 के प्रोडक्ट का एमआरपी ही 32,000 लिख देती हैं और नो कॉस्ट ईएमआई पर बेचती हैं। ग्राहक को लगता है कि ब्याज नहीं लगा, जबकि उसने पहले से बढ़ी हुई कीमत चुका दी।

क्या है आरबीआई का नियम

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 2013 में साफ किया था कि नो कॉस्ट ईएमआई स्कीम्स में ब्याज शून्य दिखाना भ्रामक हो सकता है। इसके बाद एनबीएफसी और बैंकों ने इन ऑफर्स को अलग तरह से डिजाइन किया। अब प्रैक्टिकली ब्याज का बोझ मैन्युफैक्चरर या रिटेलर उठाता है, ग्राहक को 'नो कॉस्ट' का अनुभव देने के लिए।

इन बातों पर जरूर दें ध्यान

एमआरपी और सेलिंग प्राइस चेक करें। जैसे कि क्या ईएमआई प्रोडक्ट असली डिस्काउंट प्राइस पर मिल रहा है या बढ़ी हुई कीमत पर? ऑफर्स की तुलना करें। कई बार सीधा डिस्काउंट ऑफर लेना नो कॉस्ट ईएमआई से सस्ता पड़ता है। प्रोसेसिंग फीस देखें। कुछ बैंकों में प्रोसेसिंग फीस या जीएसटी अलग से लिया जाता है। टेन्योर को जरूर समझें। जैसे कि ईएमआई कितने महीनों में देनी है और क्या पहले भुगतान करने पर कोई पेनल्टी लगेगी? अपने बजट पर भी ध्यान दें। किस्तों में पेमेंट आसान लगता है, लेकिन खर्च बढ़ाने का लालच भी दे सकता है।

सैलरी का सिर्फ 10 पर्सेंट हर महीने बचाकर भी बन सकते हैं करोड़पति

● पहले लक्ष्य तय करें, इसके बाद लंबे समय तक निवेश में डटे रहें ● 30 साल में बनाया जा सकता है 1.23 करोड़ का फंड ● छोटी-छोटी बचत और लंबे समय तक निवेश बना देगा धनवान

बचत

बिजनेस डेस्क

आज के समय में हर किसी का सपना होता है कि वह रिटायरमेंट तक अपने लिए एक बड़ा फंड जमा कर सके, लेकिन कई लोग सोचते हैं कि करोड़ों रुपये की बचत के लिए बहुत बड़ी सैलरी होनी चाहिए। जबकि सच यह है कि छोटी-छोटी बचत और लंबे समय तक निवेश की आदत किसी को भी करोड़पति बना सकती है। एक उदाहरण से आप इसे बेहतर तरीके से समझ सकते हैं। एक निजी कंपनी में काम करने वाले भी अपनी सैलरी का सिर्फ 10% हर महीने बचाकर एसआईपी के जरिए 30 साल में 1.23 करोड़ रुपये का फंड खड़ा कर सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि कैसे एक निजी कंपनी में काम करने वाले भी धीरे-धीरे करोड़ों रुपये का फंड बना सकते हैं।

ऐसे समझें निवेश का गणित

मान लीजिये आपकी उम्र अभी 22 साल है और वह एक प्राइवेट कंपनी में काम करते हैं। आपकी हर महीने की सैलरी 40,000 रुपये है। युवा उम्र में ही आपने तय कर लिया कि वह अपनी रिटायरमेंट की प्लानिंग अभी से शुरू करेंगे तो आपको हर महीने अपनी कमाई का सिर्फ 10% यानी 4,000 को म्यूचुअल फंड की एसआईपी में लगाना शुरू करना होगा। इसे आप किसी भी हालत में निकालेंगे नहीं और समय के साथ अपने फंड का बढ़ाते जाएंगे। आप देखेंगे की कुछ ही समय में आपका पैसा बढ़ने लगेगा।

50 की उम्र तक करोड़पति बनेंगे

अगर आप अपना लक्ष्य लेकर चलते हैं और निवेश को लगातार बढ़ाते जाएंगे तो आसानी से 50 साल की उम्र तक करोड़पति बन सकते हैं। इसके कंपाउंउगि का पैसा आपकी रकम को और बढ़ाता जाएगा। आपका लक्ष्य था कि जब वह 50 साल की उम्र को पार करे, तो उसके पास एक करोड़ रुपये से ज्यादा का रिटायरमेंट फंड हो। इस तरह आपका लक्ष्य पूरा हो सकेगा। इसके लिए आपको लगातार 30 साल तक 4,000 हर महीने एसआईपी में निवेश करना जरूरी होगा। एसआईपी के लिए 12% सालाना रिटर्न वाले इक्विटी म्यूचुअल फंड को चुनना होगा।

पूरा कैलकुलेशन

आपने 30 साल तक हर महीने 4,000 की एसआईपी की। इस तरह उसका कुल निवेश 4,000 x 12 महीने x 30 साल = 14,40,000 रुपये हुआ। इस निवेश पर उसे 12% की औसत वार्षिक रिटर्न दर मिली। कंपाउंडिंग के जादू से 30 साल बाद उसका निवेश बढ़कर 1,23,23,893 रुपये हो गया। यानी, 14.4 लाख रुपये निवेश करने पर उसे 1,08,83,893 का रिटर्न मिला। यह दिखाता है कि लंबे समय तक नियमित निवेश करने से छोटी रकम भी करोड़ों में बदल सकती है।

युवाओं के लिए बड़ी सीख

यह कहानी हर युवा के लिए प्रेरणादायक हो सकती है जो अपनी रकम को बढ़ाना चाहते हैं। अक्सर लोग सोचते हैं कि रिटायरमेंट या भविष्य की प्लानिंग के लिए बड़ी सैलरी या मोटा निवेश जरूरी है, लेकिन सही रणनीति, अनुशासन और जल्दी शुरुआत से यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। अगर आप 10 साल बाद यानी 32 साल की उम्र में निवेश शुरू करता, तो उसे 20 साल का समय मिलता। इतने समय में उसका निवेश लगभग आधा ही होता। इससे साबित होता है कि निवेश जितनी जल्दी शुरू करें, उतना बेहतर।

ये मंत्र भी अपनाएं

1. वित्तीय शिक्षा प्राप्त करें
वित्तीय शिक्षा आपको पैसे के प्रबंधन, निवेश व बचत के बारे में जानने में मदद करेगी। यह आपको वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए ठोस योजना बनाने में मदद करेगी।

2. नियमित बचत करें
नियमित बचत करना करोड़पति बनने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अपने आय का एक हिस्सा नियमित रूप से बचाएं और इसे निवेश में लगाएं।

3. निवेश करें
निवेश करना आपके पैसे को बढ़ाने का एक अच्छा तरीका है। शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड, और रियल एस्टेट जैसे विभिन्न निवेश विकल्पों का पता लगाएं और अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार निवेश करें।

4. व्यवसाय शुरू करें
व्यवसाय शुरू करना करोड़पति बनने का एक अच्छा तरीका हो सकता है। अपने जुनून और कौशल के अनुसार व्यवसाय शुरू करें और इसे सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत करें।

5. नेट वर्थ बढ़ाएं
नेट वर्थ बढ़ाने के लिए, अपनी आय बढ़ाने और व्यय कम करने पर ध्यान दें। अपने ऋणों का भुगतान करें और अपनी संपत्ति बढ़ाने के लिए निवेश करें।

6. धैर्य रखें
करोड़पति बनने में समय लगता है। धैर्य रखें और अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करते रहें।

7. वित्तीय अनुशासन
वित्तीय अनुशासन करोड़पति बनने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अनुशासन में रहें और अपने व्यय को नियंत्रित रखें।

8. नेटवर्क बनाएं
नेटवर्क बनाना करोड़पति बनने में मदद कर सकता है। अपने उद्योग में लोगों से मिलें और अपने व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए नेटवर्क का उपयोग करें।

9. जोखिम उठाएं
जोखिम उठाना करोड़पति बनने का एक हिस्सा है। अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए जोखिम उठाने के लिए तैयार रहें, लेकिन जोखिम को प्रबंधित करने के लिए भी तैयार रहें।

10. सीखना जारी रखें
सीखना जारी रखना करोड़पति बनने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उद्योग में नवीनतम रुझानों और तकनीकों के बारे में सीखें व अपने कौशल को बेहतर बनाने के लिए काम करें।

प्लानिंग जैसे-जैसे आय बढ़ती है, वैसे-वैसे निवेश की रफ्तार को भी बढ़ाएं, इससे जल्द पैसा बढ़ेगा

अनावश्यक खर्च करने से बचें, ऑफर का देखकर ललचाएं नहीं निवेश की अच्छी रणनीति बनाएं और अपने भविष्य को सुरक्षित करें

जीवन में आगे बढ़ने के साथ, बढ़ाते जाएं अपना निवेश, स्टेप अप एसआईपी आपको अमीर बनाने में निभाएगी बड़ी भूमिका

सुझाव

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेश करके अपना पैसा बढ़ाना चाहते हैं तो आपको थोड़ा संयम बरतना होगा और जीवन में आगे बढ़ने के साथ-साथ अपने निवेश को भी बढ़ाना होगा। तभी आप अपने धन को बढ़ा पाएंगे और बुढ़ापे में खुद को आर्थिक रूप ये मजबूत रख पाएंगे। देखने में आता है कि नए अवसर, बड़े सपने और बदलती जीवनशैली के साथ जीवन आगे बढ़ते रहने की कहानी है। जैसे-जैसे आपकी आय बढ़ती है, वैसे-वैसे आपकी ख्वाहिशें और खर्च भी बढ़ते हैं। क्या आपकी निवेश रणनीति भी इसी रफ्तार से आगे बढ़ रही है? जिस तरह आप अपने सपनों की नई बाइक खरीदते हैं, या बेहतर घर में शिफ्ट होते हैं, उसी तरह जरूरी है कि आप अपने एसआईपी (सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान) को भी अपग्रेड करें ताकि, वो आपके बदलते जीवन के साथ कदम से कदम मिला सके। आइए समझते हैं कि स्टेप-अप एसआईपी (एसआईपी राशि को बढ़ाना) क्या है और कैसे यह आपको वित्तीय रूप से आगे बनाए रखने में मदद करता है।

स्टेप-अप एसआईपी क्या है?

स्टेप-अप एसआईपी (जिसे टॉप-अप एसआईपी भी कहा जाता है) एक ऐसी सुविधा है जिसमें आप अपने एसआईपी निवेश को तय अंतराल पर (सालाना या अर्धवार्षिक) एक निश्चित राशि या प्रतिशत के हिसाब से बढ़ा सकते हैं। इसका मतलब है कि हर महीने एक ही राशि निवेश करने की बजाय, आप जैसे-जैसे कमाते हैं, वैसे-वैसे अपना निवेश भी बढ़ाते हैं।

आपकी बढ़ती आय और खर्चों के साथ तालमेल

जब आपकी सैलरी बढ़ती है या प्रमोशन होता है, तो आपकी जीवनशैली भी बेहतर होती है। शायद आप नई बाइक खरीदते हैं, बेहतर फ्लैट में शिफ्ट होते हैं, या खूब घूमते हैं। ऐसे में खर्च बढ़ता है और आर्थिक लक्ष्य भी बड़े हो जाते हैं। एसआईपी को स्टेप-अप करके आप यह सुनिश्चित करते हैं कि आपकी बढ़ती आय और आकांक्षाओं के साथ आपके निवेश का तालमेल बना रहे।

महंगाई को मात देन के लिए निवेश जरूरी

हर साल महंगाई की वजह से जीवन-यापन में

होने वाला खर्च बढ़ता रहता है। अगर आपकी एसआईपी की राशि एक समान ही रहती है, तो भविष्य में वह आपकी जरूरतों, लक्ष्यों को पूरा नहीं कर पाएगी। एसआईपी बढ़ाने से आपका निवेश तेजी से बढ़ता है और आप महंगाई के असर से बेपरवाह रह सकते हैं।

बड़े लक्ष्य जल्दी हासिल करें

स्टेप-अप एसआईपी के जरिए आप अपने आर्थिक लक्ष्यों को जल्दी हासिल कर सकते हैं। इसकी मदद से आप बड़े सपनों जैसे लग्जरी कार, विदेश यात्रा या रिटायरमेंट के लिए बड़ी रकम को भी बिना किसी आर्थिक तनाव के हसिल कर सकते हैं।

चक्रवृद्धि ब्याज़ की ताकत का जादू

हर साल एसआईपी की राशि थोड़ी सी भी बढ़ाने पर लंबे समय में आपकी संपत्ति में बड़ा फ़र्क देखने को मिल सकता है। जितनी जल्दी और जितना अधिक आप निवेश करते हैं, रिटर्न उतना ही ज़्यादा होता है। इसी को चक्रवृद्धि ब्याज़ की ताकत कहते हैं।

स्टेप-अप एसआईपी कैसे काम करता है?

- मान लीजिए आप 5,000 रुपये प्रति माह की एसआईपी शुरू करते हैं, जिसमें हर साल 1,000 रुपये स्टेप-अप करते हैं।
- पहले साल में, आप 5,000 रुपये/माह निवेश करते हैं
- दूसरे साल में, यह 6,000 रुपये/माह हो जाता है
- तीसरे साल में, 7,000 रुपये/माह, और यह इसी तरह आगे बढ़ता है।
- धीरे-धीरे बढ़ती एसआईपी आपकी बढ़ती सैलरी के साथ मेल खाती है। जैसे-जैसे आपका वेतन बढ़ता है, आपका निवेश भी बढ़ता है और आपकी जेब पर भी एकसाथ ज्यादा बोझ नहीं पड़ता।

स्टेप-अप एसआईपी बेहतरीन तरीका

स्टेप-अप एसआईपी यह सुनिश्चित करने का एक आसान, लेकिन असरदार तरीका है कि आपका निवेश आपकी जिंदगी की गति के साथ आगे बढ़े। जैसे-जैसे आपकी आमदनी और जरूरतें बढ़ती हैं आप अपनी एसआईपी को बढ़ाकर नए सपनों और आर्थिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए बेहतर ढंग से तैयार होंगे। तो, क्या आप निवेश का सही कदम उठाने के लिए तैयार हैं?

ऐसे तैयार करें निवेश की रणनीति

विविधीकरण : विविधीकरण एक महत्वपूर्ण निवेश रणनीति है जिसमें आप अपने निवेश को विभिन्न परिसंपत्तियों में फैलाते हैं, जैसे कि शेयर, बॉन्ड, रियल एस्टेट, और अन्य। इससे जोखिम कम होता है और रिटर्न बढ़ सकता है।

लंबी अवधि का निवेश : लंबी अवधि का निवेश एक अच्छी रणनीति है जिसमें आप अपने निवेश को लंबी अवधि के लिए रखते हैं। इससे आपको बाजार की अस्थिरता से बचने में मदद मिलती है और रिटर्न बढ़ सकता है।

नियमित निवेश : नियमित निवेश एक अच्छी रणनीति है जिसमें आप नियमित रूप से एक निश्चित राशि निवेश करते हैं। इससे आपको बाजार की अस्थिरता से बचने में मदद मिलती है और रिटर्न बढ़ सकता है।

जोखिम प्रबंधन : जोखिम प्रबंधन एक महत्वपूर्ण निवेश रणनीति है जिसमें आप अपने निवेश के जोखिम को प्रबंधित करते हैं। इससे आपको अपने निवेश को सुरक्षित रखने में मदद मिलती है और रिटर्न बढ़ सकता है।

वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार निवेश : वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार निवेश एक अच्छी रणनीति है जिसमें आप अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार निवेश करते हैं। इससे आपको अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलती है और रिटर्न बढ़ सकता है।

निवेश की लागत को कम करना : निवेश की लागत को कम करना एक महत्वपूर्ण रणनीति है जिसमें आप अपने निवेश की लागत को कम करते हैं। इससे आपको अपने रिटर्न को बढ़ाने में मदद मिलती है।

नियमित रूप से पोर्टफोलियो की समीक्षा करना : नियमित रूप से पोर्टफोलियो की समीक्षा करना एक अच्छी रणनीति है जिसमें आप अपने निवेश पोर्टफोलियो की समीक्षा करते हैं और आवश्यकतानुसार बदलाव करते हैं। इससे आपको अपने निवेश को सुरक्षित रखने में मदद मिलती है और रिटर्न बढ़ सकता है।

फिडे ग्रैंड स्विस: गुकेश ने खेला ड्रा, प्रज्ञानानंद की वापसी, वैशाली का शानदार प्रदर्शन

एजेंसी ▶▶| समरकंद

विश्व चैंपियन भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश को फिडे ग्रैंड स्विस के दूसरे दौर में तुर्किये के 14 वर्षीय यागिज खान एर्दोगमस ने ड्रॉ पर रोका, जबकि गत चैंपियन आर वैशाली ने महिलाओं के वर्ग में शानदार प्रदर्शन किया। दो गेमों में जीत के साथ वह ऑस्ट्रिया की ओलगा बेडेल्का के साथ संयुक्त रूप शीर्ष पर हैं। ओपन वर्ग में गुकेश ने एर्दोगमस के खिलाफ जीत की स्थिति गंवा दी और अंततः ड्रॉ के लिए समझौता करना पड़ा, लेकिन शीर्ष वरीयता प्राप्त प्रज्ञानंद ने इवान जेनलियान्स्की को हराकर इस प्रतियोगिता में अपनी पहली जीत हासिल की।

प्रज्ञानानंद ने हासिल की जीत

ओपन वर्ग में गुकेश ने एर्दोगमस के खिलाफ जीत की स्थिति से शुरुआत की थी, लेकिन वह अपनी लय बरकरार नहीं रख सके। दूसरी ओर, भारत के एक अन्य ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानानंद ने वापसी की और रूस के जेनलियान्स्की के खिलाफ जीत हासिल करने में सफल रहे। जेनलियान्स्की फिडे झंडे के तले खेलने उतरे क्योंकि रूस पर प्रतिबंध लगा हुआ है। ओपन वर्ग में फ्रांस के अलिरेजा फिरोजा, ईरान के परहम माघसूदलो और स्लोवेनिया के एंटन डेमचेंको दो-दो अंकों के साथ संयुक्त बढ़त बनाए हुए हैं।

वैशाली के पास एकल बढ़त बनाने का मौका

महिलाओं के वर्ग में भारत की आर वैशाली ने विजयी अभियान जारी रखा और लगातार दो जीत दर्ज कर दो अंक लेकर वह संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंचीं। रेटिंग में अपनी मजबूत स्थिति के कारण वैशाली के पास एकल बढ़त हासिल करने का मौका है। उन्होंने दो साल पहले यहां जीत दर्ज की थी और एक बार फिर खिताब की प्रबल दावेदार हैं। यह ग्रैंड स्विस का चौथा सत्र है, जहां दोनों वर्ग के शीर्ष दो खिलाड़ियों के पास अगले साल होने वाले फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करने का मौका होगा। आठ खिलाड़ियों के कैंडिडेट्स टूर्नामेंट से विश्व चैंपियनशिप का अगला चैलेंजर तय होता है।

खबर संक्षेप

नफीस-रुद्रा ने जीता अंडर-19 खिताब

जयपुर। युशा नफीस और रुद्रा सिंह ने इंडियन जूनियर ओपन स्क्वाश चैंपियनशिप में क्रमशः लड़कों और लड़कियों के अंडर-19 वर्ग के खिताब जीते। इस साल की शुरुआत में एशियाई जूनियर टीम चैंपियनशिप में भारत की कांस्य पदक विजेता टीम का हिस्सा रहे नफीस ने रचित शाह को पांच गेम के रोमांचक मुकाबले में हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया।लड़कियों के अंडर-19 फाइनल में रुद्रा ने व्योमिका खंडेलवाल को सीधे गेम में हराया।सप्ताह भर चले इस टूर्नामेंट में 12 स्पर्धाओं में 520 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और सभी आयु वर्गों के फाइनल के साथ इसका समापन हुआ।

विश्व वुशु चैंपियनशिप : भारत का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली। भारत ने ब्राजील में 17वीं विश्व वुशु चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें तीन महिला खिलाड़ी फाइनल में और दो पुरुष खिलाड़ी नाकआउट चरण में पहुंच गए। महिला वर्ग में अपर्णा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 52 किग्रा भार वर्ग में इंडोनेशिया की थारिसा डीया फ्लोरिएंटिना को हराकर फाइनल में जगह पक्की की। अपर्णा का अगला मुकाबला रविवार को स्वर्ण पदक के लिए वियतनाम की एनजी थी भुओंग नगा से होगा। करीना कौशिक ने 60 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में ब्राजील की नथालिया ब्रिकेसी सिल्वा को हराया। अब उनका मुकाबला चीन की शियाओवेई वू से होगा। शिवानी ने रूस की एकातेरिना वालचुक को हराकर 75 किग्रा वर्ग के फाइनल में अपनी जगह पक्की की, जहां उनका मुकाबला ईरान की शाहरबानो मंसूरियान सेमीरोमी से होगा।

अफगानिस्तान ने यूएई को हराया

शारजाह। अफगानिस्तान ने टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पर चार रन की रोमांचक जीत दर्ज की। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 170 रन बनाए। इसके जवाब में यूएई एक समय टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत हासिल करने के करीब पहुंच गया था लेकिन आखिर में उसकी टीम पांच विकेट पर 166 रन ही बना सकी। यूएई को अंतिम ओवर में 17 रन चाहिए थे और पावर-हिटर आसिफ खान (40) ने आखिरी तीन गेंदों पर लक्ष्य को पांच रन तक पहुंचा दिया। लेकिन बाएं हाथ के तेज गेंदबाज फरीद अहमद ने संयम बनाए रखा और अगली दो गेंदों पर एक भी रन नहीं दिया। उन्होंने अंतिम गेंद पर आसिफ खान को लॉन्ग ऑफ पर कैच कराया। इस तरह से इस टूर्नामेंट में लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव करने का सिलसिला भी जारी रहा।

अमेरिकी ओपन : अल्काराज और सिनर के बीच होगा खिताबी मुकाबला

एक साल में तीसरी बार, सबसे बड़े मुकाबले में आमने-सामने दो दिग्गज

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर और नंबर दो खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में जगह बनाई। यह इस वर्ष लगातार तीसरा अवसर होगा जबकि दुनिया के शीर्ष रैंकिंग वाले यह दो खिलाड़ी किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में आमने-सामने होंगे।

कोर्ट में कार्लोस ने निकाला मोबाइल

अल्काराज ने खेले गए पहले सेमीफाइनल में 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच को 6-4, 7-6 (4), 6-2 से हराया। उन्होंने जीत हासिल करने के बाद सभी को एक पल रुकने के लिए कहा। अल्काराज ने जेब से अपना मोबाइल फोन निकाला ताकि वह सिनर और फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे के बीच दूसरे सेमीफाइनल का स्कोर देख सके लेकिन तब उस मैच का पहला सेट ही चल रहा था। सिनर ने इसके कुछ घंटे बाद ऑगर-अलियासिमे पर 6-1, 3-6, 6-3, 6-4 से जीत हासिल करके अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंदी के खिलाफ एक और रोमांचक मुकाबले की नींव रखी।

नंबर एक रैंकिंग का होगा फैसला

रविवार को होने वाले फाइनल का परिणाम जो भी हो यह सुनिश्चित है कि यह जोड़ी पिछली आठ ग्रैंड स्लैम ट्रॉफियों को साझा करेगी और पिछले 13 में से 10 पर कब्जा करेगी। अल्काराज ने अभी तक पांच और सिनर ने चार ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। इस मैच से नंबर एक रैंकिंग का भी फैसला होगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी इस मैच को देखने के लिए आ सकते हैं। अल्काराज ने जून में फ्रेंच ओपन में सिनर को हराया था। सिनर ने जुलाई में विंबलडन में इसका बदला चुकता कर दिया था।

मैं परिपक्व हो रहा हूं : अल्काराज

अल्काराज ने कहा, 'मैं मैचों, टूर्नामेंट, पूरे साल, कुल मिलाकर, निरंतरता बनाए रखने पर काम कर रहा हूं। बस किसी भी मैच में उतार-चढ़ाव न हो। शायद, मैं परिपक्व हो रहा हूं, खुद को और बेहतर तरीके से जान रहा हूं और यह समझ रहा हूं कि कोर्ट के अंदर और बाहर मुझे क्या करना चाहिए।' सिनर का 2024 की शुरुआत से अल्काराज के खिलाफ रिकॉर्ड 1-6 है जबकि अन्य खिलाड़ियों के खिलाफ उनका रिकॉर्ड 109-4 है।

एक दूसरे के खिलाफ काफी मैच खेले: सिनर

सिनर ने कहा, 'हमने इस साल एक दूसरे के खिलाफ काफी मैच खेले हैं। इसलिए हम एक-दूसरे के खेल को बहुत अच्छी तरह जानते हैं।' अल्काराज को जोकोविच के खिलाफ हाल में जिन दो मैच में हार का सामना करना पड़ा था उनमें पिछले साल पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक का मुकाबला और इस साल जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन का क्वार्टर फाइनल मैच शामिल है।

सिनर की दूसरी बार चैंपियन बनने की कोशिश

सिनर न्यूयॉर्क में लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने की कोशिश करेंगे। रोजर फेडरर ने 2004 से 2008 तक लगातार पांच साल तक यह हार्ड-कोर्ट टूर्नामेंट जीता था। सिनर ने लगातार पांच ग्रैंड स्लैम फाइनल में भी जगह बनाई है, जिसकी शुरुआत 12 महीने पहले अमेरिकी ओपन से हुई थी। अल्काराज ने अपना छठा प्रमुख खिताब और फ्लशिंग मीडोज में दूसरा खिताब जीतने की कवायद में एक भी सेट नहीं गंवाया है।

डाब्रोवस्की- रुटलिफ ने दूसरी बार जीता महिला युगल का खिताब

गैब्रिएला डाब्रोवस्की और एरिन रुटलिफ ने फाइनल में सीधे सेटों में जीत दर्ज करके तीन वर्षों में दूसरी बार अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में महिला युगल का खिताब जीता। तीसरी वरीयता प्राप्त डाब्रोवस्की और राउटलिफ ने आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए फाइनल में टेलर टाउनसेंड और कैटरीना सिनियाकोवा की शीर्ष रैंकिंग वाली जोड़ी को 6-4, 6-4 से हराया। इसके बाद डाब्रोवस्की और रुटलिफ गले मिले। इन दोनों ने स्तन कैंसर के इलाज के बाद डाब्रोवस्की की पहली बड़ी जीत का जश्न मनाया। उन्होंने पिछले साल विंबलडन में खेलने के लिए अपना इलाज कुछ समय के लिए टाल दिया था। तब वे फाइनल में टाउनसेंड और सिनियाकोवा से हार गए थे। डाब्रोवस्की ने मैच के बाद कहा, 'कैंसर और चोटिल होने के कारण हमारे लिए यह सफर बहुत मुश्किल था। सच कहूं तो यह किसी पागलपन से कम नहीं है। मुझे हम दोनों पर गर्व है। यहां तक पहुंचना वास्तव में आसान नहीं था।

25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कोशिश जारी रखूंगा : जोकोविच

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल में हारने के बाद कहा कि वह 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की अपनी कोशिश जारी रखेंगे। कार्लोस अल्काराज के खिलाफ मुकाबले में जोकोविच कुछ अवसरों पर अच्छी स्थिति में दिखे लेकिन आखिर में उन्हें सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा। जोकोविच ने मैच के बाद कहा, 'मैं अभी पीछे नहीं हटने जा रहा हूं। मैं ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट जीतने की अपनी कोशिश जारी रखूंगा। मैं फाइनल में पहुंचने के लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास करुंगा। मैं कम से कम एक और ट्रॉफी जीतने के लिए अपनी लड़ाई जारी रखूंगा।' सेमीफाइनल मैच के बारे में जोकोविच ने कहा, 'दुर्भाग्य से, दूसरे सेट के बाद मेरी ऊर्जा खत्म हो गई। मेरे पास उनसे मुकाबला करने और दो सेट तक उनकी लय बनाए रखने के लिए पर्याप्त ऊर्जा थी। उसके बाद मैं पूरी तरह थक गया और वह लगातार अच्छा खेलते रहे।'

हॉकी एशिया कप

भारत ने चीन को 7-0 से हराया, पहुंचा फाइनल में 43 साल में सबसे बड़ी जीत

एजेंसी ▶▶| राजगीर

भारतीय पुरुष हॉकी टीम एशिया कप 2025 के फाइनल में पहुंच गई। उसने चीन को सुपर 4 के आखिरी मुकाबले में 7-0 से रौंदा। यह भारतीय पुरुष हॉकी टीम की चीन के खिलाफ 43 साल में सबसे बड़ी जीत रही। इससे पहले 1982 में जब पहली बार एशिया कप हॉकी खेली गई थी तब उसने इसी अंतर से चीन को हराया था। भारत का अब खिताबी मुकाबले में कोरिया से मुकाबला होगा। यह इकलौती टीम है, जिसे इस एडिशन में भारत हरा नहीं पाया। सुपर 4 में दोनों का मुकाबला 2-2 से बराबर रहा था। साथ ही कोरिया एशिया कप की सबसे सफल टीम है और डिफेंडिंग चैंपियन भी है।

भारत ने तीन बार जीता खिताब

भारतीय टीम ने नौवीं बार एशिया कप हॉकी के फाइनल में जगह बनाई। उसने अभी तक तीन बार 2003, 2007 और 2017 में खिताब जीता है। 1982, 1985, 1989, 1994 और 2013 में भारत को फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। 2022 में जब आखिरी बार एशिया कप हुआ तब टीम इंडिया तीसरे नंबर पर रही थी। भारत और कोरिया के बीच एशिया कप 2025 का फाइनल 7 सितंबर को खेला जाना है, जो यह मुकाबला जीतेगा उसे सीधे वर्ल्ड कप में जगह मिलेगी।

महिला हॉकी: भारत ने जापान को ड्रॉ पर रोका

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशिया कप 2025 में जापान को 2-2 के ड्रॉ पर रोक दिया। इससे उसने अपने ग्रुप में टॉप पर कब्जा बरकरार रखा। पूल बी के मुकाबले में भारतीय टीम ने दो बार पिछड़न से उबरते हुए मुकाबले को बराबर किया। जापान इस टूर्नामेंट में डिफेंडिंग चैंपियन है। जापान की ओर से हिरोका मुरायामा ने 10वें और चिको फुजिबायाशी ने 58वें मिनट में गोल किए। टीम इंडिया की तरफ से रुतुजा दादासो पिसल ने 30वें और नवनीत ने 60वें मिनट में गोल किया। भारत अभी रैंकिंग में 10वें और जापान 12वें स्थान पर है। टीम इंडिया ने अपना पहला मैच थाईलैंड के साथ 11-0 से जीता था। उसकी अगली टक्कर सिंगापुर के साथ 8 सितंबर को है।

महज 80 रन पर ऑलआउट हुई श्रीलंका टीम रजा और इवांस की जोड़ी ने ढाया कहर

हरारे। श्रीलंका की टीम जिम्बाब्वे के साथ टी-20 सीरीज खेल रही है, जिसके दूसरे मैच में टीम की बल्लेबाजी पूरी तरह फ्लॉप हो गई और पूरी की पूरी टीम 80 रन के स्कोर पर ही ढेर हो गई। हरारे में खेले जा रहे सीरीज के दूसरे टी-20 मैच में जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया और पहले बैटिंग के लिए श्रीलंका की टीम पहले मैदान पर उतरी। जहां, कोई भी बल्लेबाज बड़ा स्कोर नहीं बना सका और पूरी की पूरी टीम ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। रजा और इवांस की जोड़ी ने 3-3 विकेट लिए। 81 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम इस टारगेट को 14.2 ओवर में पांच विकेट गंवाकर हासिल करने में कामयाब रही। ताशिंगा मुसेकिवा टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे, उन्होंने 14 गेंदों पर 21 रन बनाए।

बीसीसीआई की बैठक 28 को

मुंबई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की सालाना आम बैठक 28 सितंबर को होगी, जिसमें बोर्ड अध्यक्ष और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) अध्यक्ष सहित कई पदों के लिए चुनाव मुख्य एजेंडे में शामिल होंगे। इस महीने की शुरुआत में पूर्व भारतीय क्रिकेटर रोजर बिन्नी के इस्तीफे के बाद से बीसीसीआई अध्यक्ष का पद खाली है जबकि आईपीएल अध्यक्ष अरुण धूमल के छह साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद अनिवार्य ब्रेक (कूल-ऑफ अवधि) पर जाने की संभावना है। हालांकि चुनाव बीसीसीआई के सभी प्रमुख पदों के लिए होने हैं लेकिन यह प्रभावी रूप से केवल एक पद के लिए ही होना है क्योंकि अन्य पदों पर अधिकारियों के बरकरार रहने की संभावना है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने संयुक्त सचिव के रूप में दो साल और तीन महीने तथा सचिव के रूप में नौ महीने सहित कुल तीन साल पूरे कर लिए हैं, जिससे उनका पद पर बने रहना तय है। जय शाह के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष का पद संभालने के बाद इस साल जनवरी में सैकिया को सर्वसम्मति से सचिव चुना गया था।

FORM NO.
[See Regulation 33(2)]
By Regd. A/D, Dasti failing which by Publication
OFFICE OF THE RECOVERY OFFICER-I/II
DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JABALPUR
2nd & 3rd Floor, Sanchar Vikas Bhavan (BSNL Building),
Near Head Post Office Residency Road, Jabalpur -482001, MP
DEMAND NOTICE
NOTICE FOR SETTLING A SALE PROCLAMATION UNDER RULE 53 OF THE SECOND SCHEDULE TO THE INCOME TAX ACT. 1961 READ WITH THE RECOVERY OF DEBTS & BANKRUPTCY ACT. 1993.
RC/382/2020 17-07-2025
BANK OF INDIA
VERSUS
MIS PAL WIRES
To,
(CD1, M/S. Pal Wires, Office at Behind Banjan Mandir, Industrial Area, Rawabhata Bilaspur Road, Raipur, CG-492003.
(CD 2) Ram Subhvan, Pal Engineering, Behind Rajasthan Agro, Bhanpuri Raipur, CG-492003.
(CD 3) Ram Jiyavan Pal, Pal Engineering, Behind Rajasthan Agro, Bhanpuri, Raipur, CG-492003.
(CD 4) Ram Khilavan Pal, Pal Engineering, Behind Rajasthan Agro, Bhanpuri, Raipur, C.G.-492003.
Whereas You the Was ordered by the Presiding Officer of DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JABALPUR who had Issued the Recovery Certificate Dated 18/05/2020 In Oa/848/2017 to Pay to the Applicant Bank(s)/Financial Institution(s) Name of Applicant, the sum of Rs. 24202702.17 (Rupees Two Crore Forty Two Lakhs Two Thousand Seven Hundred Two and Paise Ten Seven Only) along with Pendentellite and Future Interest @ 12.00% Simple Interest yearly w.e.f. 28/09/2017 till Realization and Costs of Rs. 150000 (Rupees One Lakh Fifty Thousands Only), and whereas the said has not been paid, the undersigned has ordered the Sale of undermentioned Immovable/Immoveable Property.
2. You are hereby informed that the 16/09/2025 at 10.30 A.M. has been fixed for drawing up the proclamation of sale and settling the terms thereof. You are requested to bring to the notice of the undersigned any encumbrances, charges, claims or liabilities attached to the said properties or any portion thereof.
Specification of property
Property 2: Agriculture Land Bearing Khasra No: 304/52 admeasuring 0.018 Hectare situated at village Saankara, PH. No. 24, R.N. Dharsiwa-2, Tahsil Raipur, District Raipur (CG) in the name of Shri Ram Subhawan Pal.
Given under my hand and the seal of the Tribunal, on this date: 17/07/2025.
(Seal)
Ms. Priti Desai
Recovery Officer-II
Debts Recovery Tribunal Govt. of India,
Ministry of Finance Jabalpur (M.P. & C.G. States)

दुनिया के सबसे अजीबोगरीब संग्रह

कटे हुए नाखूनों से लेकर अभिनेताओं के बालों तक

कुछ लोग घड़ियां जमा करने का शौक रखते हैं तो कुछ को कला संग्रहित करना पसंद होता है। लोग इस शौक को पूरा करने के लिए लाखों-करोड़ों रुपये खर्च करने से भी नहीं कतराते हैं। हालांकि, कुछ ऐसे लोग भी होते हैं, जिन्हें साधारण के बजाय विचित्र चीजें जमा करना पसंद होता है। आज हम आपको दुनिया के सबसे अजीबोगरीब संग्रहों के बारे में बताएंगे। इनके बारे में जानकर आपके होश उड़ जाएंगे और यकीन कर पाना मुश्किल हो जाएगा।

हॉलीवुड सितारों के बालों का संग्रह

लोगों को फिल्म जगत की हस्तियों के जीवन में बहुत दिलचस्पी होती है। हालांकि, एक व्यक्ति की इसी दिलचस्पी के चलते उन्होंने फिल्मी सितारों के बाल इखट्टा करने का फैसला कर लिया था। दरअसल, अमेरिका के जॉन रेजनिकॉफ हॉलीवुड सितारों के बालों को संग्रहित करने का शौक रखते हैं। उनके पास एल्विस प्रेस्ली और मैरिलिन मुनरो जैसे कई कलाकारों के बाल मौजूद हैं। इसके अलावा, उन्होंने अब्राहम लिंकन और जॉन एफ कैनेडी के बाल भी संजोकर रखे हैं।

पिज्जा के डिब्बों का संग्रह

सभी लोग पिज्जा खाने के बाद उसके डिब्बों को कचरे के डिब्बे में फेंक देते हैं। हालांकि, ब्रुकलिन के रहने वाले स्कॉट वीनर उन्हें अपने घर में सजाकर रखते हैं। 2013 में स्कॉट ने पिज्जा के 595 डिब्बों को संग्रहित करने का विश्व रिकार्ड बनाकर गिनीज बुक में अपना नाम शामिल कर लिया था। 2008 में इजराइल घूमते समय उन्हें सबसे सुंदर पिज्जा का डिब्बा दिखा था, जिसके बाद ही उन्हें यह संग्रह बनाने की प्रेरणा मिली थी।

कटे हुए नाखूनों का संग्रह

नाखून काटने के बाद उन्हें कचरे के डिब्बे में ही फेंका जाता है। हालांकि, क्या हो अगर कोई उन्हें कीमती वस्तु की तरह जमा करने लगे। ऐसा 'अटलांटिक पाथ' नाम का अध्ययन करने वाले वैज्ञानिकों ने किया। उनके पास अक्टूबर 2013 तक पैर के 24,999 कटे हुए नाखून जमा हो गए थे। हालांकि, ऐसा शौक के लिए नहीं किया जा रहा। वैज्ञानिकों का यह समूह कैंसर के विकास के कारकों का अध्ययन करने के लिए नाखून जमा करता है।

पीठ खुजलाने वाली स्टिक्स का संग्रह

जब भी पीठ पर खुजली होती है तो लोग एक खास तरह की स्टिक का इस्तेमाल करते हैं। इसे 'बैक स्क्रैचर' कहा जाता है, जिसकी मदद से पीठ को आसानी से खुजलाया जा सकता है। मैनफ्रेड एस रोथस्टीन नाम के व्यक्ति को ये स्टिक्स संग्रहित करने का शौक है। उन्होंने 71 देशों से पीठ खुजलाने वाली कुल 675 स्टिक्स जमा की हैं। उनके शौक के बारे में जानने के बाद कई लोगों ने उनकी आर्थिक मदद भी की है।

परंपरा

उनका मानना है कि पानी की बचत जरूरी है

अनोखी जनजातियां, कभी नहीं नहातीं महिलाएं, फिर भी दिखती हैं अप्सरा जैसी

नामीबिया की हिंबा जनजाति की महिलाएं पानी से नहीं नहातीं, बल्कि जड़ी-बूटियों के धुएं से स्नान करती हैं और विशेष लोशन का उपयोग करती हैं। यह लोशन उनकी त्वचा को नमी, धूप और कीड़ों से बचाता है। उनकी जीवनशैली अनोखी होने के बावजूद वे बेहद आकर्षक दिखती हैं। दुनिया में कई अनोखी परंपराएं हैं, लेकिन नामीबिया की हिंबा जनजाति की परंपरा सबसे अलग है। इस जनजाति के लोग पानी से नहाना लगभग छोड़ चुके हैं। उनका मानना है कि पानी की बचत जरूरी है। शरीर को साफ रखने के लिए अन्य प्राकृतिक तरीकों का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसी वजह से वे जड़ी-बूटियों के धुएं से स्नान करते हैं। यह तरीका उन्हें साफ-सुथरा और स्वस्थ रखता है।

धुएं और लोशन का खास प्रयोग

हिंबा जनजाति के लोग विभिन्न जड़ी-बूटियों को जलाकर निकलने वाले धुएं से शरीर को साफ करते हैं। यह धुआं शरीर से बैक्टीरिया और गंदगी को दूर करता है। इसके अलावा वे एक खास तरह का लोशन भी लगाते हैं जो पशुओं की चर्बी और हेमाटाइट नामक मिनरल से बनाया जाता है। यह लोशन उनकी त्वचा को नमी देता है, सूरज की तेज किरणों से बचाता है और कीड़ों को भी दूर रखता है।

विशेष लोशन
यह लोशन उनकी त्वचा को नमी, धूप और कीड़ों से बचाता है

साफ-सुथरा
जड़ी-बूटियों को जलाकर निकलने वाले धुएं से शरीर को साफ करते हैं

तालमेल
अनूठी जीवनशैली को बनाए रखते हुए शिक्षा और अन्य सुविधाओं की ओर भी बढ़ रहे हैं

मां बनने की अनूठी रस्म

हिंबा जनजाति में मां बनने की तैयारी भी खास तरीके से की जाती है। गर्भधारण से पहले महिलाओं को बच्चों से जुड़े गीत सुनने और खुद नए गीत बनाने की सलाह दी जाती है। महिला अपने साथी को यह गीत सुनाती है और दोनों मिलकर इसे गाते हैं। गर्भावस्था के दौरान यह गीत दूसरी महिलाओं को भी सिखाया जाता है और बच्चे के जन्म पर भी गाया जाता है। यही गीत बच्चे की पूरी जिंदगी में अलग-अलग अवसरों पर गाया जाता है।

शादी के दिन ही होता है पानी से स्नान

हिंबा महिलाओं के लिए पानी से स्नान करना एक बहुत बड़ी रस्म माना जाता है। माना जाता है कि महिलाएं केवल अपनी शादी के दिन ही पानी से नहाती हैं। उसके बाद वे केवल धुएं और लोशन से ही अपनी स्वच्छता बनाए रखती हैं। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है और आज भी लोग इसे निभा रहे हैं।

परंपरा और आधुनिकता का संगम

हालांकि हिंबा जनजाति अपने पारंपरिक रीति-रिवाजों को मानती है, लेकिन आधुनिक दुनिया से भी तालमेल बैठा रही है। वे अपनी अनूठी जीवनशैली को बनाए रखते हुए शिक्षा और अन्य सुविधाओं की ओर भी बढ़ रहे हैं। उनकी परंपराएं दुनिया को यह संदेश देती हैं कि स्वच्छता और स्वास्थ्य केवल पानी से ही नहीं, बल्कि प्राकृतिक तरीकों से भी संभव है।

नीले रंग के बेशकीमती हीरे की होगी नीलाम, 200 करोड़ है अनुमानित कीमत

हीरा सबसे कीमती रत्न होता है, जिसकी कीमत आम तौर पर भी ज्यादा ही होती है। हालांकि, अगर वह नीले रंग का हो और शुद्ध हो तो बात ही निराली है। ऐसा ही एक हीरा अब नीलामी के लिए उपलब्ध होने वाला है। यह एक अंगूठी से जुड़ा हुआ है, जो अमेरिका की बागवानी विशेषज्ञ बनी मेलन का हुआ करता था। इस दुर्लभ और बेशकीमती हीरे की अनुमानित कीमत 200 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है।

इस खास हीरे का नाम 'मेलन ब्लू' है, जो उसके खूबसूरत रंग को ध्यान में रखते हुए दिया गया है। इसे क्रिस्टीज नामक नीलामीघर द्वारा नीलाम करवाया जाएगा। यह जिनेवा के 'मैग्निफिकेंट ज्वेल्स इवेंट' का हिस्सा रहेगा और 11 नवंबर को बेचा जाएगा। यह हीरा 9.51 कैरेट का है, जो इसे और भी खास बना देता है।

2014 के बाद अब सामने आया है यह हीरा

वर्तमान में यह हीरा एक अंगूठी में जड़ा हुआ है। हालांकि, जब यह मेलन के पास था तब एक सुंदर-से हार में लगा हुआ था। इसे आखरी बार 2014 में न्यूयॉर्क में देखा गया था, जब यह पहली बार नीलाम हुआ था। इसकी नीलामी की बात की जाए तो उसका आयोजन जिनेवा स्थित 'फोर सीजन्स होटल डेस बर्गेस' में किया जाएगा। इस होटल में 7 नवंबर से नीलामी का हिस्सा रहने वाले सभी रत्न प्रदर्शित किए जाएंगे।

पिछले कुछ सालों से चलन में हैं रंगीन हीरे

चोरोन ग्रुप और फैंसी कलर रिसर्च फाउंडेशन के साथ साझेदारी में नेचुरल डायमंड काउंसिल ने एक रिपोर्ट जारी की थी। इसमें सामने आया कि पिछले 20 सालों में रंगीन हीरों की कीमत 205 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। इससे ही अनुमान लगाया जा सकता है कि रंगीन हीरों की लोकप्रियता कितनी बढ़ चुकी है। इनमें से नीले हीरे सबसे ज्यादा प्रचिलित हैं, क्योंकि ये अत्यंत दुर्लभ होते हैं। इसीलिए, 'मेडिटेरेनियन ब्लू' हीरा मई में 189 करोड़ रुपये में बिका था।

एक ऐसा सबसे अनोखा शहर, जहां महीनों तक रहती है रात और हफ्तों तक दिन

नॉर्वे का ट्रॉम्सो शहर अपने अनोखे दिन और रात के चक्र की वजह से पूरी दुनिया में मशहूर है। यहाँ सर्दियों में सूरज महीनों तक दिखाई नहीं देता और गर्मियों में सूरज हफ़्तों तक आसमान से उतरता ही नहीं। यही वजह है कि इसे आर्कटिक का पेरिस और लैंड ऑफ मिडनाइट सन कहा जाता है।

महीनों तक अंधेरा, फिर लगातार उजाला

नवंबर से जनवरी तक ट्रॉम्सो में सूरज बिल्कुल नहीं निकलता। पूरा शहर अंधेरे में डूबा रहता है। लोग इस वक्त घड़ी और आदतों के हिसाब से दिन-रात का अंदाज़ा लगाते हैं। मई से जुलाई तक सूरज ढलता ही नहीं। आधी रात को भी आसमान नीला और चमकदार रहता है। इस नज़ारे को देखने हर साल हजारों पर्यटक आते हैं।

नॉर्दर्न लाइट्स का जादू

सर्दियों में आसमान हरे और गुलाबी रंग की रोशनी से जगमगा उठता है। इसे नॉर्दर्न लाइट्स या ऑरोरा कहा जाता है। ट्रॉम्सो इसे देखने के लिए दुनिया की सबसे खास जगह है।

लोगों की जिंदगी व त्यौहारों पर असर : लंबे अंधेरे में लोग कृत्रिम रोशनी और विटामिन डी पर निर्भर रहते हैं। वहीं लंबे उजाले में रात को नींद पूरी करना मुश्किल हो जाता है क्योंकि चारों तरफ दिन जैसा उजाला होता है। ट्रॉम्सो में लोग इस अनोखे अनुभव को त्योहारों के साथ मनाते हैं।

शिक्षा-शोध व पर्यटकों के लिए विशेष

यहां आर्कटिक यूनिवर्सिटी है, जो ध्रुवीय इलाकों और जलवायु पर रिसर्च करती है। वैज्ञानिकों के लिए ट्रॉम्सो किसी प्रयोगशाला से कम नहीं। व्हेल वॉचिंग, डॉग स्लेजिंग और स्कीइंग जैसी रोमांचक एक्टिविटीज़ ट्रॉम्सो को टूरिस्ट्स की फेवरेट जगह बनाती हैं। साथ ही चारों ओर फैली प्राकृतिक सुंदरता इसे और खास बनाती है।

क्यों होता है ऐसा

पृथ्वी अपनी धुरी पर 23.5 डिग्री झुकी हुई है। इसी कारण ध्रुवों के पास गर्मियों में सूरज हफ़्तों तक ढलता नहीं और सर्दियों में उगता नहीं। यही ट्रॉम्सो की सबसे अनोखी पहचान है।

ओम हॉस्पिटल
NABH Entry Level
जनरल एवं लोप्रोस्कोपिक विभाग
• हर्निया • चर्बी की गांठ • फिस्टुला
• अपेंडिक्स गठान स्तन में बनने वाली गांठ
• दूरबीन से होने वाली समस्त सर्जरी
• पेट से संबंधित समस्त सर्जरी • पाइल्स
• लेजर द्वारा बवासीर का ईलाज
• दूरबीन से हर्निया व गॉल ब्लैडर सर्जरी
शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना, BSKY, ESIC, CSEB, TPA एवं INSURANCE से फ्री में ईलाज
एच.पी.पेट्रोल पंप के पास, महादेवघाट रोड, रायपुरा चौक, रायपुर (छ.ग.), मो. 8370008551
खरोरा रोड़, तिल्दा (छ.ग.), मो. 9302734809
स्व.राजा वीरेंद्र सिंह शासकीय महाविद्यालय के पास, एनएच रोड,सरायपाली (छ.ग.), मो.8370008558
प्रताप देव वार्ड नं. 11, हटा गांधी मैदान के सामने जगदलपुर (छ.ग.), मो. 9131753200
ओम डेन्टल हॉस्पिटल, समता कॉलोनी,रायपुर (छ.ग.) मो. 8305948040
#Rajesh

सुयश हॉस्पिटल
(NABH से मान्यता प्राप्त)
न्यूरो सर्जरी विभाग
.सिर की चोट
.रीढ़ की हड्डी के ऑपरेशन
.ब्रेन ट्यूमर
.ब्रेन हेमरेज
आदि का उच्च स्तरीय ईलाज
24 Hours Helpline
9926386660
कोटा–गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

टैटू (गोदना) मिटाये
नई लेजर तकनीक द्वारा
छ.ग.शासन से मान्यता प्राप्त
कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay 9827144371

मित्तल हॉस्पिटल
रायपुर - भिलाई
कैंसर संबंधित सम्पूर्ण उपचार
आधुनिक मशीनों के द्वारा रेडिएशन थेरेपी (कैंसर सिंकाई) की सुविधा उपलब्ध
रायपुर में — VARIAN HALCYON
भिलाई में — VARIAN UNIQUE
आयुष्मान एवं BSKY-BIJU कार्ड से निःशुल्क रेडियेशन, कीमोथेरेपी एवं रहने की व्यवस्था
• रेडियो थैरेपी • कीमोथेरेपी • कैंसर सर्जरी • मेडिकल एवं हिमेटो ऑन्कोलॉजी
रायपुर: अवंति बाई चौक, पंडरी 9343079151, 91313 99570
भिलाई: टी.आई. मॉल के पास 7722880844, 0788-2294440
Deepak Ad./101

संजीवनी कैंसर केयर हॉस्पिटल
CANCER
आप या तो कैंसर का शिकार बन सकते हैं या कैंसर से जीतने वाले।
ज़रूरत है, सही समय पर सही इलाज की।
ब्लड कैंसर, रक्त संबंधी बीमारियों व बोन मैरो ट्रांसप्लांट के लिए कुशल टीम
डॉ. विकास गोयल MD, DM (हीमेटोलॉजिस्ट एवं हीमेटो-ऑन्कोलॉजिस्ट)
डॉ. अदम्य गुप्ता MD, DM (हीमेटोलॉजिस्ट एवं बीएमटी फिज़ीशियन)
दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर, 7389905010, 07714081010

बैद्यनाथ नागपुर असली आयुर्वेद
आयुर्वेद अपनाए..स्वस्थ रहें!
स्वस्थ हृदय ही अच्छे स्वास्थ्य की पहचान है।
बैद्यनाथ असली आयुर्वेद
अर्जुनामृत
• अर्जुनामृत में अर्जुन के अलावा विडंग, गोखरू एवं नागकेशर जैसे बहुमूल्य जड़ी-बूटियों से युक्त होने से अधिक गुणकारी है।
• बढ़ती उम्र के लिए लाभकारी।
• अर्जुनामृत के साथ शुद्ध शिलाजीत युक्त प्रभाकर बटी का सेवन विशेष लाभदायक है।

श्रीमती राणी राठोड, बिलासपुर
प्र. बरसात के दिनों में सर्दी, खाँसी की तकलीफ बनी रहती है। कृपया आयुर्वेदिक उपचार बतायें।
उ. बैद्यनाथ लक्ष्मीविलास रस (नारदीय) 1–1 टॅब पीसकर शहद + अदरक रस के साथ लेवें। बैद्यनाथ कासविन 2–2 चम्मच सुबह शाम लेवें। रात को सोने के पूर्व बैद्यनाथ सितोपलादी चूर्ण आधा चम्मच शहद के साथ लेवें।

श्री संजय मुळे, राजनांदगाव
प्र. मेरी उम्र 55 वर्ष है। मै पेशाब की समस्या से परेशान हुँ। मुझे प्रोस्टेट की समस्या का पता चला है। कृपया आयुर्वेदिक दवां बताये।
उ. बैद्यनाथ प्रोस्ट–एड टॅबलेट 1–1 टॅबलेट सुबह शाम पानी के साथ लेवें।

श्री सुधीर रेगे, धमतरी
प्र. मेरी आयु 60 वर्ष है। मुझे 5 वर्ष से मधुमेह हुवा है। शरीर में कमजोरी लगती है। कृपया आयुर्वेदिक उपाय बतायें।
उ. महोदय, आप अपने खान पान का ध्यान रखें। व शुगर बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थो का परेहज करें। बैद्यनाथ मधुमेहारी ग्रेन्युल्स् 1–1 चम्मच सुबह–शाम पानी के साथ सेवन करें। इसका सेवन लगातार करें यह दवा किसी प्रकार का साइड इफेक्ट नही करती व रक्तशर्करा सामान्य बनाने में सहायक है।

श्री विरेन्द्र भट्टाचार्य, रायपुर
प्र. मुझे चार साल से बवासीर की तकलीफ है। शौच के जगह खुजली चलती है व दर्द बहुत होता है। कब्ज़ की तकलिफ है। शौचाद्वारा रक्त गिरता है।
उ. बैद्यनाथ सिड्पाईल्स 2–2 टॅबलेट दिन में दो बार पानी के साथ लेवें। बैद्यनाथ अभयामृत 2–2 चम्मच सभाग पानी के साथ दिन में दो बार भोजनबाद लेवें।

वैद्य रमेश शर्मा, एम. डी. (आयु.)
प्रधान वैद्य
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें : 844 844 4935 | www.baidyanath.co

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com